● वर्ष-3
● अंक-118
रायपुर, मंगलवार
26 दिसंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› पटाक्षेप....

प्रदेश में कोरोना की धमक

भारत में 4000 से अधिक एक्टिव मामले हुए दर्ज

रायपुर. कोरोना के नए वेरिएंट की धमक से आम जनता एक बार फिर हैरान परेशान हो गई है. इसको लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आदेश भी जारी कर सभी राज्यों के स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट जारी कर दिया गया है. कुछ दिनों में नववर्ष के स्वागत के लिए पार्टियां और जश्न होंगे. नववर्ष की तैयारी को देखते हुए सभी जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है. सभी जिलों के कलेक्टर को स्वास्थ्य विभाग से निर्देश दिए गए है. रायपुर जिला मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ मिथिलेश चौधरी ने बताया कि प्रत्येक जिले में कम से कम 100 आरटी पीसीआर टेस्ट अनिवार्य किया गया है. कोविड पॉजिटिव आने पर सैंपल की एम्स में जीनोम सीक्वेंसिंग की जाएगी. विगत दिनों कोरोना से बचने के लिए चलाए गए जनजागरण अभियान की फिर से शुरुआत की जाएगी. बता दें कि छत्तीसगढ़ में तीन दिन में कोरोना के 8 मरीज मिल चुके हैं. शनिवार को रायपुर में 2 और दुर्ग में 1 मरीज मिला.

भारत में कोरोनावायरस से संक्रमण एक बार फिर से पैर पसारने लगा है। कोरोनावायरस संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सोमवार की सुबह देश में कोरोनावायरस के मामले 4000 से अधिक हो चुके हैं। केरल में एक व्यक्ति की मौत भी कोरोना संक्रमण के कारण हो गई है। देशभर में कोरोनावायरस के सब वेरिएंट जेएन.1 के बीच कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे के दौरान 4054 कोरोना के मामले दर्ज हुए हैं, जबकि एक दिन पहले रविवार को यह आंकड़ा 3742 था। केरल, जहां पहली बार कोविड उप-संस्करण जेएन.1 का पता चला था, वहां एक ही दिन में सबसे अधिक सक्रिय मामले (128) दर्ज किए गए। दक्षिणी राज्य में एक और मौत की सूचना मिली, जिससे देश भर में मरने वालों की संख्या 5,33,334 हो गई। पिछले 24 घंटों में, 315 लोग कोविड-19 से ठीक हुए, जिससे ठीक होने वालों की कुल संख्या 4.44 करोड़ (4,44,71,860) हो गई। देश में वर्तमान में संक्रमितों की संख्या 4,50,09,248 है।

मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, कोविड-19 रोधी टीके की अब तक 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.81 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत थी।

मरीजों के एंटीजन टेस्ट मिले पॉजिटिव

इन 8 मरीजों में केवल एम्स की स्टाफ नर्स का ही आरटी पीसीआर टेस्ट हुआ है. बाकी सभी एंटीजन टेस्ट में पॉजिटिव मिले हैं. इन सभी मरीजों का आरटी पीसीआर टेस्ट करवाया जा रहा है. उसमें पॉजिटिव आने पर उनके सैंपल जिनोम सिक्वेंसिंग के लिए एम्स की लैब भेजे जाएंगे. अभी केवल एम्स की स्टाफ नर्स का ही सैंपल जांच के लिए भेजा गया है. इतना ही नहीं एम्स की स्टाफ नर्स की जिस वार्ड में ड्यूटी थी वहां उस दौरान भर्ती सभी मरीजों का पता लगाकर उनके स्वास्थ्य की जांच की जाएगी. इधर, मौसम बदलने से सर्द जुकाम के मरीज भी बढ़ गए हैं. डॉक्टर उन्हें कोरोना टेस्ट के लिए सलाह दे रहे हैं.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी

कानून बने भारतीय न्याय संहिता बिल

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय न्याय संहिता 2023 के तीनों बिलों को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही तीनों विधेयकों को कानून बन गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय जल्द ही नोटिफिकेशन जारी कर सकता है। बता दें कि अंग्रेजों के शासन काल से चले आ रहे करीब 150 वर्ष पुराने कानूनों में मोदी सरकार ने बड़े बदलाव किए हैं। इंडियन पीनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहिता बिल 2023, सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 को सदन में रखा गया था। इन विधेयकों को अगस्त में हुए संसद के मानसून सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में रखा था। बाद में तीनों बिलों को रिव्यू के लिए संसदीय स्थायी समिति के पास भेजा गया था।

पिछले सप्ताह विधेयकों का नया संस्करण लाया या। तीन नए बिलों को पेश करने के दौरान अमित शाह ने कहा कि इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर विचार करने का उद्देश्य आपराधिक कानूनों में सुधार करना है।

कानूनों में होंगे बदलाव?

आईपीसी में फिलहाल 511 धाराएं हैं। इसके स्थान पर भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद इसमें 356 धाराएं रह जाएंगी। यानी 175 धाराएं बदल जाएंगी। भारतीय न्याय संहिता में 8 नई धाराएं जोड़ी गई हैं, 22 धाराएं हटाई गई हैं। इसी तरह सीआरपीसी में 533 धाराएं रह जाएंगी। 160 धाराएं बदलेंगी, 9 नई जुड़ेंगी, 9 खत्म होंगी। सुनवाई तक पूछताछ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए करने का प्रावधान होगा, जो पहले नहीं था।

3 साल के भीतर फैसला

सबसे बड़ा बदलाव ये है कि अब ट्रायल कोर्ट को हर फैसला अधिकतम 3 साल के भीतर देना होगा। देश में 5 करोड़ केस पेंडिंग हैं। इनमें से 4.44 करोड़ मामले ट्रायल कोर्ट में हैं। इसी तरह जिला अदालतों में जजों के 25,042 पदों में से 5,850 पद खाली हैं।

भड़काऊ भाषण पर 5 साल की सजा

भड़काऊ भाषण और हेट स्पीच को अपराध के दायरे में लाया गया है। अगर कोई इंसान ऐसे भाषण देता है तो उसे तीन साल की सुनाई जाएगी। इसके साथ जुर्माना भी लगेगा। अगर भाषण किसी धर्म या वर्ग के खिलाफ होता है तो 5 साल की सजा का प्रावधान है।

गैंगरेप में दोषी को आजीवन कारावास

नए बिल के तहत गैंगरेप के दोषियों को 20 की सजा या आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा सकती है। अगर दोषी 18 साल से कम उम्र की बच्ची के साथ ऐसा करता है तो उसे मृत्युदंड देने का प्रावधान है।

मॉब लिंचिंग पर 7 साल की सजा

- अगर 5 या इससे ज्यादा लोगों का समूह किसी की जाति, समुदाय, भाषा और जेंडर के आधार पर हत्या करता तो हर दोषी को मौत या कारावास की सजा दी जाएगी। वहीं, इस मामले से जुड़े दोषी को कम से कम 7 साल की सजा के साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है।
- भगौड़े देश में हों या नहीं, दोनों की मामलों में ट्रायल जारी रहेगा। उनकी सुनवाई होगी और सजा सुनाई जाएगी।
- नए बिल में एक बड़ा प्रावधान यह भी जोड़ा गया है कि अगर दोषी को मौत की सजा दी जाती है तो उसकी सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकेगा।
- अगर किसी मामले में संपत्ति की कुर्की होती है तो उसका आदेश कोर्ट देगा, पुलिस का कोई अधिकारी नहीं।
- आम इंसान को एक क्लिक पर मुकदमों की जानकारी मिल सकेगा, इसलिए 2027 तक देश की सभी कोर्ट को ऑनलाइन कर दिया जाएगा ताकि मुकदमों का ऑनलाइन स्टेटस मिल सके।
- किसी भी मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है तो उसकी सूचना परिवार को देना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं, 180 दिन के अंदर जांच को खत्म करके लिए ट्रायल के लिए भेजना होगा।
- किसी पुलिस अधिकारी के खिलाफ कोई ट्रायल चलाया जा रहा है तो इसको लेकर 120 दिन में अंदर फैसला लेना होगा। यानी न्यायिक मामलों की रफ्तार बढ़ेगी।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने क्रिसमस के मौके पर सोमवार को राजधानी स्थित सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल चर्च का दौरा किया और ईसा मसीह को मानवता के लिए प्रेरणा बताया। नड्डा ने कैथेड्रल में वरिष्ठ पादरियों से मुलाकात की। नड्डा के इस कदम को ईसाई समुदाय के बीच भाजपा की पैठ बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ईस्टर पर इसी कैथेड्रल का दौरा किया था। क्रिसमस के शुभ अवसर पर, जब भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा दिल्ली के एक चर्च में गए.

कोरोना से ज्यादा जानलेवा निकलीं छत्तीसगढ़ की सड़कें

रायपुर. छत्तीसगढ़ से हैरान करने वाली खबर है. यहां की सड़कें कोरोना से भी ज्यादा घातक हैं. जी हां, जितनी जानें कोरोना से तीन साल में गईं, उसके करीब-करीब बराबर मौतें सड़क हादसों में महज एक साल में हुई हैं. छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटना में हर साल करीब 17 हजार जानें जा रही हैं. जबकि, कोरोना में तीन साल में करीब 18 हजार लोंगो की मौत हुई. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में साल 2022 में 16 हजार 893 लोंगो की जान सड़क दुर्घटना में गई है. आंकड़ों के अनुसार 248 की मौत प्राकृतिक कारणों की वजह से हुई है. सैकड़ों ऐसे लोग है जो गंभीर रूप से घायल हुए और सैकड़ो लोग दिव्यांग हो गए. शान की सवारी गाड़ी जान भी खुलकर ले रही है. गौरतलब है कि एनसीआरबी ने 28 राज्यों के सड़क दुर्घटना के आंकड़े जारी किए हैं. आकस्मिक मौत के मामले में सर्वाधिक मौतें छत्तीसगढ़ में हुई हैं.

एनसीआरबी के आंकड़े चौंकाने वाले

प्रमुख समाचार

पीएम आवास पर ईसाई समुदाय के लोगों से संवाद किया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को क्रिसमस के मौके पर अपने आधिकारिक आवास पर ईसाई समुदाय के लोगों से संवाद किया और कहा कि उनके साथ उनका बहुत पुराना और आत्मीय नाता रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास का फायदा हर किसी तक पहुंचे और कोई इससे अछूता ना रहे। उन्होंने कहा, ईसाई समुदाय के लोगों तक, विशेषकर गरीबों और वंचितों तक भी आज देश में हो रहे विकास का लाभ पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री ने मत्स्य पालन मंत्रालय बनाए जाने के अपने कदम को याद करते हुए कहा कि ईसाई समुदाय ने इसकी सार्वजनिक रूप से सराहना की थी और उनका सम्मान भी किया था। उन्होंने कहा, ''क्रिसमस के इस अवसर पर मैं देश के क्रिश्चियन समुदाय के लिए एक बात जरूर कहूंगा।

हिजाब पर लगा प्रतिबंध नहीं हटाने पर ओवैसी नाराज

नई दिल्ली। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस के कर्नाटक में सत्ता में आने के सात महीने बाद भी हिजाब पर लगा प्रतिबंध हटाने के लिए आदेश नहीं जारी करने को लेकर सोमवार को राज्य सरकार की आलोचना की। संवाददाताओं से यहां बातचीत करते हुए उन्होंने कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा चार भारतीय सैन्यकर्मियों की हत्या की निंदा की। हैदराबाद के सांसद ने कश्मीर में तीन नागरिकों की 'हत्या' में कथित रूप से शामिल कर्मियों की गिरफ्तारी की मांग की। तीनों लोगों को कथित तौर पर पूछताछ के लिए पकड़ा गया था और बाद में उनके शव मिले थे। उन्होंने कहा, ''उन्हें (कर्नाटक की कांग्रेस सरकार) सात महीने क्यों लगे और वे पीछे क्यों हट रहे हैं? एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कहते हैं कि आप जो चाहें पहन सकते हैं और फिर एक घंटे के भीतर वह कहते हैं कि हमें अभी निर्णय लेना है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कर्नाटक के मुसलमान निराश महसूस कर रहे हैं।'' ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख ने आश्चर्य जताया कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को ऐसे आदेश जारी करने से कौन रोक रहा है जिसमें सिर्फ 30 मिनट लगेंगे।

सांसदों के निलंबन को हथियार बना रही बीजेपी: खरगे

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति जगदीप धनखड़ को लिखे एक पत्र में भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा है कि सत्तापक्ष लोकतंत्र को कमजोर करने, संसदीय परंपराओं को नष्ट करने और संविधान का गला घोंटने के लिए सांसदों के निलंबन को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। धनखड़ को लिखे जवाबी पत्र में खरगे ने यह भी कहा कि सभापति का पत्र ''दुर्भाग्य से संसद के प्रति सरकार के निरंकुश और अहंकारी रवैये को उचित ठहराता है। पत्र में सभापति द्वारा उल्लेखित कुछ बिंदुओं का जवाब देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने उनसे राज्यसभा के सभापति के रूप में निष्पक्षता और तटस्थता के साथ विपक्ष की चिंताओं पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने पत्र में दावा किया, सत्तारूढ़ दल ने वास्तव में लोकतंत्र को कमजोर करने, संसदीय प्रथाओं को नुकसान पहुंचाने और संविधान का गला घोंटने के लिए सदस्यों के निलंबन को एक सुविधाजनक हथियार बना दिया है। खरगे का कहना था, ''विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए विशेषाधिकार प्रस्तावों को भी हथियार बनाया गया है।

कुनो के जंगल से भागा नर चीता अग्नि

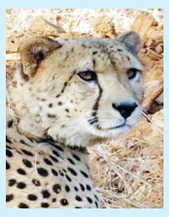

कूनो। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क की बड़ी-बड़ी से खुले जंगल में चीतों को आजाद किया गया था। जीतू को लेकर अब बड़ी जानकारी सामने आई है कि यह चीते अब खनन के जंगलों की सीमा को भी लग रहे हैं और दूर दराज के इलाकों में पहुंच रहे हैं। इसी बीच कनु नेशनल पार्क की बड़ी-बड़ी की कैद से जंगल में छोड़े गए चार सीटों में से एक यानी अग्नि नाम का न चीता दोनों नेशनल पार्क के जंगल से बाहर निकल कर पोहरी इलाके से होते हुए रतनगढ़ इलाके में पहुंच चुका है। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि के बीच, श्योपुर में कूनो राष्ट्रीय उद्यान की सीमाओं से चीता अग्नि के भागने से वन्यजीव अधिकारियों के बीच व्यापक चिंता पैदा हो गई है। अधिकारी अब स्थिति के बीच अग्नि को उसके समकक्ष वायु से मिलाने की रणनीति बना रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अग्नि के लापता होने के चार दिन बीत जाने के बावजूद उसकी वापसी का कोई पता नहीं चला है। हाल की रिपोर्टें राजस्थान सीमा के निकट वन क्षेत्र में उसके ठिकाने की ओर इशारा करती हैं।

300 भारतीयों को लेकर आखिरकार फ्रांस से उड़ा प्लेन

पेरिस। मानव तस्करी के शक में फ्रांस में रोका गया 303 लोगों वाला प्लेन सोमवार को आखिरकार मुंबई के लिए रवाना हो गया. कुल 303 यात्रियों में 300 लोग भारतीय हैं. प्लेन मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड करेगा. पहले इसके सोमवार दोपहर 2.20 बजे भारत आने की जानकारी दी गई थी. निकारागुआ जा रहे एयरबस ए340 को फ्रांसीसी अधिकारियों ने मानव तस्करी के शक में गुरुवार को वैट्री एयरपोर्ट पर रोक लिया था. यात्रियों से कड़ी पूछताछ की गई थी. फ्रांस की एक कोर्ट के आदेश के बाद भारतीयों के प्लेन को उड़ान भरने की इजाजत दे दी गई. रविवार को 4 जजों ने क्रिसमस की छुट्टियों में भी काम करते हुए हिरासत में रखे गए यात्रियों से पूछताछ करने बाद विमान के रवाना होने के आदेश दिए थे. फ्रांसीसी अभियोजकों ने दो दिन तक प्लेन में मौजूद यात्रियों से मानव तस्करी को लेकर पूछताछ की थी.

अलविदा 2023

छत्तीसगढ़ में भाजपा की जीत, ईडी की कार्रवाई और नक्सली हमले का गवाह रहा साल 2023

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2023 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत, धन शोधन मामलों में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई और लंबे अंतराल के बाद नक्सली हमले में जवानों की मौत का गवाह रहा। इस वर्ष बेमेतरा जिले में सांप्रदायिक हिंसा और विधानसभा सत्र के दौरान युवाओं के नग्न के प्रदर्शन ने भी राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया। बेमेतरा हिंसा में मारे गए युवक के पिता अब भाजपा के विधायक हैं।

भाजपा को ऐतिहासिक 54 सीटों पर जीत

छत्तीसगढ़ में इस वर्ष के मध्य में चुनावी माहौल गरमाना शुरू हो गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की रणनीति तथा जोरदार चुनाव प्रचार ने भाजपा को ऐतिहासिक 54 सीटों पर जीत दिलाई और पांच वर्ष बाद वह कांग्रेस से सत्ता छीनने में कामयाब रही। राज्य की 90 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 35 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। छत्तीसगढ़ में पहली बार गोंडवाना गणतंत्र पार्टी भी एक सीट जीतने में कामयाब रही। आदिवासी बहुल इस राज्य में लगातार तीन बार (2003 से 2018) सत्ता में रहने के बाद 2018 में भाजपा को केवल 15 सीटें ही मिली थी।

चुनाव में जीत के बाद भाजपा ने प्रमुख आदिवासी चेहरे विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री तथा भाजपा विधायक अरुण साव और विजय शर्मा को उप मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। इस वर्ष फरवरी माह में कांग्रेस ने राजधानी रायपुर में अपना 85 वां राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया था जिसमें पार्टी के शीर्ष नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मौजूद थे। अधिवेशन के दौरान सड़क पर गुलाब की पंखुड़ियां बिछाकर प्रियंका गांधी के स्वागत ने मीडिया का ध्यान आकर्षित किया और पार्टी को विपक्ष की आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी द्वारा स्थापित जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) और मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को खासा नुकसान उठाना पड़ा। दोनों ही पार्टियां इस बार अपना खाता खोलने में विफल रहीं। जोगी की पत्नी तथा पिछली विधानसभा में विधायक रेणु जोगी कोटा से हार गईं। यह पहली बार है कि जब विधानसभा में जोगी परिवार का कोई भी सदस्य नहीं है। अजीत जोगी के बेटे

अमित जोगी को पाटन सीट से तथा अमित जोगी की पत्नी ऋचा जोगी को अकलतरा सीट से हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में भी आम आदमी पार्टी को सफलता नहीं मिली।

ईडी की कार्रवाई

इस वर्ष कथित कोयला लेवी, शराब और महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप घोटालों के सिलसिले में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, नौकरशाहों और व्यापारियों के परिसरों पर ईडी के कई छापे पड़े। अलग-अलग मामलों में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों में आईएएस अधिकारी रानू साहू, कांग्रेस नेता एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर और आबकारी विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी शामिल हैं। पिछले महीने चुनावों से पहले ईडी ने महादेव ऐप मामले से जुड़े कथित कैश कूरियर को गिरफ्तार कर दावा किया था कि फोरेंसिक विश्लेषण और कैश कूरियर द्वारा दिए गए एक बयान से चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं कि महादेव सट्टेबाजी ऐप प्रमोटरों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब तक लगभग 508 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, और यह जांच का विषय है। ईडी ने महादेव ऐप मामले में बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के ठिकानों पर भी छापेमारी की थी।

सांप्रदायिक हिंसा का मामला भी छाया रहा

बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में सांप्रदायिक हिंसा का मामला भी इस साल छाया रहा। चुनाव प्रचार में भाजपा ने इस घटना को मुद्दा बनाया और हिंसा में मारे गए भुनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को साजा सीट से चुनाव मैदान में उतारा। साहू ने राज्य के मंत्री और प्रभावशाली कांग्रेस नेता रवींद्र चौबे को हरा दिया। साहू के बेटे भुनेश्वर साहू (22) की आठ अप्रैल को बिरनपुर गांव में सांप्रदायिक हिंसा में मौत हो गई थी।वहीं 11 अप्रैल को बिरनपुर निवासी रहीम मोहम्मद (55) और उनके बेटे इदुल मोहम्मद (35) का शव बरामद किया गया था। दोनों के शरीर पर चोट के निशान थे। राज्य में इस वर्ष अप्रैल माह दंतेवाड़ा में नक्सली हमले का गवाह रहा। 26 अप्रैल को नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में माओवादियों ने सुरक्षाबलों के एक वाहन को उड़ा दिया। इस घटना में दस जवानों और वाहन चालक की मृत्यु हो गई। पिछले ढाई साल में राज्य में सुरक्षा बलों पर माओवादियों का यह सबसे बड़ा हमला था। पुलिस के अनुसार इस वर्ष नवंबर के अंत तक राज्य में नक्सली हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में 25 सुरक्षाकर्मी और 41 नागरिक मारे गए। पिछले साल यह आंकड़ा क्रमश- 10 और 36 था। इस वर्ष नवंबर तक सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 19 नक्सली मारे गए हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 30 थी। नक्सलियों के चुनाव बहिष्कार के आह्वान के बावजूद, माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग और चार अन्य जिलों के 20 निर्वाचन क्षेत्रों में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 78 प्रतिशत मतदान हुआ। इस वर्ष जुलाई माह में युवकों के एक समूह ने राजधानी में विधानसभा के रास्ते पर नग्न विरोध प्रदर्शन किया और फर्जी जाति प्रमाणपत्र का उपयोग कर सरकारी नौकरी पाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जवानों ने 2 इनामी नक्सली समेत 3 को किया ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद

■ लाल आतंक का अब होगा हिसाब

दंतेवाड़ा। सुकमा और दंतेवाड़ा जिले के शरहदी इलाके के डब्बा कुन्ना में रविवार देर शाम तक चली मुठभेड़ में 3 हार्डकोर माओवादियों के मारे जाने की पुलिस ने पुष्टि की है। पुलिस ने 2 इनामी नक्लसियों समेत 3 को मार गिराया है। दो नक्सलियों पर 5-5 लाख का इनाम रखा गया था। मुठभेड़ में एलओएस कमांडर कुहरामी लक्ष्मण और सोमा माद्वी मारे गए हैं।

5-5 लाख के इनामी दो माओवादी ढेर

सोमा माड़वी कांगरवेली कमेटी का सदस्य 5 लाख का इनामी माओवादी भी मारा गया। लक्ष्मण कोहरामी की भी पुष्टि हुई है। समर्पित माओवादी ने मारे गए नक्सलियों की पहचान की है। इन दोनों पर ही 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित था। मारे गए तीन माओवादियों में से एक की पहचान अभी नहीं हुई है। पुलिस इस माओवादी की भी पहचान करने का प्रयास कर रही है।

बंदूक, पिस्टल और हैंडग्रेनेट बरामद

मौके से दो 12 बोर की बंदूक, एक पिस्टल और हैंडग्रेनेट भी बरामद किया गया

है। साथ ही रॉकेट लॉन्चर भी जब्त हुआ है। पिट्ठू बैग और वॉकी टॉकी भी बरामद हुआ है। नक्सल साहित्य के साथ कुछ अहम डायरी भी मिली है। इन डायरी को खंगालने के बाद और महत्वपूर्ण जानकारी पुलिस के हांथ लगेगी।

नक्सल प्रभावित गांव में क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन

कबीरधाम। प्रदेश के नक्सल प्रभावित जिले कबीरधाम में पुलिस व ग्रामीणों के बीच दोस्ती बनाने के लिए सामुदायिक पुलिसिंग के तहत कई प्रकार के आयोजन किये जा रहे है। इसी कड़ी में कबीरधाम एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव के निर्देश में नक्सल प्रभावित थाना झलमला क्षेत्र के तहत ग्राम अंजना और सामनापुर में क्रिकेट और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

क्रिकेट और कबड्डी प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर पुलिस अधीक्षक कबीरधाम डॉ. अभिषेक पल्लव शामिल हुए। क्रिकेट प्रतियोगिता का जब शुभारंभ करने पहुंचे तो उन्होंने पिच पर बल्लेबाजी की और छक्का- चौका लगाकर अपना जौहर दिखाया।

विजेता खिलाड़ी को यातायात जागरूकता के लिए हेलमेट प्रदान किया। ग्राम अंजना के आयोजन समिति को 10 हजार रुपये सहयोग के रूप मे प्रदान किया। ग्राम अंजना में 28 टीम और ग्राम सामनापुर मे आयोजित प्रतियोगिता में 35 टीमें भाग ले रहीं हैं।

दरअसल यह क्षेत्र एमपी-सीजी बॉर्डर से लगी हुई हैं। इस क्षेत्र में नक्सल गतिविधि की जानकारी सामने आते रहती है। नक्सलियों से ग्रामीणों की दूरी बनी रही इस कारण पुलिस विभाग द्वारा ऐसे आयोजन कराए जाते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

स्वच्छता के लिए जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं आम नागरिकों ने निभाई सहभागिता

बलरामपुर। पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसम्बर 2023, सुशासन दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर जिले में विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। आज से प्रारंभ विशेष स्वच्छता अभियान 31 दिसंबर 2023 तक संचालित की जाएगी। ग्राम पंचायत भनौरा स्थित अटल चौक में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के तैलचित्र के समक्ष पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रेना जमील, नगर पंचायत अध्यक्ष सुंदरमणि मिंज, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री भानुप्रताप दीक्षित सहित अन्य अतिथियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर सीईओ श्रीमती रेना जमील ने उपस्थित लोगों को सुशासन संकल्प एवं स्वच्छता हेतु शपथ दिलाई। इसके साथ ही लोगों के स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए जिला स्तरीय वृहद स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अटल चौक भनौरा से सर्किट हाउस तक स्वच्छता रैली भी निकाली गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने हाथ में झाड़ू थामकर साफ-सफाई अभियान की

शुरूआत की। स्वच्छाग्रही एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं, कर्मचारियों तथा आमजनों ने भी अपनी सहभागिता निभाई। वहीं जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर साफ-सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन में अंगीकृत करने का संकल्प लिया गया।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी(रा.) श्री करूण डहरिया, तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मंत्री दयालदास ने सुशासन संकल्प की शपथ दिलायी

बेमेतरा। बेमेतरा ज़िले के जगह-जगह पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनायी गयी। उन्हें नमन किया गया। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री दयालदास बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने नगर पंचायत प्रांगण नवागढ़ पहुँचे। इस दौरान अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेयी,एसडीएम श्री भूपेन्द्र जोशी ,जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक मौजूद थे। सभी ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित की। श्री वाजपेयी की जयंती पर उनका स्मरण कर उन्हें नमन किया। मंत्री श्री दयालदास बघेल ने उपस्थितों को प्रदेश में सुशासन के उच्चतम मापदंडों को स्थापित करने के लिए, शासन को अधिक पारदर्शी,सहभागी, जनकल्याण केन्द्रित तथा जवाबदेह बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने एवं प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लक्ष्य को पाने के लिए सदैव तत्पर रहने की शपथ दिलायी। वही विधायक बेमेतरा दीपेश साहू ज़िला मुख्यालय बेमेतरा के जय स्तंभ चौक में पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और सुशासन संकल्प की शपथ दिलायी।

पांच साल बाद घर वापसी, कोरबा में 101 परिवारों ने अपनाया हिंदू धर्म

कोरबा। धर्मसेना की ओर से कटघोरा के संस्कृतिक भवन में रविवार को धर्मांतरण कर चुके परिवारों की घर वापसी कार्यक्रम रखा गया। यहां समाज प्रमुख का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में हिंदू धर्म से दूसरे धर्म में गए 101 परिवारों की घर वापसी कराई गई और ये सभी वापस सनातन धर्म में शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने सभी परिवार के पैर पखारे और उन्हें तिलक लगाकर घर वापसी की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज हिंदुत्व किसी जाति का नहीं राष्ट्रीयता का प्रतीक है, इतिहास गवाह है।

आगे कहा कि जहां हिंदू घटा है देश बंटा है। इसीलिए हिंदू बचाना मंदिर बनाने से भी बड़ा कार्य है। क्योंकि हिंदू ही मंदिर बनाएगा मंदिर हिंदू नहीं। सम्मेलन में उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मैं विरोधियों को चुनौती देता हूं ये धर्मांतरण का घिनौना कार्य बंद कर दो अन्यथा इसका दूरगामी परिणाम विचारणीय होगा।

धर्म सेवा के प्रदेश संरक्षक प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने बताया कि छत्तीसगढ़ में एक बड़े स्तर पर धर्म परिवर्तन का सिलसिला जारी था। जिस पर हिंदू संगठन के द्वारा अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस शासन काल में पिछले 5 सालों में धर्म परिवर्तन हुए।

सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा शासन काल में धर्म परिवर्तन पर बिल्कुल अंकुश लगाया जाएगा। आज इस कार्यक्रम में जो भी हिंदू भाई शामिल हुए और घर वापसी हुई है। उनका स्वागत है। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में धर्म सेना के कार्यकर्ता और प्रमुख लोग शामिल थे। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का सभी हिंदुओं ने संकल्प लिया।

मिड डे मील के लिए राशि नहीं, बलरामपुर रामानुजगंज जिले में बुरा हाल

बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज मध्याहन भोजन के लिए स्कूलों को शासन से 4 महीने से राशि जारी नहीं की गई। इसके साथ ही रसोइयों को भी 4 महीने का मानदेय नहीं मिला। इस कारण पूरे जिले में मध्याहन भोजन की स्थिति लड़खड़ाने लगी है। सिर्फ अब दीवारों में मेन्यू चिपक कर रह गया है। वास्तविकता में मध्याहन भोजन मेन्यू के अनुसार नहीं दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि बलरामपुर रामानुजगंज जिले के 1402 प्राथमिक स्कूल और 582 माध्यमिक स्कूल हैं। जिसमें क्रमश: बालक-बालिकाओँ की दर्ज संख्या 76330, 40306 है। वहीं जिले में कुल रसोइयों की संख्या 3625 है। वहीं संचालन करता 1984 हैं।

अगस्त माह से मध्याहन भोजन के लिए आवंटन नहीं आने से संचालकर्ता को भुगतान नहीं हो पाया है। जिस कारण धीरे-धीरे अब जिले की मध्याहन भोजन व्यवस्था चरमराने लगी है। जैसे-तैसे मतदान भोजन का संचालन हो रहा है। कहीं भी मेन्यू के अनुसार बच्चों को भोजन नहीं दिया जा रहा है। प्राइमरी में 5.68 रुपये मिडिल स्कूल के 8.17 रुपए के हिसाब से प्रति छात्र राशि मिलती है। जो वर्तमान में महंगाई के हिसाब से कम है।

वहीं रसोइयों को हर माह 2000 रुपये वेतन दिया

जाता है। आवंटन के अभाव में बलरामपुर रामानुजगंज जिले 3625 रसोइयों का वेतन भी नहीं मिल पा रहा है। रसोईया संघ के पदाधिकारी ने कहा कि एक तो हम लोगों का वेतन बहुत ही कम है। न्यूनतम मानदेय में सभी जगह रसोईया काम कर रहे हैं, परंतु इसके बाद भी वेतन समय पर नहीं मिल पा रहा है।

दुकानदार भी उधार देने में कतराने लगे हैं। बलरामपुर रामानुजगंज जिले में 1984 संचालकर्ता है। जिनके द्वारा मध्याहन भोजन का संचालन किया जाता है। संचालकर्ता के द्वारा परिचित किराना की दुकान से सामग्री उधार क्रय मध्याहन भोजन का संचालन कर रहे थे। परंतु विगत चार माह से उनके द्वारा पैसा नहीं देने से अब किराना दुकान के द्वारा भी उन्हें सामान देने से मना किया जा रहा है। ऐसे में मध्याहन भोजन चलाना मुश्किल होगा।

स्वच्छ शहर बनाने में सभी दें सहयोग: किरण देव

जगदलपुर। जिला मुख्यालय के संजय बाजार परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी के तैलचित्र के समक्ष जगदलपुर विधायक किरण देव, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, कलेक्टर विजय दयाराम सहित अन्य अतिथियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित कर जिले में विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। आज सुशासन दिवस से प्रारंभ विशेष स्वच्छता अभियान 31 दिसंबर तक संचालित की जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव ने कहा कि किसी भी शहर की पहचान उसकी साफ-सफाई की व्यवस्था से ही बनती है, चौक चौराहों के रूप में मशहूर जगदलपुर को स्वच्छ शहर बनाने का आह्वान करते हुए सभी से सहयोग की अपील की। स्वच्छता के लिए नगर निगम के

कर्मी प्रतिदिन कार्य करते है, सफाई का दायित्व सिर्फ निगम कर्मी का नहीं है एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें भी सहयोग करना चाहिए। उन्होने कहा कि जिला प्रशासन और नगर निगम के तत्वावधान में स्वच्छता सप्ताह मनाया जा रहा है, इस सफाई अभियान में सभी शहर को स्वच्छ रखने का संकल्प लें। उन्होंने सुशासन दिवस पर स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के कार्यकाल में किए उल्लेखनीय कार्यों का भी जिक्र किया। कलेक्टर श्री विजय ने कहा कि स्वच्छता के इस मुहिम में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है और जिम्मेदारी भी है कि हम आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस पर स्वच्छता अभियान

महासमुन्द। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर उनके छाया चित्र में माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर आज सुबह से ही व्यापक स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। जिला मुख्यालय स्थित अंबेडकर चौक से बस स्टेंड ,वहां से महामाया तालाब में विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा ने हाथ में झाड़ू थामकर सफाई अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पवन पटेल, पार्षदगण महेंद्र जैन, मीना वर्मा,हेमलता यादव, मंगेश टाकसाले, राजेश नेताम, मुन्ना देवार, राजू चंद्राकार व संदीप दीवान, अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी टॉमसन रात्रे, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, मिशन क्लीन सिटी और यहां के कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता निभाई। वही जिले के ग्राम पंचायतों में भी व्यापक सफाई अभियान चलाया गया तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों द्वारा अटल जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया गया।

क्रिसमस पर कुनकुरी महागिरजाघर में विशेष प्रार्थना

जशपुर। जिले में प्रभु यीशु के जन्म की खुशी में अलग-अलग गांवों, घरों और गिरजाघरों में लोग खुशियां मना रहे हैं। शहर के लोग भी इस जश्न से अछूते नहीं रहे। प्रभु के जन्म के बाद से मेरी क्रिसमस से चर्च समेत पूरा शहर गूंज उठा। जशपुर जिले के कुनकुरी में स्थित एशिया के दूसरे सबसे बड़े गिरजाघर, रोजरी की महारानी में भी 25 दिसंबर क्रिसमस से एक महीने पहले इस पर्व को मनाने की तैयारी शुरू कर दी जाती है। जो क्रिसमस की रात लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होते हैं और इन्हीं झांकियां के माध्यम से समाज को संदेश देने का काम भी किया जाता है। जिले के कुनकुरी में स्थित एशिया के दूसरे सबसे बड़े चर्च रोजरी की महारानी महागिरजाघर में मुख्य अधिष्ठाता जशपुर धर्मप्रांत के बिशप स्वामी एमानुएल केरकेट्टा की अगुवाई में और उनके सहायक के रूप में फादर मरियानुस केरकेट्टा और फादर बोनिफस टोप्पो और अन्य पुरोहितों के समूह ने प्रार्थना व पूजा शुरू कराई। प्रभु के जन्म के एक घंटे पहले से ही पूजा शुरू हो जाती है।

दुर्ग पुलिस का नशे के खिलाफ बड़ा अभियान

दुर्ग। दुर्ग पुलिस नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। पिछले तीन साल के आंकड़ों पर नजर डाले तो साल 2023 में एनडीपीसी एक्ट के तहत सर्वाधिक केस दर्ज किए गए हैं। 2021 में 44 केस पकड़े गए थे। जिसमें 59 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इन मामलों में गांजा और नशीली दवाईयां बरामद की गई थीं। साल 2022 में 46 मामले दर्ज किए, इसमें 71 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें गांजा के 19,ब्राउन शुगर 5 और नशीली दवाइयों के 22 मामले दर्ज किए गए। इसी तरह से साल 2023 की बात करें तो कुल 71 मामलों में 100 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इस मामले में गांजा के 35, ब्राउन शुगर में 14 और नशीली दवाइयों में 20 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया हैं। एएसपी दुर्ग अभिषेक झा ने कहा पुलिस लगातार नशे के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। लगातार दुर्ग पुलिस ब्राउन शुगर,नशीली दवाई और गांजा सहित अन्य नशीले पदार्थों पर कार्रवाई कर रही है।

घना कोहरा के कारण दो दुर्घटनाओं में भिड़ी पांच ट्रकें

बिलासपुर। सोमवार की सुबह शहर में अचानक से मौसम में बदलाव हुआ और घना कोहरा छा गया, इस कारण बिलासपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के सरगांव के पास दो दुर्घटनाओं में पांच ट्रकों की भिड़ंत हो गई और घंटों तक लंबा जाम लग गया। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हालत नहीं हुआ बस ट्रकों के शीशे टूटे। बिलासपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार की सुबह 8 बजे तक घना कोहरा छाया रहा । इस दौरान दोनों दिशाओं की गाडियां काफी धीमी रफ्तार से चल रही थी। कुछ स्थानों पर दृश्यता 5 फीट से भी कम रही। इस बीच कुछ भारी वाहन चालकों ने लापरवाही से गाड़ी चलाई। सुबह 6 बजे सरगांव के पास खपरी ग्राम के सामने एक के बाद एक ट्रक के पीछे दो ट्रक आकर भिड़ गए। तीनों गाडियों के एक दूसरे से भिडने के बाद रास्ता जाम हो गया। इससे वहां गाडियों की कतार लग गई। इसी जगह पर पीछे से एक ट्रक ने फिर सामने रुके ट्रेलर को टक्कर मार दी। पीछे से आकर टक्कर मारने वाले सभी तीन ट्रकों का सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

ओएचई तार की चपेट में आने से बुरी तरह झुलसा युवक

कोरबा। जिले में एक भीषण हादसा हुआ है। जहां खड़ी मालगाड़ी से कोयला निकालते समय ओएचई तार की चपेट में आने से एक युवक गम्भीर रूप से झुलस गया है। घटना के बाद हड़कप मच गया और देखते ही देखते आसपास लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं घटना की सूचना तत्काल 112 को दी गई। जहां पीड़ित को राहगीरों की मदद से अस्पताल के लिए रवाना किया गया। मामला दीपका थाना अंतर्गत बेलटेकरी बसाहट विवेकानंद नगर के पास का है। घायल युवक झाबर निवासी शिवराज यादव की हालत गम्भीर है, जिसे बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया गया है।

पुरखों की खेती संभालने लाखों का पैकेज छोड़ा, बनी महिला किसान

धमतरी। कुरूद ब्लॉक का एक छोटा सा गांव है चरमुड़िया। यहां रहने वाली स्मारिका चंद्राकर हाई क्लास लाइफ मेंटेन करती है। आधुनिक संसाधनों वाला शानदार मकान, जहां वो सारी सुख सुविधाएं है जो किसी भी मेट्रो सिटी के आलीशान मकान में होते हैं। अपना बंगला, अपनी एसयूवी, आईफोन और लेटेस्ट वर्जन का लैपटॉप। हेयर स्टाइल और ड्रेसिंग स्टाइल से लेकर लाइफ स्टाइल और डेली वर्क शड्यूल बिल्कुल किसी निजी कंपनी के सीईओ जैसा है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री रखने वाली स्मारिका किसी निजी कंपनी की सीईओ नहीं बल्कि गांव की एक किसान है। जो आधुनिक खेती के जरिए सालाना डेढ़ से 2 करोड़ का टर्नओवर ले रही है। साथ ही अपने गांव सहित आसपास के 100 से ज्यादा लोगों को रोजगार भी

दिया है।

स्मारिका के पिता दुर्गेश कुमार चंद्राकर गांव के बड़े दाऊ हैं। छत्तीसगढ़ में बड़े किसानों को दाऊ कहा जाता है। बेहिसाब खेती की जमीन है। जिसे दुर्गेश चंद्राकर ही अपने भाइयों के साथ मिलकर संभाला करते थे। इस दौरान स्मारिका ने पहले इंजीनियरिंग की और फिर एमबीए की डिग्री लेने के बाद पुणे में एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी में नौकरी शुरू कर दी। 4 साल तक वहीं अपना करियर बनाती रही। इसके बाद रायपुर शिफ्ट हो गई और वहां 4 साल एक कंपनी में नौकरी की। लेकिन इसी बीच तीन साल पहले पिता की तबीयत काफी खराब हो गई। पिता के साथ साथ पुरखों की बनाई खेती बाड़ी को संभालना भी बड़ा काम था, लिहाजा स्मारिका ने नौकरी छोड़ी और घर आ गई।

स्मारिका चंद्राकर ने कहा घर से हमेशा से लगाव रहा। फैमिली को सपोर्ट करना बहुत जरूरी था। अब मैं अब काफी संतुष्ट हूं। गांव के लोगों से जब ये सुनने को मिलता है कि उन्हें गांव में ही काम मिलने से बहुत अच्छा लग रहा है तो बहुत खुशी होती है। खेती में ही आगे और बहुत कुछ करने का इरादा है। स्मारिका के पिता ने कहा स्मारिका जिस समय गांव आई तब मेरी हालत बिल्कुल ठीक नहीं थी। इसके बाद उसने खुद किसान बनने का फैसला लिया।

गांव पहुंचने के बाद बेटी पहले पिता का सहारा बनी। फिर खेती को जानना समझना शुरू किया। 19 एकड़ के खेतों को चारों तरफ से फैंसिंग करवाई गई। इसे धारा कृषि फॉर्म का नाम दिया है, जो पूरी प्लानिंग के साथ तैयार की गई है। स्मारिका ने परंपरागत धान की फसल छोड़ सब्जी की खेती शुरू की। 19 एकड़ खेत में करेला, खीरा, लौकी के बाद बैंगन और टमाटर लगाए। इसके लिए पिता और दादा के अलावा फार्मिंग एक्सपर्ट्स की मदद ली। मिट्टी की क्वालिटी के मुताबिक सही फसल और बीजों का सलेक्शन किया गया। आधुनिक खेती के लिए जो मशीनें और संसाधन जरूरी थे उन पर इन्वेस्ट किया गया। इसके बाद जब भी मौसम के हिसाब से पानी और दवाओं का छिड़काव करना होता है तब एक्सपर्ट के अलावा इंटरनेट पर मौजूद कई ऑनलाइन डाटा हेल्प प्रोवाइड करने वाले वेबसाइट से इन्फार्मेशन लेती हैं। आज स्मारिका खुद भी काफी अनुभवी किसान बन चुकी हैं।

अटल की जयंती पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने मेकाज में की साफ सफाई

जगदलपुर। जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में सोमवार की सुबह प्रदेशाध्यक्ष, विधायक किरण देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, मेकाज डीन डॉक्टर यू एस पैकरा, मेकाज अधीक्षक डॉक्टर अनुरूप साहू व अन्य आलाधिकारियों के साथ अस्पताल परिसर में झाड़ू लगाकर, स्वच्छता दिवस का परिचय देने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाते हुए, इस दिन को किसानों को समर्पित करते हुए उन्हें दो साल का बकाया बोनस देने की बात कही।

बता दे कि सुशासन दिवस के अवसर पर सोमवार की सुबह प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, रामाश्रय सिंह के अलावा अन्य बीजेपी नेता मेकाज पहुंचे, जहां सबसे पहले मेडिकल कॉलेज डिमरापाल पहुंच कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही अस्पताल की स्वच्छता में अपना योगदान दिया। प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने सफाई कर्मियों से चर्चा करते हुए बताया कि सुशासन दिवस पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिवस के अवसर पर मनाया जाता है, इस दिन को अलग-अलग तरीके से लोग मना रहे है, कहीं रक्तदान करके तो कहीं साफ-सफाई करके। मेकाज पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष किरण देव का मेकाज डीन डॉक्टर यूं एस पैकरा, अधीक्षक डॉ अनुरूप साहू, के अलावा अन्य कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया, वहीं प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने वहां उपस्थित सफाई कर्मियों का हाथ जोड़कर अभिवादन करने के साथ ही सुरक्षाकर्मियों से हाथ मिलाकर उनका हाल जाना।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय ने वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सोमवार को अटल बिहारी विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित स्व अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें सादर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में बनाए गए शहीद स्मारक पर भी पुष्पांजलि अर्पित कर सेनानियों को सादर नमन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अरुण नाथ दिवाकर वाजपेयी, बिल्हा विधायक श्री धरम लाल कौशिक, बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल और बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला सहित अन्य लोगों ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और शहीद स्मारक पर छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानियो को श्रृद्धांजलि अर्पित की।

छत्तीसगढ़ कुर्मी क्षत्रिय चेतना मंच के कैलेंडर का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सोमवार को राज्य अतिथि गृह पहुना में छत्तीसगढ़ कुर्मी क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा प्रकाशित कैलेण्डर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने विमोचन के बाद प्रकाशित कैलेंडर के लिए समाज के लोगो को बधाई दी।इस दौरान समाज के प्रदेश सचिव श्री ऋषि कश्यप के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री को आदिवासी सेवा समिति के अभिनन्दन समारोह के लिए मिला निमंत्रण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सोमवार को यहाँ राज्य अतिथि गृह पहुना में आदिवासी सेवा समिति के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को राजधानी रायपुर के कुशालपुर में समिति द्वारा आयोजित अभिनन्दन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने समिति के सदस्यों को आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री सालिक राम नेताम, उपाध्यक्ष श्री मनहरण सिंह ठाकुर, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला नेताम, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, श्री जयलाल राठिया, श्री लाल सिंह राणा, श्री आनंद राम ध्रुव एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने व्यायाम शाला का किया लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सोमवार को अटल बिहारी विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित कुल उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने धनवंतरी प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र, विश्विद्यालय के प्रमुख मार्ग ज्ञानपथ सहित विश्विद्यालय परिसर में बनाए गए शहीद वीर नारायण सिंह व्यायाम शाला का लोकार्पण किया।

भाजपा किसानों को केवल 2 साल का दे रही पैसा, बोनस का ब्याज भी देना चाहिए

रायपुर। सुशासन दिवस पर किसानों को बोनस देने को लेकर सुशील आनंद शुक्ला का बयान सामने आया है। सुशील आनंद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि, भाजपा को किसानों का बोनस जारी करने के साथ प्रायश्चित करना चाहिए। बीजेपी उन्हें केवल 2 साल के बोनस की भरपाई कर रही है। किसानों को बोनस का ब्याज भी देना चाहिए। इन 7 सालों में कुछ खातों का बंटवारा हुआ, तो कुछ किसानों की मृत्यु भी हो गई। मंत्रिमंडल गठन के बाद विभागों का बंटवारा नहीं होने पर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद ने भाजपा पर तंज कसा है। सुशील आनंद शुक्ला का कहना है कि, पहले मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर सिर फुटव्वल हुआ। अब भाजपा मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा नहीं कर पा रही। मंत्रिमंडल में वरिष्ठों को दरकिनार किया गया। भाजपा सामंजस्य नहीं बिठा पा रही। इतना ही नहीं कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद ने कहा, कोरोना को लेकर सरकार को जागरुकता फैलाना चाहिए। इस मामले को गंभीरता से लेकर तैयारी करनी चाहिए। सावधानी ही बचाव है।

मुख्यमंत्री साय आज 26 वीर बाल दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

■ पहुंना में साहसी बच्चों का होगा सम्मान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का होगा प्रसारण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस जोर शोर से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय वीर बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय के राजधानी स्थित निवास पहुंना में साहसी बच्चों का सम्मान किया जाएगा। प्रदेश के सभी पंजीकृत बाल देखरेख संस्थाओं में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का प्रसारण किया जाएगा। इस अवसर पर केन्द्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा बनाई गई ऑडियो-विजुअल की स्क्रीनिंग के साथ ही वीर बाल दिवस पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी का आयोजन होगा। इस अवसर पर वीर बाल प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

गौरतलब है कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों के सर्वोच्च बलिदान और साहस की स्मृति में पूरे देश के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश में वीर बाल दिवस के अवसर पर जिला स्तर, नगर पालिका, वार्ड, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं और किशोरों, देश वासियों, महिलाओं में राष्ट्रनिर्माण के लिए योगदान एवं मूल्यों को स्थापित करना और सुदृढ़ बनाना है। इसके लिए विशेषकर स्वतंत्रता सेनानियों एवं प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से पुरस्कृत पूर्व विजेताओं के अनुभवों को साझा किया जा रहा है।

वीर बाल दिवस के पूर्व 22 एवं 23 दिसंबर को माई भारत पोर्टल पर किशोर लड़कियों और लड़कों का पंजीकरण और गतिविधियों को पोर्टल में अपलोड किया है। इस दौरान विकसित भारत हेतु शपथ लेने एवं वीर बाल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, प्रतियोगिता में बहादुरी के विषय पर चित्रकला, पठन (सस्वर पाठ), गायन, कविता और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को वीर बाल दिवस पर पुरस्कृत किया जाएगा। वीर बाल दिवस के आयोजन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पंचायत, उच्च शिक्षा और नगरीय प्रशासन विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है। गतिविधियों में एनवायके, एनएसएस, एनसीसी के वालेंटियर्स भी मोबिलाईजेशन में सहयोग कर रहे है।

वीर बाल दिवस पर होगा साहसी बच्चों का सम्मान

छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी बीते वर्ष की तरह इस साल भी 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री निवास कार्यालय पहुना में आयोजित होगा। छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी की पहल पर आयोजित होने वाले उक्त कार्यक्रम में राज्य के चयनित चार साहसी बालकों को सम्मानित किया जाएगा। संयोजक डॉ. कुलदीप सोलंकी ने बताया कि वीरबाल दिवस का 26 दिसंबर को आयोजन किए जाने को लेकर सोसायटी बीते कई वर्षों से प्रयासरत थी। इस सिलसिले में उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा किए जाने का आग्रह किया था। प्रधानमंत्री ने 9 जनवरी 2022 को प्रकाश पर्व के अवसर पर घोषणा की थी, कि सिखों के 10 वें गुरु गोविंद सिंग जी के चारों साहिबजादों को श्रद्धांजलि देने के लिए इस साल से 26 दिसंबर को पूरे देश में वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

सुशासन दिवस के अवसर पर सीएम ने कहा-

किसानों का पूरा धान खरीदेंगे खरीदी का बढ़ाएंगे समय

रायपुर। अटल सुशासन दिवस के अवसर पर आज बेंद्री में आयोजित कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय ने प्रदेश के 11 लाख 76 हजार 815 किसानों को 3 हजार 7 सौ 16 करोड़ रुपए के बकाया बोनस राशि का वितरण किया। इस दौरान सीएम साय ने कहा, हम धान खरीदी के समय को बढ़ाएंगे और किसानों के धान को खरीदेंगे। मोदी गारंटी का हर वादा आने वाले 5 साल में पूरा होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार हर वर्ग का ध्यान रखने वाली सरकार है। हम हर वादा पूरा करेंगे। हम गरीब भूमिहीन मजदूरों को 10 हजार रुपए सालाना देंगे। युवाओं के साथ धोखा न हो इसलिए उन्हें पारदर्शिता के साथ 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती की व्यवस्था करेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार भी हमारी प्राथमिकता है। अब आयुष्मान कार्ड में 10 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने किसानों के हित में निर्णय लिया और 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया है उसे भी हम जल्द पूरा करेंगे। हमने 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की भी व्यवस्था की है। इस संदर्भ में हमने आदेश जारी कर दिया है। हम किसानों से उनका पूरा धान खरीदेंगे और जरूरत पड़ने पर समय सीमा भी बढ़ाएंगे।

देश के लिए अटल जी का योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा: सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय बिलासपुर के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित छठवें कुल उत्सव समारोह में शामिल होने बिलासपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हेलीपेड पर जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें सादर नमन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में बनाए गए शहीद स्मारक पर भी पुष्पाजंलि अर्पित कर सेनानियों को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है, आज पूरे प्रदेश में सुशासन दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। अटल जी सच्चे जननायक थे। सभी वर्गों में उनकी समान रूप से स्वीकार्यता थी। वे युगपुरूष थे। जटिल विषयों पर भी वे देशहित में त्वरित निर्णय लेते थे। देश के लिए अटल जी का योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित छत्तीसगढ़ी खेलकूद एवं संस्कृति पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका कन्हार के नये अंक सहित विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन भी किया। श्री साय ने धनवंतरी प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र, विश्वविद्यालय के प्रमुख मार्ग ज्ञानपथ सहित विश्वविद्यालय परिसर में बनाए गए शहीद वीर नारायण सिंह व्यायाम शाला का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में विधायक सर्वश्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला, श्री धरमजीत सिंह, सहित कुलपति आचार्य अरूण दीवाकर नाथ वाजपेयी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य न्यायाधीश ने उच्च न्यायालय आवासीय परिसर का किया निरीक्षण

रायपुर। उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने उच्च न्यायालय आवासीय परिसर (अधिकारी एवं कर्मचारी), रहंगी रोड, चकरभांठा में स्थित एफ,जी, एच, एवं आई टाईप कॉलोनी परिसर में निर्माणाधीन भवनों एवं पूर्व से निर्मित मकानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के समय निर्माण सामग्री को व्यवस्थित तरीके से रखने के निर्देश दिए, ताकि कॉलोनी परिसर में निवासरत कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के साथ किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। निर्माणाधीन मकानों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण सामग्री से हो, मकानों के रंग-रोगन कराए जाने, सीपेज की समस्या को दूर करने व दीवारों की दरारों को दुरूस्त करने के दिए।

निरीक्षण के दौरान श्री व्ही.एन.के. शास्त्री (एस.डी.ओ. (बीएंडआर), श्री प्रशांत मिश्रा (सब इंजीनियर), श्री एन.एसबघेल (एस.डी.ओ. (ई. एंड एम.), श्री देवेन्द्र यादव (सब इंजीनियर) (ई. एंड एम.) उपस्थित थे, उन्हें निरीक्षण के दौरान पायी गई खामियों को दूर करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। श्री सिन्हा ने उच्च न्यायालय आवासीय परिसर में स्थित क्लब, जजेस क्लब, अतिथि गृह एवं विशिष्ट अतिथि गृह का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायाधिपति के साथ रजिस्ट्रार जनरल श्री अरविन्द कुमार वर्मा, एडिशनल रजिस्ट्रार कम पीपीएस श्री एम.व्ही.एल.एन. सुब्रहमन्यम, कोर्ट ऑफिसर श्री फनेन्द्र कुमार बिसेन, प्रोटोकॉल अधिकारी श्री रविन्द्र सिंह नेगी उपस्थित थे।

वाजपेयी की प्रतिमा पर सांसद सोनी ने माल्यार्पण कर किया नमन

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री, भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर आज सांसद श्री सुनील सोनी एवं विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने राजधानी के अवंती विहार के एटीएम चौक में अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर सुशासन के उच्चतम मानदंड स्थापित करने के लिए शपथ भी ली गई। श्री अटल जी के जंयती को सुशासन दिवस के रूप मनाया जा रहा है। विधायक श्री मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना की थी उनकी जयंती के अवसर पर हम यह संकल्प ले कि शासन-प्रशासन सभी जगह पर सुशासन का आदर्श मानदंड स्थापित करें। हम पितृ पक्ष में पूर्वजों को नमन करते है उसी प्रकार आज हमारे पूर्वज-आदर्श श्री अटल जी की जयंती पर हम उन्हें नमन कर रहे है और उनके बताए हुए राह पर चलने का संकल्प ले।

उन्होने श्री अटल जी की जयंती के अवसर पर युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम के पूर्व सभापति श्री संजय श्रीवास्तव और अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपना संबोधन दिया। साथ ही विद्यार्थियों ने अटल जी की कविताओं का पाठ भी किया। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे नगर निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी भी जनप्रतिनिधि और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अटल की जयंती पर नमन किया

राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें नमन किया। राज्यपाल ने अपने निवास में स्वर्गीय श्री वाजपेयी के छायाचित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी । उन्होंने कहा कि श्री वाजपेयी जी विराट व्यक्तित्व, महानवक्ता, लेखक व बहुमुखी के धनी होने के साथ-साथ एक जननायक थे।

उन्होंने विदेश व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का मजबूती से पक्ष रखकर देश का मान बढ़ाया। भारत को जब एक कमजोर देश समझा जाता था तब पोखरण में परमाणु परीक्षण कर भारत को परमाणु शक्ति संपन्न घोषित किया। इस कदम से उन्होंने भारत को विश्व में एक सुदृढ़ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। पश्चिम के देशों ने जब एक अनेक प्रतिबंध लगाए तब उसका दृढ़ता पूर्वक सामना करते हुए उनके नेतृत्व में देश ने आर्थिक विकास की ऊंचाईयों को छुआ। उन्होंने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान किया, जिससे हमारे देश की आधारभूत संरचना मजबूत हुई। श्री वाजपेयी ने ग्रामीण और कृषि क्षेत्र में मजबूती के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया, उनकी सोच समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण करना था। इसी सोच के फलस्वरूप उनके शासनकाल में अन्नपूर्णा योजना शुरू की गई, जिसमें जिन पात्र बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलती थी उन्हें हर माह 10 किलो अनाज निःशुल्क दिया गया। राज्यपाल ने कहा कि श्री वाजपेयी भारत के महान सपूत थे। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री अमृत कुमार खलखो, उप सचिव श्री दीपक अग्रवाल सहित राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

शैलजा की विदाई पर उठते सवाल

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को मिली पराजय के बाद हटा दिया गया है, हालांकि कुछ और भी राज्यों में प्रभारी बदले गए हैं। लेकिन शैलजा को लेकर सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि कुछ पूर्व विधायकों ने सीधे-सीधे उन पर पैसा लेकर टिकट वितरण का आरोप लगाया है। दिल्ली जाकर उन्होने वेणुगोपाल को इसकी पूरी जानकारी भी दी है। हालांकि हार का ठीकरा प्रभारी पर पहले के चुनाव में भी फूटा है। लेकिन पैसे लेने का आरोप गंभीर है, दो पूर्व विधायकों की छुट्टी हो गई है, पर सवाल ये है कि क्या शैलजा को हटाए जाने के साथ इन आरोपों का पटाक्षेप हो गया। या फिर हार पर मचने वाले बवाल को थामने के लिए ऐसा किया गया। वैसे पीसीसी की बैठक में भड़ास तो सामने आ रहा है। इस बीच इस्तीफों का दौर भी चल रहा है। ऐसे में चार माह बाद होने जा रहे लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी अपने को कैसे संभाल पायेगी? पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता अब खुलकर बोलने लगे हैं,उन्होने तो यहां कह दिया कि पुनिया, शैलजा सब हारे हुए नेता हैं। वो तो सूबे में पन्द्रह साल का आक्रोश भाजपा के प्रति था जिसके चलते पिछला चुनाव जीत गए थे। हार के बाद निराश कार्यकर्ताओं को लोकसभा से पहले कहां तक उड़ान भरवा सकते हैं, पायलट का इंतजार है।

वन कटाई की अनुमति कांग्रेस की सरकार ने दी थी: साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर दौरे पर रवाना हुए। रवानगी से पहले उन्होंने पत्रकारों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के हसदेव बचाओ आंदोलन पर बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वन कटाई की अनुमति जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तब का है। वहां जो भी हुआ है कांग्रेस की सरकार में उनकी अनुमति से हुआ है। मुख्यमंत्री ने दो साल का बकाया बोनस राशि जारी करने पर कहा बीजेपी के संस्थापक और छत्तीसगढ़ के निर्माता अटल बिहारी वाजपेयी का आज जन्मदिन है। मोदी की गारंटी में छत्तीसगढ़ के अन्नदाता किसानों से वादा किया था। 15 साल की सरकार में दो साल का बोनस नहीं दे पाए थे। आज लगभग 12 लाख किसानों को एक मुश्त बोनस उनके अकाउंट में ट्रांफर कर रहे हैं, यह बड़े हर्ष की बात है।

बता दें कि सरगुजा जिले में स्थित जैव विविधता संपन्न हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा पूर्व कांते बासन (पीईकेबी) कोयला खदान परियोजना के दूसरे चरण के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच पेड़ों की कटाई शुरू हो गई है। जंगल बचाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण बड़ी संख्या में प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हसदेव क्षेत्र में कोयला खनन का विरोध कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी राज्य विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया और भाजपा सरकार पर उद्योगपति का पक्ष लेने का आरोप लगाया है।

अटल के सुशासन की परिकल्पना हम सब मिलकर साकार करेंगे: बृजमोहन

सुशासन दिवस पर मंत्री अग्रवाल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी को किया याद

रायपुर। भारत रत्न, भाजपा हस्ताक्षर पूर्व प्रधानमंत्री पूज्य अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन सुशासन दिवस पर दूधाधारी मंदिर के निकट स्थित अटल चौक पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह आयोजन प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि अटल जी ने भारतवर्ष के लिए जिस सुशासन की परिकल्पना की थी उस परिकल्पना को साकार करने के लिए उपस्थित हम सभी लोगों ने अपना योगदान सुनिश्चित करने हेतु आज संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी एक मजबूत सुशासन के पक्षधर थे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सुशासन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने कहा कि, अटल जी ने कई दशक पहले कहा था कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा उनकी बात आज सही साबित हो गई और देश में खिला कमल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र को प्रगति की राह पर आगे लेकर जा रहा है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी जी ने सबको साथ लेकर चलना सिखाया। वो तुष्टिकरण की राजनीति के विरोधी थे। उन्होंने कहा था कि विकास सबका होना चाहिए। देश में प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना, सभी को शिक्षा का अधिकार, स्वर्ण चतुर्भुज आदि योजनाओं की नींव रखी थी। अटल जी के नेतृत्व में भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था जिसके बाद पूरी दुनिया ने भारत पर अनेकों प्रतिबंध लगाए थे। लेकिन अटल जी ने सबका डट कर सामना किया था।

बृजमोहन ने कहा कि, मैं सौभाग्यशाली रहा कि मुझे अटल जी के नेतृत्व में काम करने और बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने लोगों को सुशासन के उच्चतम स्तर को अपने जीवन में अपनाने के लिए सुशासन की शपथ भी दिलाई। जिससे सभी एकजुट होकर सुशासन को बढ़ावा दें और एक बेहतर भविष्य के लिए मजबूत नींव रखी जा सके। कार्यक्रम में नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, पार्षद सरिता वर्मा, पार्षद मृत्युंजय दुबे, पार्षद सरिता आकाश वर्मा, मनोज वर्मा उप नेता प्रतिपक्ष नगर निगम रायपुर, सीमा कंदोई, चंद्र पाल धनकर पार्षद, रमेश ठाकुर जिला भाजपा महामंत्री आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में कई स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस दौरान श्री अग्रवाल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

पूरे विश्व में ताकत दिखाने का काम अटल ने किया

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, पूरे विश्व में पहचान बनाने वाले अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन है। इस दिवस को पूरे देश में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। सुशासन का मतलब है, अच्छा शासन हो और अच्छा प्रशासन हो। जनता को जन सुविधा मिले। हम अटल जी को याद करते हैं। सर्व शिक्षा अभियान किसी ने लागू किया तो अटल बिहारी वाजपेयी ने लागू किया है।

प्रधानमंत्री रोजगार योजना किसी ने लागू की है तो अटल बिहारी वाजपेयी ने की है। ग्राम सड़क योजना किसने लागू की है तो अटल बिहारी वाजपेयी ने किया है। अगर देश में गोल्डन कॉरिडोर की सड़क बना शुरू हुई है तो अटल बिहारी वाजपेयी ने की है। पूरे विश्व में ताकत दिखाने का काम अटल बिहारी वाजपेयी ने किया है। वहीं सीजी पीएससी के छात्र मुख्यमंत्री से मिलकर जांच की मांग की है। इस मामले में बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, मुख्यमंत्री साय से वो लोग मिले हैं। निश्चित रूप से पीएसी की प्रक्रिया के कारण पूरे छत्तीसगढ़ के नौजवानों में बच्चों में बहुत ज्यादा नाराजगी है। आने वाले समय में हम इसका निर्णय करेंगे। इस पर कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस द्वारा हसदेव जंगल कटाई के प्रदर्शन को लेकर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, कांग्रेस को जनता ने जानकारी दी है। इतनी जल्दी उनको परेशान होने की जरूरत नहीं है। थोड़ा इंतजार करें।

टोपी, बुर्का, दाढ़ी कांग्रेस को क्यों है प्यारी?

नीरज कुमार दुबे

कर्नाटक विधानसभा चुनावों में मुस्लिमों के 82 प्रतिशत से ज्यादा मत अकेले कांग्रेस को मिले थे इसलिए ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी की सरकार तुष्टिकरण की राजनीति की पराकाष्ठा पर उतर आयी है। पहले कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पूर्व की भाजपा सरकार के उस फैसले का विरोध किया जिसके तहत मुस्लिमों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर दिया गया था। अब राज्य सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर जारी प्रतिबंध को हटा दिया है। खुद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस बात का ऐलान किया और साथ ही भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, वे कहते हैं सबका साथ, सबका विकास लेकिन टोपी, बुर्का पहनने वालों और दाढ़ी रखने वालों को दरकिनार कर देते हैं। क्या उनका यही मतलब है। हम आपको याद दिला दें कि विधानसभा चुनावों के समय कांग्रेस ने वादा किया था कि वह भाजपा सरकार के फैसलों को पलटेगी। इसलिए अब सवाल यह है कि अगला फैसला कौन-सा होगा जिसे कर्नाटक सरकार पलटने की तैयारी में है? क्या भाजपा ने जबरन धर्मांतरण विरोधी जो कानून बनाया था उसे पलट दिया जायेगा? क्या कर्नाटक में भाजपा ने गौ हत्या के खिलाफ जो कानून बनाया था उसे रद्द कर दिया जायेगा? सवाल यह भी है कि जब कांग्रेस को तुष्टिकरण की राजनीति ही करनी है तो वह हिंदूवादी होने का ढोंग क्यों करती है? देखा जाये तो ऐसा प्रतीत होता है कि कर्नाटक सरकार ने आगामी लोकसभा चुनावों की दृष्टि से एक बार फिर ध्रुवीकरण कराने के मकसद से हिजाब पर रोक हटाने का फैसला किया है। हम आपको बता दें कि कर्नाटक में मुस्लिमों की आबादी लगभग 13 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है। वैसे कर्नाटक सरकार को हिजाब पर फैसला करते समय उच्चतम न्यायालय की वृहद पीठ का निर्णय आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए थी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि कर्नाटक हिजाब मामले में जब उच्चतम न्यायालय ने खंडित फैसला सुनाया था तब भी पुरातनपंथियों ने जिस प्रकार के बयान दिये थे वह मुस्लिम लड़कियों की स्वतंत्रता के विरोध में ही थे। कर्नाटक सरकार को समझना होगा कि हिजाब पहनना भले निजी पसंद का मामला हो लेकिन स्कूलों में उन वस्त्रों को पहनने की इजाजत कैसे दी जा सकती है जिससे समानता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित होती हो। यहां यह भी प्रश्न खड़ा होता है कि जब कई देशों में इस्लाम आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है तो हमारे यहां के कट्टरपंथी इसे पीछे ले जाने पर क्यों आमादा हैं? देखा जाये तो कर्नाटक सरकार का यह फैसला शिक्षण संस्थानों की 'धर्मनिरपेक्ष प्रकृति' के प्रति चिंता पैदा करता है। वैसे देखा जाये तो भारत में तुष्टिकरण की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद दूसरे दलों को समझ आया कि तुष्टिकरण की राजनीति के दिन लद गये हैं। मोदी की देखादेखी अन्य नेता भी मंदिरों में जाने लगे, खुद को सबसे बड़ा तपस्वी बताने लगे, माथे पर चंदन का टीका लगाने लगे, जो नेता पहले सिर्फ मजारों या दरगाहों पर ही जाते थे वह अब आरती करने लगे, व्रत करने लगे और हवन पूजन करने लगे। लेकिन आप विभिन्न राज्यों की राजनीति का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि तुष्टिकरण की राजनीति से तौबा करने का सबक सिर्फ कुछ नेताओं ने ही लिया है। कई राज्यों में आज भी तुष्टिकरण की राजनीति धड़ल्ले से जारी है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर तो तुष्टिकरण के खूब आरोप लगते रहते हैं, यही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने पिछले दिनों वादा किया था कि विधानसभा चुनावों में यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो इस्लामिक बैंक की स्थापना करेगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद पर रहने के दौरान केसीआर तो तुष्टिकरण की राजनीति के मास्टर बने हुए थे। चुनावों के दौरान वह अपनी सभाओं में अल्लाह का शुक्रिया अदा किया करते थे और वादा किया था कि उनकी पार्टी यदि चुनाव जीती तो हैदराबाद में मुस्लिम आईटी पार्क की स्थापना करेगी।

प्रियंका वाड्रा को पैदल कर दिया?

उमेश चतुर्वेदी

तीन दिसंबर को आए चुनाव नतीजों में झटका खाने के बाद कांग्रेस में केंद्रीय स्तर पर फेरबदल तय हो गया था, लेकिन बड़े से बड़े राजनीतिक पंडित को भी उम्मीद नहीं थी कि कांग्रेस की तीसरी सबसे ताकतवर नेता प्रियंका वाड्रा कांग्रेस में तकरीबन पैदल कर दी जाएंगी। कांग्रेस में सोनिया और राहुल के बाद प्रियंका ही सबसे ताकतवर नेता मानी जाती हैं। बेशक मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी के अध्यक्ष हैं, लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी में गांधी-नेहरू परिवार के सदस्यों की हैसियत छिपी नहीं है। ऐसे में अगर प्रियंका वाड्रा को दायित्वविहीन महासचिव बनाया जाना मामूली बात नहीं है।

साल 2004 के आम चुनावों में राहुल गांधी जब संसदीय पारी की शुरूआत कर रहे थे, तब कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का एक वर्ग निराश था। कांग्रेस से हमदर्दी रखने वाले आम वोटरों का भी एक वर्ग राहुल की शुरूआत को सहजता से स्वीकार नहीं कर पा रहा था। सबकी चाहत थी कि राहुल की बजाय गांधी-नेहरू परिवार की अगली पीढ़ी के प्रतिनिधि के तौर पर कांग्रेस में प्रियंका को सक्रिय किया जाना चाहिए था। देश का एक बड़ा वर्ग यह मान चुका था कि राजनीतिक समझ के लिहाज से प्रियंका, अपने भाई राहुल की तुलना में बीस हैं। कुछ लोगों ने दबी जुबान से यह भी कहा कि सोनिया गांधी ने पुरानी सोच के मुताबिक अपने उत्तराधिकारी के तौर पर बेटे को बेटी पर तवज्जो दिया। कुछ लोगों को यहां तक लगता था कि प्रियंका दूसरी इंदिरा गांधी हैं।

सोशल मीडिया के विस्तार के दौर में सियासी लड़ाइयों का सबसे बड़ा हथियार नैरेटिव बन गया है। साल 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के ठीक पहले जब प्रियंका गांधी को राजनीति में सक्रिय किया गया, तो उन्हें एक बार फिर इंदिरा गांधी के प्रतिरूप के रूप में बताने-जताने की तैयारी हुई। दिग्गज कांग्रेसी तक बताने लगे थे कि उनकी नाक बिल्कुल इंदिरा गांधी जैसी है। उनकी आवाज तक को इंदिरा जैसा बताया गया। इन शब्दों के जरिए यह स्थापित करने की कोशिश हुई कि मोदी-शाह के दौर को खत्म करने के लिए कांग्रेस के हाथ ताकतवर हथियार लग गया है। कांग्रेस की वह हथियार प्रियंका थीं। कहना न होगा कि एक दौर में बीजेपी भी प्रियंका के राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय होने की आशंका से किंचित सहम जाती थी। उसे ऐसा लगता था कि प्रियंका ने अगर मोर्चा संभाला तो उसके लिए विपरीत हालात होंगे।

लेकिन उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया कि कांग्रेस का प्रियंका रूपी हथियार भी कारगर नहीं है। ना तो इंदिरा की नाक काम आ सकी, ना ही उनकी जैसी आवाज। उत्तर प्रदेश में हाथरस बलात्कार कांड के बाद प्रियंका ने लड़ाका रूख जरूर अख्तियार किया। प्रियंका के सलाहकारों ने उनकी छवि गढ़ने के लिए शाब्दिक माहौल बनाने के लिए शानदार नारा भी गढ़ा, लड़की हूं, लड़ सकती हूं। वाम बौद्धिकों के एक वर्ग ने इन शब्दों के जरिए प्रियंका को भारत का ऐसे भविष्य के तौर पर स्थापित करने की कोशिश की, जो मोदी को ना सिर्फ चुनौती दे सकती हैं, बल्कि कमल को मुरझा सकती हैं। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने राज्य को दो हिस्सों में बांट दो महासचिवों को जिम्मा दिया। पश्चिम की कमान ज्योतिरादित्य सिंधिया को दी गई तो पूरब की जिम्मेदारी प्रियंका के पास रही। दिल्ली के चश्मे से देखने वाले वाम बौद्धिकों के साथ ही पत्रकारों के एक वर्ग ने प्रियंका को लेकर उम्मीदों का आसमान खड़ा कर दिया। लेकिन उत्तर प्रदेश ने उन्हें निराश किया। हां, उसके बाद हुए चुनावों में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस जीत गई। हिमाचल की कमान कमोबेश प्रियंका ने ही संभाल रखी थी। वैसे मनाली में उनका घर भी है। इसलिए माना गया कि हिमाचल की जीत की एक वजह प्रियंका भी रहीं।

प्रियंका ने एक तरह से पंजाब में भी चुनाव अभियान चलाया। पंजाब में चुनाव से ठीक छह महीने पहले चरणजीत सिंह चन्नी को दलित होने की वजह से कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे कद्दावर नेता को हटाकर मुख्यमंत्री बनाया गया। लेकिन प्रियंका का दलित दांव नहीं चला। अमरिंदर ने अलग राह अख्तियार कर ली और पंजाब की सत्ता ऐसी उखड़ी कि उम्मीद भी नहीं की जा रही कि निकट भविष्य में कांग्रेस पंजाब में वापसी कर सकती है।

राजस्थान में सचिन पायलट उनके नजदीकी माने जाते रहे। लेकिन अशोक गहलोत के दांव के आगे उनकी नहीं चली। सचिन के अध्यक्ष रहते राजस्थान 2018 का चुनाव जीतने में कामयाब रही। तब अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की टीम में पार्टी के संगठन मंत्री का दायित्व संभाल रहे थे। लेकिन जैसे ही राजस्थान में जीत मिली, अशोक गहलोत ने दिल्ली से जयपुर का रूख कर लिया और सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रहे। सचिन मन मसोस कर रह गए। जब उनकी उपेक्षा बढ़ी तो उन्होंने बगावती रूख अख्तियार किया, लेकिन प्रियंका उन्हें मनाने में कामयाब रहीं। हालांकि राजस्थान में कांग्रेस अपनी खोई प्रतिष्ठा हासिल नहीं कर पाई। राजस्थान में अशोक गहलोत की गतिविधियों से नाराज राहुल गांधी ने महज तीन जनसभाएं ही कीं, जबकि प्रियंका राजस्थान में सचिन पायलट के समर्थक प्रत्याशियों के लिए प्रचार करती रहीं। गांधी-नेहरू परिवार की सदस्य के नाते उनकी अगुआई पर किसी को सवाल उठाने की हैसियत भी नहीं थीं। लेकिन राजस्थान में भी प्रियंका कोई चमत्कार नहीं कर पाईं। छत्तीसगढ़ में अनौपचारिक रूप से कहा जाता था कि भूपेश बघेल से कुछ हासिल करना है तो बेहतर है कि प्रियंका गांधी से संपर्क कर लो। दबी-जुबान से राज्य में माना जाता था कि बघेल पर प्रियंका का ही सबसे ज्यादा असर है। छत्तीसगढ़ में पिछले साल जब कांग्रेस महाधिवेशन हुआ तो प्रियंका गांधी के लिए हवाई अड्डे से लेकर अधिवेशन स्थल तक बघेल की पहल पर गुलाब की पंखुड़ियां बिछा दी गई थीं। तब बघेल की खूब आलोचना हुई थी। बघेल और उनके सहयोगियों ने ऐसा माहौल बनाया, मानो वे राज्य के भूतो न भविष्यति नेता है, जिन्हें हटा पाना मुश्किल होगा। लेकिन ऐसा लगता है कि छत्तीसगढ़ की जनता पहले से ही मन बना चुकी थी। तीन दिसंबर को आए नतीजों से यही साफ हुआ।

कांग्रेसी अंतःपुर से खबरें उड़कर आती रही हैं कि कांग्रेस की रणनीति को लेकर पार्टी के पहले ही परिवार में एका नहीं है। कांग्रेस में सोनिया गांधी के चहेते नेताओं का अलग समूह है तो राहुल का अपना गुट है। इसी तरह प्रियंका का भी अपना गुट है। जाहिर है कि जब पार्टी का प्रथम परिवार ही एक नहीं रह पाएगा तो पूरी पार्टी में एकता कैसे होगी और वह मिलकर कैसे अपने सबसे बड़े सियासी दुश्मन मोदी-शाह का मुकाबला कर सकती है?

कांग्रेस में प्रियंका को बिना जिम्मेदारी का महासचिव बनाने का मतलब है कि पार्टी नेतृत्व को उनकी क्षमता पर भरोसा कम हो रहा है। उन्हें महासचिव पद से हटाया जाता तो उसका जवाब देना पार्टी के लिए मुश्किल होता, शायद यही वजह है कि उनका ओहदा नहीं हटाया गया है। सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ का प्रभार देकर पार्टी ने यह जताने की कोशिश जरूर की है कि प्रियंका की पकड़ छत्तीसगढ़ पर बनी रहेगी। लेकिन इस फैसले का दूसरा पहलू भी है। सचिन को राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी से दूर कराकर अशोक गहलोत ने अपनी ताकत का परिचय दे दिया है। सोनिया गांधी के नजदीकी माने जाने वाले मोहन प्रकाश को बिहार का प्रभार देना और प्रियंका की जगह अविनाश पांडे को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी देने का भी संदेश साफ है। मोहन प्रकाश जनता परिवार के पुराने नेता हैं। नीतीश उनके करीबी हैं। कभी लालू को मुख्यमंत्री बनवाने वाले गुट के सदस्य रहे, इसलिए माना जा रहा है कि उनके जरिए कांग्रेस बिहार में जनता परिवार को साधकर अपने लिए सीटें बढ़ाने की गुंजाइश खोजेगी। वहीं अविनाश पांडे को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी का संकेत साफ है कि अखिलेश को नाराज करने का पार्टी जोखिम नहीं उठाना चाहती। रमेश चेन्निथला को महाराष्ट्र और राहुल के नजदीकी जितेंद्र सिंह को असम और मध्य प्रदेश की कमान देकर एक तरह से पार्टी ने साफ किया है कि महत्वपूर्ण राज्यों पर राहुल की ही चलेगी, और प्रियंका के लिए अभी कोई महत्त्वपूर्ण भूमिका नहीं है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगराजोपनिषद्

यह योगपरक उपनिषद् है। इसके नाम से ही स्पष्ट है कि यह योगपरक उपनिषदों में श्रेष्ठ है, तभी इसे योगराज संज्ञा प्रदान की गई है। इसमें कुल 21 मन्त्र हैं, जिसमें योग विषयक सिद्धान्तों को बड़े सरल शब्दों में व्याख्यायित किया गया है। सर्वप्रथम चार योगों मन्त्रयोग, लययोग, हठयोग एवं राजयोग का उल्लेख है। इसके बाद योग के प्रमुख चार अंगों-आसन, प्राणसंरोध (प्राणायाम), ध्यान तथा समाधि का विवेचन है। पुनः 9 चक्रों (ब्रह्मचक्र, स्वाधिष्ठानचक्र, नाभिचक्र, हृदयचक्र, कण्ठचक्र, तालुकाचक्र, भ्रूचक्र, ब्रह्मरन्ध्रचक्र, व्योमचक्र) का वर्णन तथा उनमें ध्यान करने की प्रक्रिया का उल्लेख है। अन्त में चक्रों के ध्यान की फलश्रुति बताते हुए उपनिषद् को पूर्णता प्रदान की गई है।

अब योगियों के योग-सिद्धि के लिए मन्त्रयोग, लययोग, हठयोग एवं राजयोग इन चार प्रकार वाले योग से युक्त योगराज उपनिषद् का वर्णन करते हैं। योग के तत्त्वदर्शियों ने योग को आसन, प्राणसंरोध, ध्यान तथा समाधिरूप चार प्रकार का कहा है। ये चारों सर्वयोग सम्मत कहे गये हैं। विद्वज्जन ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव के मन्त्रों का जप करें।

मन्त्रयोग को सिद्ध करने वाले वत्सराज आदि हैं एवं लययोग को व्यासादि ने सिद्ध किया। नौ प्रकार के चक्रों में लय करके महात्मा लोग योग की सिद्धि प्राप्त कर लेते हैं। तीन बार आवृत्त (घिरा हुआ) भग (त्रिकोण) की आकृति का प्रथम चक्र है, जिसको ब्रह्मचक्र कहा गया है। अपान के स्थान में कामरूपी मूलकन्द स्थित है, उसको ही अग्नि कुण्ड एवं तत्त्व कुण्डलिनी कहा है।

उस ज्योतिस्वरूप जीवरूपिणी का मुक्ति की कामना से ध्यान करना चाहिए। उसी के मध्य में स्वाधिष्ठान नाम का दूसरा चक्र विद्वानों ने कहा है। प्रवालाङ्कुर (रक्त वर्ण के अंकुर) के समान प्रकाशमान पश्चिमाभिमुख एक लिङ्ग स्थित है। वहाँ उड्डीयाणपीठ (स्वाधिष्ठान चक्र) के अन्तर्गत उस (प्रकाशमान अंकुर) का ध्यान करते हुए संसार का आकर्षण करे ।

क्रमशः ...

बालासाहब देशपाण्डे

श्री रमाकान्त केशव (बालासाहब) देशपांडे का जन्म अमरावती (महाराष्ट्र) में श्री केशव देशपांडे के घर में 26 दिसम्बर, 1913 को हुआ। अमरावती, अकोला, सागर, नरसिंहपुर तथा नागपुर में पढ़ाई कर 1938 में वे राशन अधिकारी बन गये। एक बार उन्होंने एक व्यापारी को गलत काम करते हुए पकड़ लिया; पर बड़े अफसरों से मिलीभगत के कारण वह छूट गया। इससे बालासाहब का मन खट्टा हो गया और उन्होंने नौकरी छोड़कर अपने मामा श्री गंगाधरराव देवरस के साथ रामटेक में वकालत प्रारम्भ कर दी।

1926 में नागपुर की पन्त व्यायामशाला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डा. हेडगेवार के सम्पर्क में आकर वे स्वयंसेवक बने। द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी से भी उनकी बहुत निकटता थी। उनकी ही तरह बालासाहब ने भी रामकृष्ण आश्रम से दीक्षा लेकर 'नर सेवा, नारायण सेवा' का व्रत धारण किया था। 1942 के 'भारत छोड़ो आन्दोलन' में उन्होंने सक्रिय भाग लिया और जेल भी गये। 1943 में उनका विवाह प्रभावती जी से हुआ।

स्वाधीनता मिलने के बाद बालासाहब फिर से राज्य सरकार की नौकरी में आ गये। 1948 में उनकी नियुक्ति प्रसिद्ध समाजसेवी ठक्कर बापा की योजनानुसार मध्य प्रदेश के वनवासी बहुल जशपुर क्षेत्र में हुई। इस क्षेत्र में रहते हुए उन्होंने एक वर्ष में 123 विद्यालय तथा वनवासियों की आर्थिक उन्नति के अनेक प्रकल्प प्रारम्भ कराये। वहाँ उन्होंने भोले वनवासियों की अशिक्षा तथा निर्धनता का लाभ उठाकर ईसाई पादरियों द्वारा किये जा रहे धर्मान्तरण के षड्यन्त्रों को देखा। इससे वे व्यथित हो उठे।

नागपुर लौटकर उन्होंने सरसंघचालक श्री गुरुजी से इसकी चर्चा की। उनके परामर्श पर बालासाहब ने नौकरी से त्यागपत्र देकर जशपुर में वकालत प्रारम्भ की। पर वह तो एक माध्यम मात्र था, उनका उद्देश्य तो निर्धन व अशिक्षित वनवासियों की सेवा करना था। अतः 26 दिसम्बर, 1952 में उन्होंने जशपुर महाराजा श्री विजय सिंह जूदेव से प्राप्त भवन में एक विद्यालय एवं छात्रावास खोला। इस प्रकार 'वनवासी कल्याण आश्रम' का कार्य प्रारम्भ हुआ।

1975 में आपातकाल लगने पर उन्हें 19 महीने के लिये 'मीसा' के अन्तर्गत रायपुर जेल में बन्द कर दिया गया; पर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आपातकाल की समाप्ति पर 1978 में 'वनवासी कल्याण आश्रम' के कार्य को राष्ट्रीय स्वरूप दिया गया। आज पूरे देश में कल्याण आश्रम के हजारों प्रकल्प चल रहे हैं। बालासाहब ने 1993 में स्वास्थ्य सम्बन्धी कारणों से सब दायित्वों से मुक्ति ले ली। उन्हें देश भर में अनेक सम्मानों से अलंकृत किया गया। 21 अप्रैल 1995 को उनका देहान्त हुआ। एक वनयोगी एवं कर्मवीर के रूप में उन्हें सदैव याद किया जाता रहेगा।

इमरान खान से बल्ला छिना, हुए चुनाव से 'रन आउट'

बिक्रम उपाध्याय

इमरान खान के बनने और बिगड़ने की कहानी लगभग दो दशक पहले शुरू हुई, जब 2002 में वह पहला चुनाव लड़े थे। एक समय था जब वह पाकिस्तान के तानाशाह जनरल मुशर्रफ के भी करीबी थे। क्रिकेटर से प्रधानमंत्री बने इमरान खान फिल्हाल चुनावी मैदान में 12वें खिलाड़ी बन गए हैं। ना तो उनकी पार्टी चुनावी मैदान में उतर सकती है, ना ही उनका चुनाव चिन्ह बल्ला उनके साथ रहा और ना ही उन्हें चुनाव लड़ने की अनुमति ही मिली है। फिलहाल उनके सामने अंधेरा ही अंधेरा है। खुद जेल में हैं और उनकी पार्टी की मान्यता पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने खत्म कर दी है।

इमरान खान किक्रेट के मैदान से राजनीति में छलांग लगाकर प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने और फिर राजनीति के हाशिये पर धकेल दिए जाने वाले पहले वे शख्स हैं जिन्होंने खुलकर पाकिस्तान के दो-दो सेना प्रमुखों से लोहा लिया और यह कोशिश की कि परदे के पीछे से सत्ता चलाने वाली फौज सीमा और बैरकों तक सीमित रहे, लेकिन अपने इस प्रयास में ना सिर्फ वह फेल हुए, बल्कि खुद का ही सत्यानाश कर डाला। पाकिस्तान का मुकद्दर लिखते लिखते खुद ही बेचारे बन गए। आज वह 100 से ज्यादा मुकदमों का सामना कर रहे हैं। इमरान खान के बनने और बिगड़ने की कहानी लगभग दो दशक पहले शुरू हुई, जब 2002 में वह पहला चुनाव लड़े थे। एक समय था जब वह पाकिस्तान के तानाशाह जनरल मुशर्रफ के भी करीबी थे। नवाज शरीफ का तख्तापलट कर जब मुशर्रफ 2001 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने इमरान खान को अपनी केबिनेट का हिस्सा बनाना चाहा। लेकिन तब इमरान ने मना कर दिया।

पाकिस्तान के लिए क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतने वाले इमरान युवा पीढ़ी के हीरो बन कर उभरे और उस छवि को उन्होंने राजनीति में भुनाने का कोई

अवसर जाने नहीं दिया। उन्होंने पाकिस्तान में भ्रष्टाचार और चुनावी बेइमानी का मुद्दा जोर-शोर से उठाया और अवाम को एक नया पाकिस्तान बनाने के लिए उन्हें अवसर देने के लिए कहा। पाकिस्तान की सेना को भी शरीफ और जरदारी परिवार के बीच सत्ता बंटवारे के बदले किसी नए विकल्प पर विचार करने का ख्याल आया और इमरान के लिए जनरल कियानी के मन में विशेष प्यार जग गया और फिर येन केन प्रकारेण इमरान खान को सत्ता सौंपने का निर्णय सेना ने कर लिया। 2018 में पाकिस्तान में आम चुनाव होना था और उसके पहले इमरान खान के लिए मैदान तैयार करना जरूरी था, लिहाजा सेना और पाकिस्तान की अदालतों ने मिलकर सबसे पहले नवाज शरीफ को ना सिर्फ प्रधानमंत्री पद से हटवाया, बल्कि उन्हें पनामा केस के एक मामले में फंसाकर आजीवन चुनाव लड़ने के अयोग्य भी ठहरा दिया।

सेना की तमाम कोशिशों के बावजूद इमरान खान की पार्टी तहरीक ए इंसाफ को बहुमत नहीं मिला तो स्पेशल प्लेन करके तब के सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने अलग अलग जीते पार्टियों के सांसदों को इस्लामाबाद लाकर इमरान खान को समर्थन दिलवाया और आखिर उन्हें प्रधानमंत्री पद पर बिठा ही दिया। नया पाकिस्तान बनने के बजाय इमरान खान के काल में पाकिस्तान डूबने लगा। एक तरफ एफएटीएफ ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में बनाए रखा और दूसरी तरफ कोरोना और अन्य कारणों से अर्थव्यवस्था बैठने लगी। हालात दिवालिएपन की हो गई। जो इमरान खान यह कह कर सत्ता में आए थे कि मर जाएंगे, लेकिन आईएमएफ से कर्ज नहीं लेंगे, उन्हीं इमरान खान ने कर्ज के लिए अपने वित्त मंत्री बदल दिए, स्टेट बैंक आफ पाकिस्तान का प्रमुख बदल दिया और कर्ज की शर्तों को पूरा करने के लिए आवाम को मिलने वाली गैस और बिजली के दाम बेतहाशा बढ़ा दिए। अब सेना का इमरान खान से मोह भंग हो गया था। जनरल बाजवा ने सत्ता की बागडोर अपने हाथ मे ले ली। जाहिर है इमरान खान से टकराव शुरू हुआ और उसके परिणामस्वरूप खान की प्रधानमंत्री के पद से विदाई तय हो गई।

इमरान ने सत्ता में बने रहने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। नेशनल एसेम्बली में अपने खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव को गैर कानूनी करार करवा दिया। लेकिन जब बात नहीं बनी तो इमरान खान ने जनरल बाजवा के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया। सबसे पहले यह बयान दिलवाया कि अमेरिका की शह पर उनकी सरकार गिरवाई गई है। पाकिस्तान में एक इम्पोर्टेड सरकार बनवाई जा रही है। इसके लिए उन्होंने अमेरिका से पाकिस्तान दूतावास द्वारा भेजा गया एक साइफर का हवाला दिया। जनता के बीच में कोरे कागज को लहराकर उसे साइफर होने और उसमें उनके खिलाफ साजिश की बात को मुद्दा बनाया। परंतु जब इमरान की कैबिनेट बैठक में साइफर को लेकर कुछ एतराज का ऑडियो सामने आया तो इमरान खान ने उसे अमेरिका के बजाय जरनल बाजवा का षडयंत्र बता दिया।

मार्च 2021 में इमरान को आखिर सत्ता छोड़नी पड़ी और वहीं से उनके दुर्दिन शुरू हो गए। इमरान खान इस समय अडियाला जेल में हैं। उनके खिलाफ तीन बड़े मामले हैं। एक तो साइफर का मामला है, जिस पर अडियाला जेल में ही सुनवाई हो रही है। दूसरे उन पर पाकिस्तान के सरकारी खजाने से सामान चुराकर बेचने का मामला है, जिसे पाकिस्तान में तोशाखाना का केस कहते हैं। इस मामले में ही उन्हें चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया गया है और तीसरा सबसे बड़ा मामला इस साल 9 मई को पाकिस्तानी सेना के प्रतिष्ठानों पर हमले का है। तीसरे मामले को सीधे पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर देख रहे हैं और इस मामले में वे इमरान खान और उनके पार्टी के नेताओं को किसी भी सूरत में बख्शने के लिए तैयार नहीं है। इमरान खान की लाख कोशिश है कि जनरल असीम मुनीर से सुलह हो जाए, लेकिन दूर दूर तक इसकी संभावना नजर नहीं आ रही है।

फौज और इमरान की पार्टी के बीच दुश्मनी इतनी बढ़ गई है कि यदि अदालत किसी मामले में इमरान के साथियों को रिहा करने का हुक्म देती है तो दूसरे ही पल किसी और मामले में उनको गिरफ्तार कर लिया जाता है। इमरान खान की कैबिनेट में रहे तमाम नेता या तो इमरान खान को छोड़ चुके हैं या फिर जेल में हैं। पाकिस्तान में 8 फरवरी को चुनाव होने वाला है। जो भी इमरान की पार्टी की ओर से पर्चा जमा करने जाता है या तो उससे पर्चे छीन लिए जा रहे हैं, या फिर उम्मीदवारों को गिरफ्तार कर लिया जा रहा है। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने 22 दिसंबर को देर शाम तहरीक ए इंसाफ के आंतरिक चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाकर पार्टी का वजूद समाप्त कर दिया है।

ऐसे में अब इमरान खान के पास ना पार्टी रही और ना चुनाव चिन्ह। स्थिति कमोबेश 2018 वाली हो गई है। बस किरदार बदल गए हैं। तब नवाज शरीफ को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराकर इमरान खान को जितवाया गया था और अब इमरान खान को जेल में डालकर और अयोग्य ठहराकर नवाज शरीफ के लिए रास्ता आसान किया जा रहा है। अब इमरान की आखिरी उम्मीद अदालत से है, देखना यह है कि पाकिस्तान में कभी सबसे लोकप्रिय व्यक्ति रहे इमरान का अब क्या हश्र होता है।

आज का इतिहास

1806 गोलिमीन की लड़ाई में जनरल गोलिट्सीन के तहत रूसी सेना मार्शल मुरात के तहत फ्रांसीसी सेना के खिलाफ एक सफल पुनः कार्रवाई करने वाली लड़ाई लड़ी गई।
1809 एक ब्रिटिश आक्रमण दाल ने वलिसिंगेन शहर को छोड़ा।
1825 इम्पीरियल रूसी सेना के अधिकारियों ने निकोलस प्रथम के सिंहासन को संभालने के खिलाफ लगभग 3,000 सैनिकों का नेतृत्व किया, क्योंकि उसके बड़े भाई कॉन्स्टेंटाइन ने खुद को उत्तराधिकार की रेखा से हटा दिया था।
1854 लकड़ी-लुगदी पेपर पहली बार प्रदर्शित किया गया।
1871 थिसिस, गिल्बर्ट और सुलिवन द्वारा पहला कॉमिक ओपेरा, गेयटी थिएटर, लंदन, यूके में पहली बार बनाया गया।
1890 युगांडा के राजा मवाँगा पूर्वी अफ्रीका कंपनी के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किया।
1893 चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक और अध्यक्ष माओ ज़े तुंग का जन्म हुआ।
1898 फ्रांसीसी विज्ञान अकादमी में, भौतिकविदों पियरे और मैरी क्यूरी (दोनों चित्र) ने एक नए तत्व की खोज की घोषणा की, नामकरण रेडियम।
1900 एक राहत दल स्कॉटलैंड के फ्लानान द्वीपों पर प्रकाशस्तंभ में पहुंचा और पता चला कि पिछला चालक दल बिना किसी को गायब हो गया था।
1906 दुनिया की पहली फीचर फिल्म, द स्टोरी ऑफ दी कैली गैंग, जारी की गई।
1919 अमेरिकी बेसबॉल खिलाड़ी बेब रूथ को बोस्टन रेडसॉक्स ने अपने प्रतिद्वंद्वियों, न्यूयॉर्क यैंकीस को बम्बिनो के 84 साल लंबे शाप की शुरुआत में बेचा था।
1933 अमेरिकी इंजीनियर होवार्ड आर्मस्ट्रांग ने एफएम रेडियो का पेटेंट हासिल किया।
1968 फिलीपींस की कम्युनिस्ट पार्टी, जो कि जंग से लड़ रही है, की स्थापना जोस मारिया सिसन ने की थी।
1979 पूर्व सोवियत संघ की लाल सेना ने अफ़ग़ानिस्तान पर अधिकार करके एक स्वतंत्र देश के विरुद्ध अपनी सबसे लम्बी कार्रवाई का आरंभ किया।
1982 टाइम मैगजीन का पुरस्कार, मैन ऑफ द ईयर पहली बार गैर-इंसान, कंप्यूटर के लिए दिया गया।
1982 टाइम मैगजीन ने कम्प्यूटर को मैन ऑफ द ईयर घोषित किया।

महान वीर बालक थे वे चार साहबजादे

सतीश उपाध्याय

26 दिसंबर वह काला दिन है, जब गुरु गोविंद सिंघ जी के दो पुत्र बाबा जोरावर सिंघ जी (आठ वर्ष) और बाबा फतेह सिंघ जी (पाँच वर्ष) की शहादत हुई थी। इन दोनों नन्हें वीर बालकों अपनी जान देना मंजूर किया, मगर अपना धर्म बदलना स्वीकार नहीं किया। पंजाब के सरहिंद के नवाब नीच वजीर खान ने माता गुजरी और दोनों छोटे साहिबजादों को फतेहगढ़ साहिब की बेहद ठंडे बुर्ज में कैद कर लिया था और बाद में दोनों को बच्चों से कहा कि तुम इस्लाम धर्म कबूल कर लो! तो बच्चों ने इंकार कर दिया। उनके द्वारा दृढ़तापूर्वक मना कर दिया, बस यही दुहराते रहे, जो बोले सो निहाल सतश्री अकाल! वजीर खान ने बच्चों को खूब धमकाया, डराया पर वीर बालक नहीं डरे तो दोनों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया। 26 दिसंबर 1705 को आत्म सम्मान के लिए बलिदान हो गए थे । उनके सर्वोच्च और अप्रतिम बलिदान के लिए सम्मान स्वरूप 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया । कृतज्ञ राष्ट्र ने श्रद्धांजलि के रूप में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया । गुरु गोविंद सिंघजी जब चमकौर के किले में थे, तब पीछे पीछे मुगल सैनिक आ गए। तो युद्ध करना ही था। पहले उनके बड़े साहबजादे अजीत सिंह युद्ध के लिए गए। वे बहादुरी के साथ लड़ते हुए शहीद हुए तो छोटे साहेबजादे तैयार हो गए। हालांकि गुरुजी और सैनिकों ने उन्हें समझाया लेकिन साहबजादे नहीं माने। अजीत सिंह तो युद्ध कौशल में फिर भी बहुत पारंगत थे, पर जुझार सिंह उतने निपुण नहीं थे, फिर भी वे जब नही माने तो गुरु गोबिंद सिंघ ने उन्हें खुद तैयार करके भेजा। हालांकि जुझार सिंह भी अंततः शहीद हो गए। मुगल सैनिकों की नीचता देखें कि घायल जुझार सिंह को हाथियों से कुचलवा दिया। एक तरफ चमकौर के युद्ध में दो साहेबजादे शहीद हुए तो दूसरी तरफ दो साहेबजादे सरहिंद में शहीद हुए। इसीलिए चारों साहबजादों की स्मृति में वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत हो गई है।

प्रहलाद, ध्रुव, नचिकेता से चली आ रही बालकों की वीरता, ज्ञान, तप और धैर्य की परंपरा रही है। और यही आने वाली पीढियों के लिए आदर्श भी हैं। वीर बाल दिवस देश के स्वाभिमान के लिए सिख परंपरा के बलिदान और दसवें गुरुओं के चारों साहबजादों के महान बलिदान की याद दिलाने के साथ ही भारत के अतीत पहचानने और आने वाले भविष्य के निर्माण की भी प्रेरणा देता रहेगा। यह एक भारत- श्रेष्ठ भारत के विचार के लिए प्रेरणापुंज भी है।

निसंदेह ऐसी शौर्य गाथाओं का बारम्बार स्मरण किया जाना चाहिए। दुनिया में जब कभी, वीर एवं शौर्य दिखाने वाले बालकों की चर्चा होगी तो उसमें वीर बालक जोरावर सिंह और फतेह सिंह जी का नाम सम्मान के साथ लिया जाएगा। गुरु गोविंद सिंघ जी के साहबजादों ने सिर्फ 7 और 9 साल की आयु में धर्म को सर्वोपरि मानते हुए उसकी रक्षा की ,और अपनी शहादत दे दी, जिनके सम्मान में देश ने प्रथम बार 26 दिसंबर गत वर्ष 2022 को पहला वीर बाल दिवस मनाया था।

देश के बच्चों में देश प्रेम के संस्कार विकसित करने वीरता एवं,देश प्रेम का जज्बा पैदा करने के लिए वीरता और बलिदान की सच्ची कहानी से परिचित कराने वाले -वीर बाल दिवस कार्यक्रम तब 26 दिसंबर को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष आतिथ्य में मनाया गया था। देश के इन नौनिहालों के बलिदान की स्मृति में अब प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को यह आयोजित किया जाता है ।इस दिन एकजुट होकर राष्ट्र को नमन करने के लिए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में एक नई शुरुआत की गई है ।यह वीर बाल दिवस हमें यह स्मरण दिलाता है कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय अबोध आयु मायने नहीं रखती। साथ ही हमें यह भी इस बात का भी कर्तव्य -बोध कराता है कि दसवें गुरुओं का क्या देश के लिए क्या योगदान रहा। देश के स्वाभिमान के लिए सिख परंपरा का बलिदान अद्भुत रहा है।वीर बाल दिवस हमें भारत की गौरवशाली अतीत एवं भारत की पहचान भी बताता है ।

विगत वर्ष के 26 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने वीर बाल दिवस कार्यक्रम में कहा था कि - मैं वीर साहबजादों के चरणों में नमन करते हुए उन्हें कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं इसे मैं अपनी सरकार का सौभाग्य मानता हूं कि 26 दिसंबर का दिन वीर बाल दिवस के तौर पर घोषित करने का अवसर मिला है। यदि हम इस शौर्य गाथा का स्मरण करें तो हमें याद आता है एक और लाखों की फौज और दूसरी ओर अकेले होकर भी निडर खड़े गुरु के वीर साहबजादे ।जो डरे नहीं ,किसी के सामने झुके नहीं, बल्कि चट्टान की तरह अडिग रहे । अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध जोरावर सिंह जी और फतेह सिंह जी ने अपना जीवन कुर्बान कर दिया। अब हमारा यह दायित्व है कि हम -वीर बाल दिवस के माध्यम से इनके संदेश को देश के कोने-कोने तक ले जाएं । हमारे साहबजादों का जीवन संदेश देश के हर बच्चों तक पहुंचे, वह इनसे प्रेरणा लेकर देश के लिए एक समर्पित एवं जिम्मेदार नागरिक बने। उनमें देश प्रेम का जज्बा पैदा हो।

निसंदेह यदि हमें भारत के भविष्य को उच्च शिखर तक ले जाना है तो हमें अतीत के इन स्वर्णिम शहादत के पन्नों को पलटना होगा। आजादी के अमृत काल में देश ने गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का प्राण भी फूंका है । नरेंद्र मोदी ने 9 जनवरी 2022 को गुरु गोविंद सिंघ जी के प्रकाश पर्व पर साहबजादों जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी की शहादत की याद में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की क्योंकि इसी दिन जोरावर सिंह और फतेह सिंह जी को एक दीवार पर जिंदा चुनवा दिया गया था । इन दोनों महान बालकों ने धर्म के सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय अपनी मृत्यु का सहज वरण किया था । माता गुजरी , गुरु गोविंद सिंघ जी और चार साहिबजादों की वीरता और आदर्श लाखों लोगों को शक्ति प्रदान करने में सक्षम हैं। वे अन्याय के आगे कभी नहीं झुके। उन्होंने एक ऐसे विश्व की कल्पना की थी जो समावेशी और सामंजस्य संपूर्ण हो।

गुरु गोविंद सिंघ जी का अटल संकल्प था- राष्ट्र प्रथम। व्यक्ति से बड़ा विचार से राष्ट्र का होता है। जब वह बालक थे तो गुरु तेग बहादुर जी के सामने यह प्रश्न आया कि राष्ट्र धर्म की रक्षा के लिए बड़े बलिदान की जरूरत है। तब बालक गुरु गोविंद सिंघजी ने उन्होंने अपने पिता से कहा था कि आप से महान आज कौन है। यह बलिदान आप दीजिए। और उनके पिता ने अपने धर्म की रक्षा हेतु बलिदान । उन्होंने अपना शीश काटना मंजूर किया लेकिन औरंगज़ेब के सामने झुकना मंजूर नहीं किया। जब गुरु गोविंद सिंघ जी पिता बने तो वही संस्कार उनको चारों साहबजादों में आए। गुरु गोविंद सिंघ जी ने अपने बेटों को भी राष्ट्र धर्म के लिए बलिदान करने में कोई संकोच नहीं किया। और बेटों ने भी हँसते-हँसते बलिदान कर दिया। जब उनके बेटों का बलिदान हुआ तो उन्होंने अपनी संगत को देखकर कहा था- चार मुये तो क्या हुआ जीवित कई हजार अर्थात मेरे चार बेटे देश के लिए शहीद हो गए तो क्या हुआ, संगत के कई हजार साथी हजारों देशवासी मेरे बेटे ही हैं।

कुश्ती संघ के चुनाव निरस्त करने का फैसला स्वागतेय

कृष्णमोहन झा

कुछ माह पूर्व जब केंद्र सरकार ने महिला कुश्ती खिलाड़ियों की यह मांग स्वीकार कर ली थी कि राष्ट्रीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव में पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह के परिवार के किसी सदस्य अथवा उनके किसी करीबी भाग नहीं लेंगे तब ऐसा प्रतीत होने लगा था कि ब्रजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीडन का आरोप लगाने वाली महिला कुश्ती खिलाड़ियों को भविष्य में राष्ट्रीय कुश्ती संघ के विरुद्ध आंदोलन करने के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा परंतु दो दिन पहले जब ब्रजभूषण शरण सिंह के अत्यंत करीबी माने जाने वाले संजय सिंह राष्ट्रीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हो गए तो पूर्व पर यौन उत्पीडन का आरोप लगाने वाली महिला खिलाडियों में से एक साक्षी मलिक ने पत्रकारों के समक्ष आंसू बहाते हुए रुंधे गले से कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी और एक बार फिर वह मामला गरमा उठा जिसका कुछ महीने पहले सुखद पटाक्षेप हो जाने की उम्मीद व्यक्त की गई थी। साक्षी मलिक के समर्थन में एक अन्य कुश्ती खिलाड़ी बजरंग पूनिया ने उन्हें सरकार से अतीत में मिले पद्म सम्मान पद्मश्री लौटाने की घोषणा कर दी। इस पूरे मामले में सबसे आश्चर्यजनक बात यह रही कि साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के फैसले से राष्ट्रीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह के चेहरे पर कोई अफसोस दिखाई नहीं दिखाई दिया उल्टे उनके पक्ष से अहंकार भरा यह बयान दिया गया कि राष्ट्रीय कुश्ती संघ में उनका दबदबा जैसा पहले था वैसा ही आगे भी रहेगा। इस बयान के बाद महिला कुश्ती खिलाड़ियों के मन में यह निराशा जन्म लेना स्वाभाविक था कि उन्हें अब न्याय मिलने की उम्मीद छोड़ देना चाहिए। ब्रजभूषण शरण सिंह भी यह मान चुके थे कि राष्ट्रीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर उनके करीबी संजय सिंह के निर्वाचित होने के बाद संघ पर उनका परोक्ष नियंत्रण बना रहेगा लेकिन केंद्रीय खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय कुश्ती संघ के नये चुनावों को निरस्त करने और नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह को निलंबित करने का जो फैसला लिया है उससे ब्रजभूषण शरण सिंह हक्का बक्का रह गये हैं। वे यह सोच भी नहीं सकते थे कि सरकार तत्काल इस तरह के कठोर फैसला लेकर कुश्ती संघ में उनके दबदबे पर अंकुश लगाने से कोई परहेज़ नहीं करेगी। सरकार ने न केवल कुश्ती संघ के नये चुनाव रद्द कर दिए हैं बल्कि नये अध्यक्ष के सभी फैसलों पर भी रोक लगा दी है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद संजय सिंह ने गोंडा में जूनियर नेशनल कुश्ती स्पर्धा के आयोजन की घोषणा की थी लेकिन केंद्रीय खेल मंत्रालय के फैसले के बाद अब घोषित तिथियों पर उक्त स्पर्धा का आयोजन नहीं हो सकेगा। केंद्रीय खेल मंत्रालय का फैसला निःसंदेह स्वागतेय है और सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि आगे जब राष्ट्रीय कुश्ती संघ के चुनाव कराए जाएं तो उस समय यौन उत्पीडन के आरोपी ब्रजभूषण शरण सिंह को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से अपना दबदबा साबित करने का मौका न मिल सके। उन पर महिला कुश्ती खिलाड़ियों ने जो आरोप लगाए हैं वे गंभीर प्रकृति के हैं और उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। उन आरोपों के आधार पर उनके विरुद्ध अदालत में सुनवाई भी चल रही है। अच्छा होता कि वे अपने करीबी का अध्यक्ष पद पर निर्वाचन में दिलचस्पी लेने के बजाय संघ की गतिविधियों से स्वयं को पूरी तरह अलग कर लेते। राष्ट्रीय कुश्ती संघ में उनका वर्चस्व अगर महिला कुश्ती खिलाड़ियों को खेल से संन्यास लेने के लिए विवश करता है तो बेहतर यही होगा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का गौरव और मान सम्मान बढ़ाने वाली महिला खिलाडियों के भी मान सम्मान की सुरक्षा को संघ में उनके वर्चस्व के ऊपर तरजीह दी जाए। अगर राष्ट्रीय कुश्ती संघ के नये चुनावों को रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले से संतुष्ट होकर महिला कुश्ती खिलाड़ी खेल से सन्यास लेने का फैसला वापस लेते हैं तो उनका स्वागत किया जाना चाहिए। अब यह उम्मीद भी की जानी चाहिए कि बजरंग पूनिया भी पद्मश्री सम्मान वापस करने का फैसला वापस लेने के सहर्ष तैयार हो जाएंगे। सभी साल भर से जारी एक अप्रिय विवाद के सुखद पटाक्षेप की आतुरता से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

सत्ता के फाइनल की मोर्चाबंदी में जुटे दल

राजकुमार सिंह

सेमीफाइनल समाप्त होते ही सत्ता के खिलाड़ी फाइनल की तैयारी में जुट गए हैं। शीतकालीन सत्र में रिकॉर्ड संख्या में विपक्षी सांसदों के निलंबन से गरमाई राजनीति के बीच ही 28 दलों के विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक हो चुकी है तो कांग्रेस कार्यसमिति भी आगामी लोकसभा चुनावों पर चिंतन कर चुकी है। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन की अगुवा भाजपा तो हमेशा चुनावी मोड में रहती ही है। जाहिर है, हिंदी पट्टी के तीन बड़े राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद भाजपा के हौसले आसमान छू रहे हैं लेकिन विपक्ष के पास भी हताशा से उबरकर हार की समीक्षा करते हुए और बड़ी चुनावी जंग के लिए तैयार होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह संतोषजनक है कि हाल के विधानसभा चुनावों में आई परस्पर तल्खी से उबर कर विपक्षी गठबंधन के घटक दल लोकसभा चुनाव में भाजपानीत एनडीए से एकजुट मुकाबले को तत्पर दिख रहे हैं। 19 दिसंबर की बैठक में तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी ने तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को आगामी लोकसभा चुनाव में पीएम फेस बनाने का सुझाव भी दे दिया। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इसका समर्थन भी किया, पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुप ही रहे। इस चुप्पी के अपने-अपने नजरिये से अर्थ निकाले जा रहे हैं, पर खुद खड़गे ने बाद में पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री का फैसला चुनाव के बाद होगा, जब विपक्ष के पास बहुमत का आंकड़ा होगा। बेशक तकनीकी रूप से खड़गे सही हैं। विपक्ष को बहुमत मिलेगा, तभी तो प्रधानमंत्री चुनने की जरूरत होगी, लेकिन नरेंद्र मोदी का चेहरा जिस तरह भाजपा की सबसे बड़ी चुनावी ताकत बना हुआ है, उसे चुनौती देना भी विपक्ष की चुनावी रणनीति की प्राथमिकताओं में होना चाहिए। दक्षिण भारत से आनेवाले दलित वर्ग के अनुभवी नेता खड़गे को पीएम फेस बना कर भाजपा को वह चुनौती देने की कोशिश की जा सकती है। इससे दक्षिण भारत और दलित वर्ग को प्रधानमंत्री पद मिलने का संदेश जाएगा। दक्षिण भारत से लोकसभा के 130 सांसद चुने जाते हैं, जबकि दलित वर्ग से अभी तक कोई प्रधानमंत्री नहीं बना है।

राजनीति में बढ़ता 'मिमिक्री' का हस्तक्षेप

अमिताभ श्रीवास्तव

तृणमूल कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सदस्य कल्याण बनर्जी की उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को लेकर की गई 'मिमिक्री' खासी चर्चाओं में है। एक तरफ जहां स्वयं धनखड़ सारे मामले को अपना और अपने पद का अपमान बता रहे हैं, तो दूसरी ओर सत्ता पक्ष इस विवादास्पद कृत्य को लेकर आगबबूला है। हालांकि विपक्ष मामले को हलके में लेकर बात आई-गई करने की कोशिश में जुटा है। महाराष्ट्र में तो राजनेताओं के मखौल उड़ाने के न जाने कितने उदाहरण हैं और मजेदार बात यह है कि उनमें कोई भी दल पीछे नहीं है। अनेक नेताओं की पहचान उनके भाषणों के बीच की गई 'मिमिक्री' से ही है।

सब जानते ही हैं कि एकपात्री नाटक या उससे थोड़ा आगे 'मिमिक्री' पहले कभी मनोरंजन का साधन होती थी, किंतु कालांतर में वह राजनीतिक व्यंग्य और कटाक्ष का माध्यम बन गई। इसे कई पेशेवर कलाकारों ने अपनी लोकप्रियता से कमाई का साधन बना लिया। कई को सोशल मीडिया के साथ भी सहारा मिला। किंतु राजनीति में भी प्रतिभाशाली व्यक्तियों की कमी नहीं होने से अनेक नाम सामने आए। इनमें सबसे बड़ा नाम महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे का था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता छगन भुजबल, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के आदित्य ठाकरे, सुषमा अंधारे जैसे अनेक नाम अक्सर अपनी सभाओं में किसी न किसी नेता की 'मिमिक्री' करते दिख जाते हैं। राज ठाकरे की 'मिमिक्री' में महाराष्ट्र के ज्यादातर प्रमुख नेताओं का मखौल उड़ाया जाता है, तो बाकी नेता अवसर के अनुसार अपनी अदा को बदल देते हैं। 'मिमिक्री' का लक्ष्य चाहे कुछ भी हो, कुछ देर आम जनता के मनोरंजन का साधन जरूर बनती है और उसे वर्तमान परिदृश्य में लंबे समय तक सोशल मीडिया पर देखा जाता है। चूंकि सरकार या राजनीतिज्ञों से अपेक्षाएं पूरी नहीं होने पर कहीं न कहीं उसमें हताशा या निराशा की आड़ में नेताओं का मजाक उड़ाया जाता है, इसलिए भावनात्मक आधार पर उसे पसंद भी किया जाता है। आमतौर पर अखबारों के कार्टून और हिंदी साहित्य की व्यंग्य गद्य-पद्य विधा भी इसी कार्य को पूरा करती

है। मगर सीमा उल्लंघन पर स्वाभाविक रूप से विवाद भी खड़ा होता है, चाहे वह कार्टून हो या फिर कविता या किसी 'स्टैंडअप कॉमेडियन' की मिमिक्री हो। इन सबके साथ राजनीतिज्ञों की छिपी प्रतिभा का अपनी खुशी-अपना गम होता है। महाराष्ट्र के राजनीतिक में राज्यपाल से लेकर मुख्यमंत्री, मंत्री और राजनेता तक अपने विरोधियों के निशाने पर रहे। चुनाव सभा हो या फिर विरोध सभा, कोई न कोई नेता अपनी छिपी प्रतिभा का प्रदर्शन कर ही देता है।

हालांकि राज्य के नेताओं ने कभी अपनी 'मिमिक्री' का विरोध नहीं किया। कुछ ने जवाब देने की कोशिश अवश्य की, लेकिन हंगामा नहीं हुआ। शिवसेना के कुछ नेताओं ने प्रधानमंत्री की भी 'मिमिक्री' की, लेकिन उसे अधिक तवज्जो नहीं दी गई। स्पष्ट है कि 'मिमिक्री' को अधिक महत्व नहीं दिए जाने से किसी विवाद को जन्म नहीं मिला और उन्हें करने वालों को अचानक कोई अलग पहचान नहीं मिली। इससे साफ हुआ कि राज्य में 'मिमिक्री' को लेकर नेताओं में अधिक गंभीरता नहीं है और वे उसे महत्व देकर मामले को हवा देने में विश्वास नहीं रखते हैं। इसे मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप, आलोचना-सराहना का नियमित सिलसिला चलता है। इसके बीच ही राज्य में वरिष्ठ नेताओं में राकांपा प्रमुख शरद पवार हों या फिर कांग्रेस के सुशील कुमार शिंदे, बहुजन महासंघ के प्रकाश आंबेडकर हों या फिर नई पीढ़ी में वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस जैसे नेता अपनी बात रखने में मर्यादा का पूरा ध्यान रखते हैं।

अतीत में भी शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय बाल ठाकरे हों या भाजपा के स्वर्गीय प्रमोद महाजन, या फिर कांग्रेस के स्वर्गीय विलासराव देशमुख हों, जिन्हें उनके संबोधन के लिए पहचाना जाता था, ने कभी-भी किसी तरह की 'मिमिक्री' का सहारा लेते हुए अपनी बात को रखने की कोशिश नहीं की। सभी ने अपनी बात आक्रामक और तीखे शब्दों में रखी, लेकिन किसी ने मखौल उड़ाने को अपनी बात रखने का जरिया नहीं बनाया। अतीत के सापेक्ष देखा जाए तो यह भी सिद्ध हो जाता है कि यदि वक्ता की बात में दम है तथा उसके पास तथ्य और तर्क दोनों हैं तो उसकी बात सुनी जाती है। संबोधनकर्ता से लोग सहमति जताते हैं। हाल के दिनों में नेताओं की घटती विश्वसनीयता और संबोधनों से मोहभंग होने का परिणाम भाषणों में चुटीले अंदाज का चुटकुलों में बदल जाना है। उनमें वह सब डालना जिससे श्रोताओं का मनोरंजन हो और वे संबोधन के आखिरी तक डटे रहें। इसी में एक स्थान 'मिमिक्री' को मिला है, जो राजनीति की गंभीरता को ही समाप्त कर रही है।

किसी व्यक्ति विशेष को तथ्य, तर्क और विचारों के आधार पर पराजित न कर पाने की स्थिति में उपहास के सहारे अपमानित करना या गरिमा का पतन करना वर्तमान राजनीति का एक हिस्सा बनता जा रहा है। संसद के द्वार पर जो तृणमूल कांग्रेस के सांसद बनर्जी ने किया, वह अचानक नहीं हुआ। उसे करने के लिए हिम्मत पिछले कई सालों में मिली। जो गली-मोहल्ले की सभाओं से लेकर संसद परिसर तक पहुंच गई है। अब भी कुछ नेता बनर्जी के कृत्य को हास्य-व्यंग्य की आड़ में ढंकने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु यह राजनीतिक हस्तक्षेप सभी मर्यादाओं को पार कर रहा है। इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। सार्वजनिक जीवन में हर व्यक्ति की अपनी गरिमा होती है और वह सार्वजनिक संपत्ति की तरह नहीं होता है। संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों की गरिमा, मर्यादा और गंभीरता सर्वोच्च होती है। उसे कम करने का विचार भी मन में नहीं लाया जा सकता है। दुर्भाग्य से यह राजनीति का बिगड़ा रूप है और इसे कोई टोकने वाला तो नहीं है, लेकिन वीडियो बनाकर समाज में प्रसारित करने वाले बहुत हैं।

राजस्थान में कांग्रेस को अपनाना होगा भाजपा वाला मॉडल

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में भी कांग्रेस पार्टी को यथा शीघ्र ही नया प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता का चयन करना चाहिए। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा स्वयं तो चुनाव जीत गए मगर उनसे चलते कांग्रेस पार्टी को चुनाव में बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। उनकी विवादास्पद छवी तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में उनके परिजनों के चयन को लेकर भी प्रदेश में बड़े विवाद उठे थे। जिसके बाद से ही कांग्रेस बचाव की मुद्रा में आ गई थी। मुख्यमंत्री रहते अशोक गहलोत ने आमजन के लिये अनेको कल्याणकारी योजनाएं चलाई थी। मगर डोटासरा जैसे लोगों के बड़बोलेपन के चलते योजनाएं अप्रभावी गोकर रह गई थी।

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के 69 विधायक जीतकर आए हैं। जिनमे सबसे अधिक 17 विधायक जाट समाज से है। जाट समाज से 17 विधायकों के जीतने से साफ प्रतीत होता है कि जाटों ने आज भी कांग्रेस का साथ नहीं छोड़ा है। जाटों द्वारा कांग्रेस को दिए गए समर्थन के कारण ही शेखावाटी क्षेत्र की 21 सीटों में से कांग्रेस 14 सीट फिर से जीतने में सफल रही है। जबकि भाजपा को मात्र 6 सीट ही मिल पाई है। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी इस क्षेत्र में कांग्रेस को 15 सीट मिली थी।

वही गंगानगर और हनुमानगढ़ जिले की कुल 11 में से 10 सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस 6 सीटों पर जीती है। जबकि भाजपा को मात्र तीन सीट ही मिल पाई है। इस तरह देखें तो गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरु झुंझुनू,

सीकर की 31 में से कांग्रेस ने 20 सीट जीत ली है। वही भाजपा को मात्र 9 सीट ही मिल पाई है। ऐसे में नए प्रदेश अध्यक्ष पद पर किसी जाट विधायक की नियुक्ति से पार्टी को मजबूती मिलेगी। जाट समाज से जीतने वाले विधायकों में हरीश चौधरी व नरेंद्र बुडानिया दोनों ही निर्विवाद है तथा समाज व पार्टी में कार्यकर्ताओं पर अच्छी पकड़ रखते हैं।

बाड़मेर जिले की बायतु सीट से लगातार दूसरी बार जीते हरीश चौधरी अभी पंजाब कांग्रेस के प्रभारी है तथा गहलोत की पिछली सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इससे पूर्व वह बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र से लोकसभा के सांसद भी रह चुके हैं। हरीश चौधरी राहुल गांधी के नजदीकी लोगों में शुमार होते हैं। इसी तरह चुरू जिले की तारानगर सीट पर राजस्थान के लगातार सात बार जीतने वाले विधायक व नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ को हराने वाले नरेंद्र बुडानिया तीन बार लोकसभा, तीन बार राज्यसभा व तीन बार विधानसभा के सदस्य रहे हैं। यदि उनको प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है तो पार्टी कार्यकर्ताओं में अच्छा मैसेज जाएगा। इसके अलावा भी जाट समाज में कई ऐसे युवा विधायक जीत कर आए हैं जो पूर्व में भी विधायक रह चुके हैं।

पार्टी को विधायक दल के नेता पद पर अनुसूचित जाति, जनजाति के किसी विधायक का चयन करना चाहिए। राजस्थान में अनुसूचित जाति, जनजाति के 25 विधायक जीत के आए हैं। जिनमें से मीणा समाज के आठ, अनुसूचित जाति के 11 व आदिवासी समुदाय के छह विधायक जीते हैं। अनुसूचित जाति जनजाति हमेशा से ही कांग्रेस का वोट बैंक रही है तथा इस बार भी उन्होंने कांग्रेस का पूरा साथ दिया हैं। ऐसे में विधायक दल के नेता पद पर मीणा समाज के मुरारी लाल मीणा, आदिवासी समाज के महेंद्रजीत मालवीय या अन्य किसी विधायक को विधायक दल का नेता बनाया जाना पार्टी के हित में रहेगा। यह दोनों ही वरिष्ठ विधायक है तथा पूर्व में मंत्री भी रह चुके हैं। महेंद्रजीत मालवीया तो कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भी है।

मुस्लिम समुदाय भी कांग्रेस को एक मुश्त वोट देता है। मुस्लिम समुदाय के इस बार पांच विधायक जीत कर आए हैं। यदि उनमें से किसी को उपनेता बनाया जाता है तो पार्टी के लिए आने वाले समय में अच्छा रहेगा। कांग्रेस के कुल 69 विधायकों में से जाट 17, ब्राह्मण चार, मीणा 8, अनुसूचित जाति 11, जनजाति 6, बनिया पांच, गुर्जर तीन, यादव दो, मुस्लिम पांच, माली तीन, चारण एक, कुम्हार एक, पटेल एक सहित कई अन्य जातियों के विधायक शामिल है।

इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को बीजेपी से मात्र 856840 यानी 2.16 प्रतिशत मत कम मिलने के कारण कांग्रेस बीजेपी से 46 सीट पीछे रह गई। यदि कांग्रेस के नेता बागी खड़े नहीं होते और आपसी गुटबाजी नहीं होती तो इतना सा अंतर को पाट पाना कांग्रेस के लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। मगर अशोक गहलोत व सचिन पायलट की आपसी गुटबाजी के चलते कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार बनने से रह गई तथा अशोक गहलोत द्वारा हर बार राज बदलने की परंपरा को तोड़ने का सपना भी सपना बनकर ही रह गया।

राजस्थान में चुनावी प्रक्रिया के दौरान से ही प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा द्वारा जिस तरह से प्रदेश कमेटी में धड़ाधड़ सचिव व महासचिव के पदों पर नियुक्तियां की जा रही है उसको लेकर भी कांग्रेसजनों में अच्छी सोच नहीं है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि प्रदेश प्रभारी द्वारा मनमानी तरीके से की जा रही नियुक्तियों में आर्थिक हित साधे जा रहें है। कई नियुक्तियां तो ऐसे लोगों की की गई है जिनके परिजनों ने हाल ही के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव प्रचार किया था। प्रदेश प्रभारी द्वारा अपने स्तर पर बड़ी संख्या में की जा रही नियुक्तियों से कांग्रेस की छवि दागदार हो रही है। कांग्रेस आलाकमान को ऐसी नियुक्तियों पर भी संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही करनी चाहिए ताकि गलत लोगों को पार्टी में पदाधिकारी बनने से रोका जा सके।

कांग्रेस पार्टी ने जिस तरह से मध्य प्रदेश में कमलनाथ व दिग्विजय सिंह को दरकिनार कर जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष, उमंग सिंघार को विधायक दल का नेता व हेमंत कटारे को उपनेता बनाया गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विरोधी खेमे के दीपक बैज को फिर से कांग्रेस अध्यक्ष व आदिवासी नेता चरण दास महंत को विधायक दल का नेता बनाया गया है। उसी तरह राजस्थान में भी बिना समय गवायें नयी नियुक्तियां करनी चाहिए ताकि आने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी मजबूती से मुकाबले में खड़ी हो सके।

कांग्रेस आलाकमान को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व सचिन पायलट दोनों को ही अलग रखकर ऐसे नए लोगों को आगे लाना चाहिए जो गुटबाजी से दूर रहकर पार्टी को फिर से मजबूत कर सके और पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरकर उनका मनोबल मजबूत रख सके। तभी आने वाले समय में कांग्रेस फिर से मजबूत होकर उभर सकेगी। यदि अशोक गहलोत व सचिन पायलट के इर्द-गिर्द ही प्रदेश में कांग्रेस की राजनीति चलती रहेगी तो दोनों गुटों की आपसी टांगखिंचाई पहले की तरह चलती रहेगी और कांग्रेस को भी नुकसान उठाना पडेगा। इसलिए निर्विवाद छवी के लोगों को आगे लाकर नेतृत्वकर्ता के स्थान पर बैठाना चाहिए। तभी कांग्रेस के फिर से अच्छे दिन आ सकेगें।

कहानी

पटाक्षेप

■ नरेन्द्र कौर छाबड़ा

पुत्तर, आज खाने में क्या बनाऊं? मक्के की रोटी और सरसों का साग, राजमा-मा की दाल, लोबिया.. मां पप्पू के आगे-पीछे डोल रही हैं। पूरे छह महीने बाद गांव आया है, इसकी खुशी तो है ही, मां तो इस बात से गर्व और प्रसन्नता से भरी हुई है कि पप्पू पत्नी व बच्चों के पास दो-चार दिन बाद ही जाएगा, पहले सीधे वह मां-बाप से मिलने आया है।

इसे कहते हैं लायक औलाद। सभी ऐसे खुशकिस्मत थोडे ही होते हैं। छह महीने के बाद पंद्रह दिन की छुट्टियां मिली हैं। यह भीतर का प्यार और खिंचाव ही तो है जो बेटा सीधा मां-बाप से मिलने आ गया.., पडोसनें कह रही हैं। मां गर्व से अभिभूत हैं।

पुत्तर तूने बताया नहीं कि क्या बनाऊं? मां पप्पू पर लाड उडेल रही है। बीजी, आज तो सरसों का साग और मक्के की रोटी ही खिलाओ। बहुत याद आती है आपके हाथ की बनाई रोटी, उस पर रखा मक्खन का डेला और गिलास भर लस्सी! सच, खाने का जो मजा यहां है वह और कहीं नहीं। वहां तो सरसों का साग ऐसे बनाते हैं जैसे घास-पात उबाल कर रख दी हो। किसी को ठीक से बनाना नहीं आता और मक्का भी इतना बेस्वाद और फीका होता है कि खाने की इच्छा ही नहीं करती। अब जितने दिन यहां हूं, मन भरके खाऊंगा।

मां निहाल हुई जा रही है। जरा भी नहीं बदला पप्पू। लोग कहते हैं बडे शहरों में जाने के बाद आदमी के आचार-विचार, व्यवहार, बोलचाल में परिवर्तन आ जाता है, वह स्वार्थी हो जाता है, लेकिन पप्पू तो वैसा ही है। तीन साल हो गए उसे शहर गए। अच्छी नौकरी है लेकिन महंगाई के कारण पत्नी व बच्चों को अभी तक नहीं ले जा सका है। एक कमरे के घर में दोस्त के साथ रहता है। किराया बांटने से राहत मिल जाती है। हालांकि उसकी पत्नी थोडे गर्म स्वभाव की है। कसबे से आई है, मैट्रिक पास है, गांव में नहीं रहना चाहती। कहती है, मुझे गांव के लोग जाहिल लगते हैं, उनके साथ नहीं रह सकती। कुछ दिन तो मायके में ही रही। अब वहीं नजदीक ही एक कमरा लेकर बच्चों के साथ रहती है। महीने-दो महीने में एक बार ससुराल आती है, दो-चार घंटे रुक कर चली जाती है। रास्ता मुश्किल से दो घंटे का है, लेकिन दिलों में दूरियां हों तो मिनटों का सफर भी अखरता है।

पप्पू का जन्म कितनी मन्नतों, मुरादों के बाद हुआ था। एक-एक कर जब तीन लडकियां हुई तो मां को पडोसनें अभागन कहने लगीं। सास हर बार लडकी होने पर झुंझला उठती, पता नहीं कैसी कोख है इसकी, लडकियां जनती जा रही है। मां चुपचाप खून के घूंट पीती रहती। कितने तीर्थ-स्थानों पर गई, मन्नतें मांगी। जब पप्पू का जन्म हुआ, तब कहीं सास का व्यवहार सुधरा। पप्पू का बचपन अपनी मांगें मनवाते हुए बीता। छोटे-से घर के अलावा जमीन का एक छोटा-सा टुकडा भी था उनके पास, जिस पर खेती करके घर खर्च आसानी से निकल आता। बेटियां जवान हुई, एक के बाद एक के विवाह में जमीन के टुकडे बेचने पडे। पिता थोडा-बहुत पढे-लिखे थे, पटवारी के यहां मुनीम का काम करने लगे। पप्पू दो-चार बार शहर होकर आया और तभी से जिद पकड ली कि गांव में नहीं रहना है। यहां गंदगी, दरिद्रता, बीमारी है।

बेटा, गांव का सा प्यार और अपनापन शहरों में नहीं मिलता। वहां की प्रतिस्पर्धा, ईर्ष्या और भागमभाग वाली जिंदगी हम गांव के लोग नहीं जी सकते.., लेकिन पिता की बातों का असर पप्पू पर नहीं पडता।

शादी के साल भर बाद ही उसे शहर की एक फैक्टरी में अच्छा काम मिल गया। कुछ दिन धर्मशाला में रहा, फिर एक सहकर्मी के साथ कमरा किराये पर लेकर रहने लगा। तनख्वाह का आधा हिस्सा वह घर भेजने लगा। पत्नी को शहर में रखने पर विवशता जताई तो वह मायके में आकर रहने लगी। वहीं एक-एक कर दो बेटे हुए। पप्पू हर दो-तीन महीने में गांव जाता। कुछ दिन पत्नी के साथ रहता और एकाध दिन मां-बाप के साथ रह कर लौट जाता। एक बात का वह विशेष खयाल रखता। हर बार सीधे पत्नी के पास जाने के बजाय कभी-कभी मां-बाप के पास आ आता और मां निहाल हो जाती।

..पप्पू खाना खाते-खाते उंगलियां चाट रहा है, ताजा मक्खन, लस्सी के साथ सरसों का साग..। खाने के बाद सुस्ती सी आने लगी। मां वहीं चारपाई डाले बैठ गई। पप्पू बोला, बीजी, मैंने अब अपने लिए अलग घर का इंतजाम कर लिया है। इस बार बीवी-बच्चों को भी ले जाऊंगा और आपको भी..

सच पुत्तर?, मां को जैसे यकीन नहीं हो रहा है। क्या सचमुच उन्हें भी शहर के ऊंचे-ऊंचे घर, चौडी सडकें, बगीचे और सजे-धजे लोगों को देखने का मौका मिलेगा..! वह रोमांचित हैं। वास्तव में तो उनके भीतर भी कहीं यह इच्छा सालों से दबी-घुटी पडी थी शहर देखने की। वहां की दिनचर्या, लोगों, खानपान और आपाधापी के बारे में पप्पू बताता तो यह इच्छा और प्रबल हो उठती।

बीजी, आप और दारजी अपने कपडे और जरूरी सामान की पैकिंग करके रख लो। आज सोमवार है, कुछ दिन बीवी-बच्चों के पास रहूंगा और अगले बुधवार का रिजर्वेशन करा लिया है। आपके टिकट भी हो चुके हैं। आप लोग स्टेशन पर सामान लेकर पहुंच जाना। मैं दरवाजे पर खडा रहूंगा, स्टेशन पर आपको मिल जाऊंगा। याद से पहुंच जाना वर्ना टिकट बेकार हो जाएंगे।

मां का दिल खुशी से बल्लियों उछल रहा है। शाम को पति को बताया तो वह भी प्रसन्न हो उठे। वाहे गुरु सबकी औलाद को सद्बुद्धि दे, कह कर वे तैयारी की रूपरेखा में जुट गए। दो दिन बाद पप्पू बीवी-बच्चों के पास चला गया।

ठंड का मौसम है। स्वेटर और कोट दोनों ही रख लूं? मां पति से पूछ रही है।

हां, रास्ते के लिए शॉल भी रख लेना। अब बूढी हो रही हड्डियों में ठंडी हवा की लहरें टीस पैदा कर जाती हैं।

मैं थोडी-सी पिन्नी और मट्ठियां भी बना लेती हूं, पप्पू को बहुत पसंद हैं, मां बहुत उत्साहित हैं। गांव में दूध बढिया मिलता है-बिना मिलावट वाला। यही कारण है, पिछले तीन-चार महीनों में मां ने दो किलो घी जमा कर लिया है। उम्र के इस पडाव पर दो प्राणियों की वैसे भी जरूरतें कितनी होती हैं। अब जा ही रहे हैं पप्पू के शहर में तो एक-दो महीने तो रहेंगे ही वहां। मां हिसाब लगाती जा रही है और जैसे-जैसे सामान याद आ रहे हैं, उन्हें अटैची में भरती जा रही है। खाने-पीने की चीजों के लिए टिन का बक्सा रखा है।

सुनो कुछ नीम के दातून जरूर रख लेना। वहां शहर में तो मिलते नहीं। मुझे तो इसी की आदत है, पति याद दिला रहे हैं। मां ने ऊन व सलाइयां भी रख ली हैं, खाली समय में पोते के लिए स्वेटर बना लेगी। रोज के नितनेम के लिए पोथी रख ली है। पप्पू के पास पूजा-पाठ के लिए वक्त ही नहीं होता होगा, पोथी गुटके भी भला कहां होंगे।

मां ने सारे पुराने कपडे तहा कर अलमारी में रख दिए हैं। शहर में पप्पू के मिलने-जुलने वाले आते होंगे, उनके सामने साफ-सुथरे और नए कपडे पहनने होंगे। कुछ नए कपडे भी बनवा लिए हैं..। अरे हां, पप्पू को मक्के की रोटी पसंद है, यहीं से पांच किलो मक्का पिसवा कर रख लेंगे। पडोसनें आ-आकर मां को बधाई और सफर के लिए शुभकामनाएं दे रही हैं। साथ ही शहर से उपहार लाने की फरमाइश भी जारी है। सब लोग पैसे दे रहे हैं और सामान लाने को कह रहे हैं। मां भावविभोर होकर पैसे रख लेती है। गांव की सीमा जहां समाप्त होती है, वहीं बना है छोटा-सा स्टेशन जहां चंद रेलगाडियां दो-तीन मिनट ठहरती हैं। मां ने नत्थू रिक्शे वाले को रात में ही कह दिया था कि वह सुबह ठीक साढे नौ बजे आ जाए, ताकि दस बजे तक वे लोग स्टेशन पहुंच जाएं। गाडी 11 बजे आती है। मां को धुकधुकी सी लगी हुई है। कहीं गाडी समय से पहले ही आकर चली न जाए, इसलिए कोई खतरा मोल नहीं लेना है। एक घंटा स्टेशन पर बैठेंगे। स्टेशन पर इक्का-दुक्का ब्रेड-पकौडे, चाय, समोसे, चॉकलेट, बिस्कुट बेचने वाले चक्कर लगा रहे हैं। मां ने दो बिस्कुट के पैकेट और कुछ चॉकलेट्स खरीद लिए। अभी पप्पू का परिवार आने ही वाला होगा। चॉकलेट्स दोनों पोतों को बांट देगी। पोते दादी से बहुत प्यार करते हैं। महीने-दो महीने में जब भी वे आते हैं दादी से चिपक जाते हैं, बीजी लड्डू चाहिए-बीजी बिस्कुट चाहिए-पिन्नी चाहिए.. वह भी उनके लिए कुछ-न-कुछ बना कर रखती ही है। जब भी आते हैं मन भर कर खाते हैं। बडा तो स्कूल जाने लगा है और शौक से पढता है। छोटे का स्कूल अभी शुरू नहीं हुआ है। वह है बडा प्यारा, लेकिन शैतान भी है। हो भी क्यों नहीं, बच्चे अगर शैतानी न करें तो बच्चे कैसे?

अचानक सीटी की आवाज से मां सतर्क हुई। गाडी आ रही है, सामान ठीक-ठाक है न.. पति पूछ रहे हैं। हां, सब ठीक है। जरा दरवाजों पर नज़र रखना, पप्पू कहीं खडा होगा। अटैची और बक्सा तो वह उठा लेगा। हम दोनों बस छोटे-छोटे झोले थाम लेंगे।

गाडी की रफ्तार धीमी हो रही है। एक-एक डिब्बा सामने से गुजर रहा है। सभी दरवाजें पर दृष्टि जमाए हैं वे दोनों। पप्पू कहीं नजर ही नहीं आ रहा। एकाएक गाडी झटके से आकर रुक गई।

तुम यहीं ठहरो, मैं देख कर आता हूं पप्पू को.., पति तेज कदमों से हर डिब्बे में झांक रहे हैं। पप्पू कहीं नजर नहीं आ रहा। अब क्या करें? हमारे पास न टिकट है-न शहर में उसका पता-ठिकाना। उनके चेहरे पर हवाइयां उडने लगीं। समय और दिन तो यही है, फिर वह कहां रह गया? बूढे मां-बाप के दिल अनहोनी की आशंका से धडकने लगे हैं।

तीन मिनट बीत गए। गाडी ने सीटी दे दी और धीरे-धीरे रेंगने लगी। पति थके-पस्त कदमों से वापस आते हैं, इस गाडी में तो पप्पू है ही नहीं.। उसने तो कहा था किदरवाजे पर ही खडा होगा.., मां बुदबुदाई। कुछ देर दोनों भावशून्य से खडे रहे, तभी पप्पू के एक सहपाठी अमर को उन्होंने देखा। उन्हें देखकर अमर बोला, अरे, अंकल-आंटी आप यहां कैसे? उन्होंने जब पूरी बात सुनाई तो वह बोला, मैं अपने दोस्त को इसी गाडी के ए.सी. डिब्बे में बिठाने आया था। अंदर पप्पू अपने परिवार के साथ बैठा था। उसने तो आपके बारे में कोई बात ही नहीं की..। दोनों अवाक एक-दूसरे को देखने लगे। जैसे भरी मुट्ठी से धीरे-धीरे रेत खिसकती जा रही हो और अंत में केवल शून्य रह जाए। अपने ही खून से ऐसे अपमानजनक व्यवहार की उम्मीद तो उन्होंने कल्पना में भी नहीं की थी। किसी हारे हुए जुआरी की तरह वे भी अपने घर लौटने के लिए रिक्शे की तलाश में जुट गए।

गीत-गजल-कविता

शहर

गांवों से बड़ा
विशाल बरगद सा फैला सुख सुविधा से भरपूर
चिंता से दूर प्राप्त होते शुरू होते हैं दिन बंटने
अखबारों के फड़फड़ाते पन्ने धूल धुएं से सराबोर,
ऊंची-ऊंची इमारतें जो बार बार खाती है, हवाओं की बातें
रेल गाड़ियों की लंबी सीटी सड़कों पर आते जाते
वाहन-कुत्ते और आदमी के जान
हमेशा जोखिम में पाये जाते जहां
पर वहां बचने के नुस्खे भी बताये जाते
बायें चलो, बढ़ो तो दायें से आगे बढ़ो
बीच चौराहे पर गश्त देते सिपाही
या स्वचालित मशीन जो देख नहीं सकता
कौन आता है जाता है पर बता जाता है संकेत
जगह-जगह चौंक-चौराहे पर
सम्मान पर बनायें महापुरुषों की प्रतिभायें
जिसे देखकर आज का आदमी बस जाता है
गांव छोड़कर ऊंची महत्वाकांक्षा के साथ जीने
नाम और यश कमाने शहर, शहर... गांवों से बड़ा
विशाल बरगद सा फैला।

■ दयाराम सिन्हा, देवभोग

धन्यवाद भइया जी

चुनाव के साढ़े चार साल बाद
पधारे आप भइया जी तब,
ऐसे लगा-बरसों पहले घर से
भागा अपना कोई वापस आ गया,
देखकर मां के चेहरे में
फूल खिल गये
आंखों की रोशनी लौट आई
राष्ट्रीय पोशाक में देख आपको
मेरी भी इच्छा हो रही है।
कैद हो जाऊं राष्ट्रीय पोशाक में
और जनता में बांटू आश्वासन की
खुशियां चाहे वह क्यों न हो
हाथी के दांत

■ चेतन आर्य, महासमुंद

फूल मार कर चले गये सपने

ब्रह्ममुहूर्त में
फूल मार कर...
चले गये सपने
जाने क्यों दिन भर ही हमको
बहुत याद आये अपने
स्मृति-वन, ऊगे हैं भीतर
बाहर नहीं, दिखे
कभी-कभी मन की बातों को
जाने कौन लिखे?
परा और अपरा शक्ति के
कार्य नहीं, दिखे
अनहोनी येसी हो जाती
आज नहीं दिखे
अपने हाथों में अपने ही
भाग्य नहीं दिखे
दिव्य-दृष्टि से अपने ही
सौभाग्य नहीं दिखे

■ श्रीराम मीना, होशंगाबाद

बुरा जो देखन मैं चला

लंगोटीलाल ने आते ही मुझे अपने परंपरागत तरीके से मुझे नमस्कार ,जयहिंद, जय भारत ..... आदि आदि अभिवादन के अनेक तरीकों को एक साथ चौकों -छक्कों की बौछार से (सचिन शैली में) इस भीषणता के साथ दागा कि हमारे होश फाख्ता होते होते बचे । हमने कहा क्या बात है लंगोटीलाल जी , क्या आप सीधे स्टेडियम से आ रहे हैं ? उन्होने कहा - स्टेडियम ही समझ लीजिए ! हमारा अपना प्यारा भरत देश आजकल किसी स्टेडियम से क्या कम है ? जिधर देखो मैच ही मैच चल रहे हैं ! आई पी एल के मैच अलग- अलग महानगरों में चल रहे हैं । धूम मची हुई है जिसे देखो वही क्रिकेट की चर्चा कर रहा है । हमने कहा यानि आज आप क्रिकेट की पूरी कामेन्टरी सुनाने के मूड में हैं , नहीं नहीं ऐसी बात नहीं है अपन तो अपने बेर में ही मगन हैं । बेर -बेर क्रिकेट की बात क्या करना हम तो आज आपको यह बताने आये हैं कि भारत की सेना ने राजधानी की कूच का डंका बजा दिया ऐसी खबर मोटे मोटे अक्षरों में छपी है । आपने अखबार पढ़ा क्या ?

हमने चैन की सांस लेते हुए कहा कि अखबार तो पढ़ लिया और उस धुआंधार समाचार से सरकार का हिलना भी देख लिया हमारी सेना के मुखिया भी कुछ कम नहीं है रिटायर्ड होने की बेला है लेकिन जाते-जाते ऐसे दना-दन गोले बरसाते जा रहे हैं जैसे राहुल द्रविड़ ने भी रिटायर्ड की होने के पहले नहीं बरसाये थे । लंगोटीलाल ने कहा कि अपन तो भई इस देश में वफादार नागरिक ठहरे हम तो वही करेंगे जो श्री अन्ना हजारे कर रहे हैं जंतर मंतर भला, उनका अनसन भला, उनका आंदोलन भला, उनके फालोअर भले, मिडिया वाले भले और भारत के प्यारे दुलारे मतदाता भले । अब मालूम पड़ा है कि बाबा योग गुरू भी आंदोलन करने के लिए जंतर मंतर पहुंचने वाले हैं ।

पता नहीं इस देश के लोगों को क्या हो गया ? जिसके पीछे पड़ते हैं हाथ धोकर पड़ जाते हैं । पहले लोकपाल के नगाड़े बजाये, अब भ्रष्टाचार के बैंड बजाते हुए राजधानी की सड़कों पर मार्चपास्ट कर रहे हैं कोई इनसे पूछे भैया आप लोगों के पास कोई काम नहीं है । अरे लोगों को कुछ दिन तो चैन से बैठने दो क्या दिन रात चिल्लपों मचा दी है ?

उधर साहित्य के क्षेत्र में दण्ड पेलने वाले धुरंधर भी राशन पानी लेकर , हाथ धोकर अपने एक सूत्रीय अभियान में जुटे पड़े हैं और जिस पर देखो उस पर अपनी गुलेलों से निशाने बाजी कर रहे हैं । इन तोपचंदों से लोग खासे अजीज आ गये हैं । ये किसी को नहीं छोड़ते जिधर मौर आई उधर बरसाने लगी गोलियां जैसे उनके पूज्य पिताजी की बादशाहत हो । साहित्यकारों में भी एक उल्टी खोपड़ी की कौम इन दिनों काफी धमा चौकड़ी मचा रही है । इनके मोर आफत है ये लोग खुद को व्यंग्यकार कहते हैं और जिसकी खोपड़ी चाहे उस पर तड़ाक से हमला कर देते हैं । तंग आ गये हैं लोग इनसे ।

हमने लंगोटीलाल से पूछा कि इस मसले पर उसके विद्वता पूर्ण सारगर्भित विचार क्या है ? लंगोटीलाल तड़ाक से जवाब दिया ये लोग जो खुद को व्यंग्यकार के चमकदार नाम से पुकारते हैं वे अजीब और खबाती इंसान होते हैं । इन्हें दुनिया उल्टी दिखाई देती है । अरे सर के बल खड़े होकर देखो तो दुनिया उल्टी ही तो दिखेगी । कभी अकल से भी काम लो और दुनिया को सही नजरिए से देखो और कभी तो अकल से बात करो । कभी तो किसी चीज में अच्छाई देखो ये क्या है दिन रात लोगों की गलतियां छांटा करते हो , बुराई किया करते हो , ताना मारते हो । बुरा भला कहते हो । खिल्ली उड़ाते हो । कभी तो किसी बात में अच्छा सोचने की कोशिश करो । कभी तो देखो की दुनिया में सिर्फ विसंगतियां , विद्रूपताएं, विरोधाभासी स्थितियां , मक्कारियां, दगाबाजियां , धोखेबाजियां , झूठ फरेब आदि इतनी ही चीजें नहीं है जिनके बारे में अपनी एके 47 से तड़ातड़ फायरिंग करते हो और भी गत है जमाने में इन सबके सिवाय ।

अरे सकारात्मक सोचो । कुछ ऐसा लिखो ,कुछ ऐसा बोलो कि समाज में कोमल और मधुर और प्रिय लगने वाली भावनाओं का संचार हो । कुछ ऐसा लिखो कि जो पढ़ने में खुशी प्रदान करे , आनंद दे और हर्ष उल्लास की सृष्टि करे । यह सब धारा प्रवाह बोलते बोलते लंगोटी लाल ने अचानक अपनी तोप हमारी तरफ तान दी हमसे पूछा - आप भी तो व्यंग्यकार महोदय हैं आप क्या करते हैं ? क्या आप भी दनादन लोगों पर हमला नहीं करते ? भाले बरछियां , चाकू छूरे नहीं बरसाते ? क्या आप लोगों को लहू लुहान करने में कोई मुलाहिजा करते हैं ? आपने भी काले धन के बारे में क्या कुछ नहीं लिखा, क्या आपको सिर्फ काला धन ही दिखता है ? इस देश के सफेद धन को देखने वाला कोई है ? फिर आप ये कैसे कह सकते हैं कि सारी दुनिया में बस आड़े टेढ़े लोग ही रहते हैं भले आदमियों को देखने वाले कोई है ? आप ही बताइए कि दूसरों की निंदा करने वाले , दूसरों के कामों में मीनमेख निकालने वालों की फौज में क्या सब लोग दूध के धुले हैं ? आप जिस खुर्द बीन से दूसरों का दोष ढूंढते हैं ? क्या कभी अपनी ओर भी देखा है ? लंगोटी लाल के इस प्रश्न के सामने हम खामोश हो गये क्योंकि सचमुच हमने कभी अपनी ओर झांककर नहीं देखा जबकि बहुंत पहले कबीरदास जी हमें यह हिदायत दे गये थे और यह निषकर्ष बता गये थे , उन्होने कहा था कि - '' बुरा जो देखन मैं चला , बुरा न मिलया कोय । जो दिल सोचा आपना मुझसा बुरा न कोय।

■ गजेन्द्र तिवारी

लघुकथा

■ मोनिका सिंह, कांकेर

जायदाद

विनोद के कमरे में आते ही अनीता दनदनाते हुये आयी और धम्म से सोफे पर बैठ गई। अनीता ने कहा कलेजा मुँह को आता है मेरा, रोज-रोज इस तरह घर को लुटता देखकर। पता नहीं ये सब तमाशा कितने दिन और चलने वाला है।

विनोद बोला तुम्हारा मूड हर वक्त एक ही स्टेशन क्यूँ पकड़ता है, गुस्सा, गुस्सा और बस गुस्सा। कारण भले रोज नया रहे पर गुस्सा वही पुराना।

अनीता ने कहा तुम्हें भी तो हर वक्त मुझे यही ताना मारने के सिवा, नया कुछ नजर नहीं आता, वरना जो मुझे दिख रहा है तुम्हें भी दिखता।

विनोद बोला अब ऐसा भी क्या हुआ है जो आते ही चाय की जगह ये प्रवचन पिला रही हो।

अनीता बोली इस घर में यही सब चलता रहा तो वो दिन भी मुझे दूर नहीं लग रहा, जब हमें हरिद्वार में जाकर ये प्रवचन ही पीने पड़ेंगे। गृहस्थी चलाने लायक तो कुछ छोड़ेंगी नहीं तुम्हारी पूज्य माताजी।

विनोद बोला अब ये हिन्ट देना बंद करो और साफ-साफ कहो, आखिर हुआ क्या है और मेरी माँ को इतना क्यों कोस रही हो तुम।

अनीता ने कहा तो साफ-साफ सुनो, कितनी बार कहा है तुमसे कि अपनी माँ से जायदाद के पेपर्स पर साईन करवा लो पर तुम्हारे कानो से बार-बार टकराकर ये बात बैरंग लौट आती है।

विनोद अनीता! मैने भी तुमसे कितनी बार कहा है माँ का ऐसा अपमान मै हरगिज नहीं कर सकता, और फिर उनके बाद सब मेरा ही तो है।

अनीता वो जीतेजी कुछ छोड़ेगी, तभी तो मरने के बाद तुम्हारा होगा न ।

विनोद (गुस्से से) क्या मतलब है तुम्हारा मेरे पिता की कमाई दौलत है माँ का पूरा हक है इसपर मै खर्च करने से कैसे रोक सकता हूँ।

अनीता (थोड़े प्यार से) मैं तुम्हें सिर्फ इतना समझाना चाहती हूँ भोले मानुस, तुम्हारी बहने सम्पन्न घरों में हाने पर भी अपनी लालची गिद्द दृष्टि इधर ही रखती है, हर महीने - दो महीने में कीमती उपहार माँ से ले जाती है, माता जी दिन-रात कभी वृद्धा आश्रम, कभी अनाथ आश्रम में दान के नाम पर घर लुटा रही है। अब आज ही की बात है गौशाला को पूरे 51 हजार दान दे डाले है।

विनोद हूँ (सोच कर) ये तो हद हो गई , मैं अभी माँ से बात करता हूँ।

अनीता (कुटिलता से) अरे रूको, वही तो मुर्खता करते हो तुम, वो कौन सा समझाने से समझेंगी। अब तो एक ही उपाय है जैसे-तैसे सारी जायदाद अपने नाम कर लो। आखिर हमारे भी बच्चे है।और तुम्हारी अकेली तनख्वाह में ये ऐशों -आराम चलने से रहा। विनोद बात तो सही है तुम्हारी पर मैं भी माँ से क्या कहकर साईन लूँ, आखिर क्या सोचेंगी वो मेरे बारे में। अनीता (जरा और प्यार से) देखो विनोद, उन्होने तो अपना जीवन जी लिया, अब अपनी और बच्चों के भविष्य की फिक्र करो और ये सब तुम मुझ पर छोड़ दो। विनोद हूँ ठीक है जैसी तुम्हारी मर्जी, पर कुछ कहो भी तुम क्या करने वाली हो। अनीता मैने आज दिन में ही उनसे कहा है आपको चारो धाम की यात्रा पर भेजने की सोच रहे हैं वो भी जाने को तैयार है, तो बस टिकिट रिजर्वेशन के फार्म पर अंगूठा लेने के बहाने मैं जायदाद के कागजात पर अंगूठा लगवा लूँगी। विनोद (हैरानी से देखते हुए) वाह ! , क्या दिमाग पाया है तुमने भी कसम से। अनीता क्या करें मन-माफिक जीवन जीने के लिए इसी दिमाग का सहारा है। दोनो एक दूसरे की ओर विजयी मुस्कान से देखते हुए। कमरे से बाहर।

नैतिक मूल्यों की चिंता

मूल्य मिटे चिंता मिटी, मनुआ बेपरवाह।
जिनको जो कुछ चाहिए, उन्हें मिले अथाह।।

आधुनिक युग के निकम्मे रहीम नुक्कड़ पर आते-जाते लोगों पर अपना ज्ञान लीपते हुए कहते हैंङ्क जो बंदा सत्य, अहिंसा, धर्म, न्याय जैसे बाबा आदम जमाने के मूल्यों से अंधा बनकर आँखें मूँद लेता है, उसका मन चिंतामुक्त, प्रसन्न और संपन्न रहता है। उसकी सारी असीमित इच्छाएँ पूरी होती हैं। इन दकियानूसी मूल्यों के चक्कर में बंदे की हालत घर से निकलते समय हीरो और पहुँचते समय जीरो सी होती है।

व्यंग्य

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

नैतिक मूल्यों की चिंता करना जीते जी चिता सा आभास देता है। भला ऐसा जीवन भी कोई जीवन कहलाता है। जीवन को 'एवन' बनाने के लिए नैतिक मूल्यों को पैरों तले और अनैतिक मूल्यों को सिर पर रखना चाहिए। इससे बंदा नंगा होने और पंगा लेने से बचा रहता है। इसके विपरीत मूल्यों की चिंता करने वाला आधुनिक समाज की नजरों में पागल कहलाता है। आज नैतिक मूल्य सड़क किनारे फुटपाथ पर सोते हुए मिलते हैं, जबकि अनैतिक मूल्यों की ऑडी और फेरारी अपनी फुल स्पीड में उन्हें कुचलने के लिए उतावली रहती हैं।

कोठी बनाने, बाल-बच्चे घुमाने और नाम कमाने के लिए नैतिक मूल्य नहीं, पैसा चाहिए होता है। आधुनिक बंदा इस गूढ़ रहस्य को जान चुका है। वह इतना निपुण हो चुका है कि आपदा में अवसर को भुनाने की फिराक में रहता है। वह साँसें सिलेंडर में, प्यास मिनरल बॉटल में और भूख अनाज-गोदामों के मार्फत विक्रय करने लगता है। फालतू के नैतिक मूल्यों से टेंशन, अनैतिक मूल्यों से अटेंशन मिलता है। देश-समाज की चिंता, अच्छे-बुरे की चिंता, निर्माण-सृष्टि की चिंता यह सब बेफिजूल चिता समान है। भला कदम-कदम पर लूटने के लिए इतने सारे अवसर पड़े हों तो मूल्यों की चिंता में बीपी, शूगर क्यों मोल लें। ऊपर से बाल झड़ने की समस्या अलग से। आधुनिक समय में चंगा रहने का एक ही फार्मुला है- खुद जियो औरों को मरने दो।

आज के समय में मूल्यहीन होकर ही मूल्यवान बना जा सकता है। बेकार के मूल्यों में समय खोटी मत करो। बगल वाला मरता है, तो मरने दो। लड़ता है, लड़ने दो। सड़ता है, सड़ने दो। हो सके तो अपना, लड़ना, झगड़ना और मरना भी उसे सौंप दो। मूल्यों से आँख मूंद लेने पर बड़ा सुकून मिलता है। भूख से रोते-बिलखते बच्चों का क्रंदन भी सुंदर संगीत लगता है। सामाजिक पतन भी सामाजिक विकास लगता है। कमाने के लिए घूसखोरी, खाने के लिए भ्रष्ट बकासुर और ऊपर उठने के लिए बेशर्म बनना सीखो। आज के समाज ऊंचे और सफल लोगों की यही पहचान है। जनता को लूटकर नेता, पुल को तोड़कर अभियंता, प्राणों से खेलकर चिकित्सक समाज में सबसे ज्यादा सम्मान पाते हैं। अच्छा करने वाले अंडरग्राउंड और बुरा करने वाले बुर्ज खलीफा हो जाते हैं।

नैतिक मूल्यों के भार से बंदा बोझिल और मोटोपे का शिकार हो जाता है। उसे चरित्रहीनों की तरह हल्का बने रहने के लिए बड़े भोगासन करने पड़ते हैं। जैसे सत्य बोलने वालों से कोसों दूर रहना चाहिए। एकता की बात करने वालों से मित्रता तोड़ देनी चाहिए। सबको साथ लेकर चलने के बजाय सबको धक्का मारने के बारे में नित नए विचार लाना चाहिए। आकड़ों में लूटखोरी, शब्दों में द्वेषोत्तेजना और तर्क में वितर्क प्रदर्शन करने वाला ही महान कहलाता है। वही विधायक, वही शासक, वही बिग बॉस बनता है। नैतिक मूल्यों की चिंता में खड़े बंदे दबने, गिरने और हारने के लिए होते हैं, जबकि अनैतिक मूल्यों वाले बंदे दबाने, गिराने और जीतने के लिए तत्पर रहते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने सदैव अटल स्मारक पर की पुष्पांजलि अर्पित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

भारतीय जनता पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 99वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए सोमवार को नई दिल्ली में सदैव अटल स्मारक पहुंचे। इस दौरान अटल स्मारक पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सहित अन्य नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित करके अपना सम्मान व्यक्त किया। भारतीय जनता पार्टी सोमवार को अटल बिहारी वाजपेयी की 99वीं जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाने के लिए देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित किये। सुशासन दिवस का उद्देश्य सुशासन के माध्यम से विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और सेवाओं तक जनता की पहुंच बढ़ाना है।

लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी का कोई विकल्प नहीं है: अजित

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने

सोमवार को कहा कि फिलहाल देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। अजित पवार ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी के नेतृत्व को चुनौती देने की योजना बना रहे विपक्षी दलों पर पत्रकारों के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, फिलहाल देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। ऐसा निर्णय केवल एक या दो चीजों के आधार पर नहीं बल्कि विभिन्न पहलुओं के आधार पर लिया जाता है। पवार ने मीडियाकर्मियों से कहा, आप लोग बहुत प्रचार करते हैं लेकिन देश के हितों की रक्षा कौन करेगा, देश किसके हाथों में सुरक्षित और मजबूत होगा और अंतरराष्ट्रीय मंच पर किसने देश की छवि बढ़ाई। यह ऐसे सवाल हैं, जो बहुत मायने रखते हैं। डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा, हमने तीन राज्यों छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में हुए हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजों को भी देखा है।

मैं इंडिया गठबंधन से नाराज नहीं हूं : नीतीश कुमार

पटना। जब से दिल्ली में इंडिया गठबंधन की

चौथी बैठक हुई है, तब से सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नाराज हैं। इसीलिए वह बैठक के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में भी मौजूद नहीं थे। हालांकि अब खुद बिहार सीएम ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नाराजगी की बात गलत है। वह बिल्कुल भी गठबंधन से नाराज नहीं हैं। नीतीश कुमार ने कहा मेरी नाराजगी को लेकर बहुत सारी खबरें चलाई जा रही है, बिल्कुल गलत बात है। मैं क्यों नाराज रहूंगा। मेरी तो कोशिश रही है कि सभी विपक्षी दल साथ आएं, ताकि 2024 में बीजेपी को हरा सकें। हम तो हमेशा से कहते रहे हैं कि हमारी कोई इच्छा नहीं है, बस सब लोग मिल-जुलकर एक साथ चुनाव लड़ें और जल्दी से सब काम हो। नीतीश कुमार ने पीएम उम्मीदवारी या संयोजक नहीं बनाए जाने को लेकर अपनी नाराजगी की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि कभी भी मुझे किसी पद की लालसा नहीं थी।

सिब्बल का राम मंदिर उद्घाटन को लेकर भाजपा पर कसा तंज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और

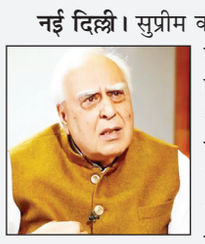

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 जनवरी को उद्घाटित होन वाले भव्य राम मंदिर को भाजपा के लिए प्रचार का साधन बताते हुए बेहद तीखा हमला किया है। राम मंदिर पर विपक्ष के आक्रामक रुख का समर्थन करते हुए पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एएनआई से कहा, यह पूरा मुद्दा दिखावा है। बीजेपी राम के बारे में बात करते हैं लेकिन उनका व्यवहार, उनका चरित्र कहीं भी भगवान राम के करीब नहीं है। सच्चाई, सहिष्णुता, त्याग और दूसरों के प्रति सम्मान भगवान राम के कुछ लक्षण हैं लेकिन वे ठीक इसके विपरीत करते हैं और कहते हैं कि हम राम का महिमामंडन कर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने यह पूछे जाने पर कि क्या वह 22 जनवरी को समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, मेरे तो दिल में राम है, मैं दिखावे के लिए कोई काम नहीं करता हूं।

मोहन मंत्रिमंडल में शामिल हुए कैलाश और प्रहलाद

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर सत्ता पर कब्जा जमाया है जिसके बाद आज 25 दिसंबर को राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार किया जा रहा है। विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव बनाए गए उनके साथ उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी राजेंद्र शुक्ला-जगदीश देवड़ा को सौंपी गई। मध्य प्रदेश में 28 विधायक मंत्री पद की शपथ ले रहे हैं। इनमें 18 कैबिनेट, 6 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 4 राज्य मंत्री है, जो मंत्री परिषद में शामिल होंगे। मंत्री बनने वालों में केंद्रीय मंत्री का पद छोड़कर मध्यप्रदेश जाने वाले प्रहलाद पटेल को भी कैबिनेट में शामिल किया है। मंत्री बनने को लिस्ट में शिवराज सिंह चौहान का नाम नहीं है।

पीएम मोदी ने बताया उनके अनुसार क्या है चार सबसे बड़ी जातियां, मजदूरों को दी बड़ी सौगात

गरीबों की सेवा, श्रमिकों का सम्मान और वंचितों को मान हमारी प्राथमिकता : मोदी

नईदिल्ली। आगामी लोकसभा चुनावों से पहले, विपक्ष द्वारा देश में जातिगत जनगणना की मांग तेज करने के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गरीब, युवा, महिलाएं और किसान उनके लिए सबसे बड़ी चार जातियां हैं। मोदी ने इंदौर में राज्य सरकार द्वारा आयोजित ''मजदूरों के हित, मजदूरों को समर्पित'' कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस से शामिल होते हुए कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे लिए देश में चार जातियां सबसे बड़ी हैं। ये चार जातियां हैं- गरीब, युवा, महिलाएं और किसान। उन्होंने 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाई जाने वाली, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित विशाल कार्यक्रम में, इंदौर में 32 साल पहले बंद हुई हुकुमचंद कपड़ा मिल के करीब 5,000 मजदूरों के 224 करोड़ रुपये के बकाया का बटन दबाकर सांकेतिक भुगतान किया। परिसमापक के जरिये इस मामले के कानूनी निराकरण के लिए राज्य सरकार ने पहल की।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा कि हुकुमचंद मिल मामले के निराकरण से इस कारखाने के पूर्व मजदूरों के परिवारों में त्योहारों का उल्लास बढ़ गया है। उन्होंने कहा, गरीबों की सेवा, श्रमिकों का सम्मान और वंचितों को मान हमारी प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि देश के श्रमिक सशक्त बनें और समृद्ध भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। नवंबर के दौरान हुए विधानसभा चुनावों में मध्यप्रदेश की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़े बहुमत से वापसी के बाद मोदी राज्य के किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में पहली बार शामिल हुए।

प्रधानमंत्री ने सूबे के नये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में कहा, 'मुझे विश्वास है कि हमारी डबल इंजन की सरकार की नयी टीम को श्रमिक परिवारों का भरपूर आशीर्वाद मिलेगा। मैं अच्छी तरह जानता हूं कि गरीबों का आशीर्वाद और उनका प्यार क्या कमाल कर सकता है।' उन्होंने विधानसभा चुनावों में भाजपा को प्रचंड बहुमत देने के लिए सूबे की जनता का आभार जताते हुए कहा कि मतदाताओं को भाजपा की ओर से दी गई चुनावी

गारंटी पूरा करने के लिए नयी राज्य सरकार तेजी से काम कर रही है। मोदी ने यह भी कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र नागरिक तक पहुंचाने के लिए ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' निकाली जा रही है।

प्रधानमंत्री ने इंदौर में कपड़ा उद्योग के समृद्ध इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा, 'हमारी डबल इंजन की सरकार इंदौर को उसका पुराना औद्योगिक गौरव लौटाने का प्रयास कर रही है जो पहले की सरकारों की गलत नीतियों के कारण धूमिल हो गया था।' उन्होंने इंदौर-भोपाल निवेश गलियारा, इंदौर-पीथमपुर औद्योगिक गलियारा, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) और पीएम मित्र पार्क जैसी परियोजनाएं गिनाते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार के राज में इंदौर के आस-पास हजारों करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है जिससे रोजगार के हजारों नये अवसर पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर के पड़ोसी खरगोन जिले में 220 एकड़ जमीन पर 308 करोड़ रुपये की लागत वाले 60 मेगावॉट के सौर ऊर्जा संयंत्र के निर्माण की नींव भी रखी। इसकी लागत में शामिल 244 करोड़ रुपये की रकम इंदौर नगर निगम (आईएमसी) ने सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के रूप में फरवरी के दौरान पेश हरित बॉन्ड के जरिये जुटाई है। प्रधानमंत्री ने इस अभिनव सौर ऊर्जा परियोजना पर प्रसन्नता जताते हुए कहा, 'जल्द में लगने वाले सौर ऊर्जा संयंत्र से इंदौर नगर निगम के बिजली बिल में हर महीने चार करोड़ रुपये की बचत होगी।'

साउथ में भी कांग्रेस को बख्शने के मूड में नहीं मोदी

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) दक्षिण भारत के राज्यों में खुद को स्थापित करने की हर संभव कोशिश कर रही है। बीजेपी तमिलनाडु के बाद अब केरल में खुद की जड़े जमाने में जुटी हुई है। इसी को देखते हुए पार्टी ने केरल के लिए अलग प्लान बनाया है। बीजेपी ने केरल में लोगों के साथ अपना जनसंपर्क बढ़ाने के लिए इस बार क्रिसमस का सहारा लिया है। बीजेपा राज्य में स्नेह यात्रा चल रहा है। जिसके लिए कई टीमों का गठन किया गया है। इन्हीं में से एक टीम इरिक्कुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के मंडल अध्यक्ष अजी कुमार और पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरुण थॉमस केरल की है। जो क्रिसमस सेलिब्रेट कर रहे लोगों से संपर्क कर रहे हैं। इनका उद्देश्य प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के क्रिसमस संदेश को राज्य के सभी ईसाई घरों तक पहुंचाना और भाजपा के बारे में गलतफहमियों को दूर करना है। पार्टी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले समुदाय के प्रति अपनी पहुंच बढ़ा रही है। यह पहल 22 दिसंबर को शुरू हुई और 31 दिसंबर तक चलेगी। जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर एरुवेसी से होते हुए कुमार और थॉमस छोटे गांवों में रबर किसानों के घर पहुंच रहे हैं और उन्हें पीएम मोदी के विजन के बार में बता रहे हैं। एरुवेसी पंचायत इरिक्कुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। जहां केवल कांग्रेस ही चुनाव जीताती आ रही है। भाजपा का इस निर्वाचन क्षेत्र में कोई बजूद नहीं है। यहां ईसाइयों, विशेषकर कैथोलिक चर्च से जुड़े किसानों की एक बड़ी संख्या है। निर्वाचन क्षेत्र के 93 बूथों में से भाजपा के पास केवल 25 बूथों पर पूरी टीम है, और 75 बूथों पर कुछ उपस्थिति है।

इंडिया में कांग्रेस अहम, सीट बंटवारे पर बनेगी बात: जयराम

नई दिल्ली। 28 विपक्षी पार्टियों के गठबंधन-इंडिया में सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, सभी दलों के बीच खुले मन से चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि सभी पार्टियां सीट बंटवारे पर आगे भी बात करती रहेंगी। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रियंका गांधी की भूमिका पर भी बातें की। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी एआईसीसी की महासचिव हैं और हमारी पार्टी में उनकी प्रमुख भूमिका रही है।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को यूपी कांग्रेस में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के प्रभारी पद से मुक्त किए जाने पर कांग्रेस पार्टी के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, राजस्थान और मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका की भूमिका अहम रही है। उन्हें पूरा यकीन है कि आने वाले समय में भी उनकी यही भूमिका होगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम ने कहा, 28 दिसंबर को नागपुर में हैं तैयार हम नाम से एक मेगा रैली होगी। रैली के दौरान कांग्रेस लोकसभा चुनाव 2024 का शंखनाद करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी ने साफ कहा कि कांग्रेस सीटों के बंटवारे के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, कांग्रेस चाहती है कि इंडिया गठबंधन एकजुट और मजबूत। कांग्रेस जीत के लिए हर संभव कोशिश करेगी।

सभापति जगदीप धनखड़ के पत्र की अनदेखी को लेकर रमेश ने कहा, राज्यसभा के सभापति ने 2-3 पत्र लिखे हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने इसका जवाब भी दिया है। वह दिल्ली से बाहर हैं। खरगे अगले 2-3 दिनों के भीतर सभापति से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की लड़ाई सभापति के खिलाफ नहीं बल्कि सत्ताधारी दल के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सभापति संवैधानिक प्राधिकारी हैं और हम उनका पूरा सम्मान करते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, हम बस यही मांग करते हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर बयान दें।

लोकसभा चुनाव से पहले टूट जाएगा एनडीए : शिवकुमार

बेंगलूरू। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए में टूट होगी। दरअसल शिवकुमार से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के हालिया बयान को लेकर सवाल किया गया था, जिसमें ठाकुर ने कहा था कि विपक्षी दलों के पास कोई साझा विचारधारा नहीं है। कोई इंडिया गठबंधन नहीं है। इस पर जवाब देते हुए कहा कि डीके शिवकुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए में ही टूट होगी। हालांकि डीके शिवकुमार ने इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा। बता दें कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल एक गठबंधन बनाकर भाजपा को चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। इस पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कहां है गठबंधन? वे पंजाब में जूझ रहे हैं और अन्य राज्यों में भी जूझ रहे हैं। वह एक सुर में बात नहीं कर सकते। विपक्षी गठबंधन भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे लोगों का गुट है। इनकी कोई साझा विचारधारा या साझा कार्यक्रम नहीं है। कोई इंडिया गठबंधन नहीं है। विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों की कई बैठकें हो चुकी हैं लेकिन सीट बंटवारे की बात तो छोड़िए अभी तक विपक्षी गठबंधन संयोजक का नाम तय नहीं कर पाया है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मैच आज

सेंचुरियन। भारतीय टीम को 26 दिसंबर यानी

कि मंगलवार से साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 26 दिसंबर को पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। दोनों ही टीमों की कोशिश जीत के साथ सीरीज की शुरुआत करने की होगी। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया था।

वनडे सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम की कोशिश पहली बार साउथ अफ्रीकी सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीतने की होगी। भारतीय टीम ने अब तक साउथ अफ्रीका में कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं जीता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम में कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली की वापसी हुई है। इन दोनों खिलाड़ी के आ जाने से भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन काफी मजबूत दिखाई पड़ती है।

भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ बातों का जिक्र किया। राहुल द्रविड़ से जब विकेटकीपिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि केएल राहुल इस रोल में बिल्कुल फिट बैठते हैं। उन्होंने वनडे में विकेटकीपिंग की थी। ऐसे में टेस्ट में भी वह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल लेंगे। कोच राहुल द्रविड़ के इस बयान के बाद केएल राहुल का प्लेइंग इलेवन में होना पक्का माना जा सकता है।

सेंचुरियन की पिच पर तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनर्स को भी मदद मिलती रही है। पिच रिपोर्ट की मानें तो सेंचुरियन में शुरुआती कुछ ओवर्स में तेज गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिल सकता है। जबकि बाद के ओवर में स्पिन गेंदबाज यहां अपनी फिरकी का जाल बिछा सकते हैं। ऐसे में रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा दोनों ही प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं। इन दोनों की जोड़ी टेस्ट मुकाबलों में भारतीय टीम के लिए हमेशा से ही कारगर साबित हुई है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

रिलायंस की दूरसंचार और खुदरा कारोबार में तेजी

नईदिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. के एकल और एकीकृत शुद्ध लाभ के बीच का अंतर पिछले कुछ वर्षों में दोगुना से अधिक होकर 22,400 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी की अनुषंगी इकाइयों के रूप में काम कर रहे खुदरा तथा दूरसंचार कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि इसकी वजह रही। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। जेपी मॉर्गन ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट का आकलन करने के बाद अपनी रिपोर्ट में कहा, '' रिलायंस के एकल तथा एकीकृत शुद्ध लाभ के बीच का अंतर काफी बढ़ गया है। वित्त वर्ष 2019-20 (अप्रैल 2019 से मार्च 2020) में 8,400 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 22,400 करोड़ रुपये हो गया है। दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र में तेजी इसकी मुख्य वजह है।'' वित्त वर्ष 2019-20 में रिलायंस ने 30,902 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 44,205 करोड़ रुपये हो गया।

साल 2023 की दौड़ में राइट्स इश्यू ने पकड़ी रफ्तार

नईदिल्ली। राइट्स इश्यू के जरिये रकम जुटाने के मामले में इस साल सुधार देखा गया है। बाजार में कुछ बड़े सौदे हुए हैं। साल 2023 में 11 कंपनियों ने राइट्स इश्यू के जरिये 7,168 करोड़ रुपये की रकम जुटाई, जबकि पिछले साल 10 कंपनियों ने 3,884 करोड़ रुपये जुटाए थे। राइट्स इश्यू सूचीबद्ध कंपनियों के लिए उपलब्ध ऐसा तंत्र होता है, जिसमें मौजूदा शेयरधारकों को नए इक्विटी शेयरों की पेशकश करके धन जुटाया जाता है। निवेशकों को सदस्यता लेने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते नए शेयरों को आम तौर पर मौजूदा बाजार मूल्य से छूट पर पेश किया जाता है। अगर कोई मौजूदा निवेशक राइट्स की पेशकश में हिस्सा नहीं लेना चाहता है, तो दूसरे निवेशकों के लिए शेयर त्यागने का विकल्प होता है। कंपनियां राइट्स इश्यू का उपयोग आम तौर पर करती हैं, जब प्रवर्तक समूह अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने का इरादा रखता है।

ईवी में अग्रणी बने रहने को लक्षित है ओला का आईपीओ

नईदिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक का 5,500 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम अनिवार्य रूप से यह सुनिश्चित करने को लक्षित है कि इलेक्ट्रिक दोपहिया के दांव पर वह अपनी अग्रणी स्थिति बरकरार रख सके क्योंकि टीवीएस और बजाज ऑटो बाजार हिस्सेदारी के मामले में पहले पायदान वाले के मुकाबले आगे निकलने की कोशिश कर रही है। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि जुटाई गई रकम ईवी बिजनेस के विस्तार के लिए जरूरी योजना के मुताबिक है। उच्च प्रतिस्पर्धा वाले दोपहिया बाजार में दो तरह के ट्रेंड नजर आ रहे हैं। पहला, दो पुरानी कंपनियां बाजार हिस्सेदारी में धीरे-धीरे इजाफा कर रही हैं और ओला के साथ उनका अंतर कुल मिलाकर कम हो रहा है। दूसरा, इलेक्ट्रिक दोपहिया का विस्तार मामूली घटा है और वित्त वर्ष के आखिर तक बिक्री उद्योग के 12 लाख के अनुमान के आसपास नहीं है, जिसकी वजह इस वाहन पर सरकार की तरफ से सब्सिडी अचानक घटाने का फैसला है।

कच्चे माल में नरमी से टायर कंपनियों की बढ़ेगी रफ्तार

नईदिल्ली। कच्चे माल की कीमतों में गिरावट और मांग सुधार की उम्मीद से टायर निर्माता कंपनियों के शेयरों को मदद मिलने की संभावना है। सूचीबद्ध कंपनियों ने पिछले साल के दौरान औसतन 48 प्रतिशत का प्रतिफल दिया है, क्योंकि उन्हें कच्चे माल की कीमतों में नरमी और रीप्लेसमेंट बाजार में मजबूत कीमतों से मदद मिली। कच्चे तेल और उससे संबं धित सहायक उत्पादों का टायर निर्माताओं के लिए कच्चे माल की कीमतों में करीब 50 प्रतिशत योगदान है। इससे प्रमुख कंपनियों को मार्जिन के संदर्भ में मदद मिलने की संभावना है। शेयरखान रिसर्च के अनुसार, 'सूचीबद्ध टायर कंपनियों ने कच्चे माल की लागत में नरमी की मदद से जुलाई-सितंबर तिमाही में परिचालन मुनाफा मार्जिन में तिमाही आधार पर 141 आधार अंक का सुधार दर्ज किया।' उन्हें अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कुछ दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

अब भारतीय कंपनियां अन्य देशों की कंपनियों का भी अधिग्रहण कर रही हैं

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही के समय में कई भारतीय कम्पनियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वरूप ग्रहण करती नजर आ रही हैं। कुछ भारतीय कम्पनियां अन्य देशों की कम्पनियों में न केवल अपना पूंजी निवेश बढ़ा रही हैं बल्कि कुछ कम्पनियां अन्य देशों की कम्पनियों का अधिग्रहण भी कर रही हैं। एक महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि भारत कई ऐसे देशों, जो आपस में शायद मित्र देश की भूमिका में नहीं हैं इसके बावजूद भारत दोनों देशों, के साथ अपने व्यापारिक रिश्तों को बढ़ाता नजर आ रहा है। उदाहरण के लिए, यूनाइटेड अरब अमीरात, कतर एवं सऊदी अरब आदि देश मिडल ईस्ट में भारत के महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार हैं एवं ये देश भारत में भारी राशि का निवेश कर रहे हैं। सऊदी अरब तो भारत में 10,000 करोड़ अमेरिक डॉलर का निवेश करने जा रहा है। परंतु, हाल ही के कुछ वर्षों में मिडल ईस्ट के कुछ देशों के साथ ही, इजराईल के साथ भी भारत के मिलिटरी, राजनैतिक एवं व्यापारिक सम्बंध प्रगाढ़ हुए हैं। न केवल इजराईल की कंपनियां भारत में निवेश कर रही हैं बल्कि कई भारतीय कम्पनियां भी इजराईली कम्पनियों में निवेश कर रही हैं एवं कुछ कम्पनियों का अधिग्रहण कर रही हैं। इस प्रकार भारत के अरब देशों के साथ साथ इजराईल के साथ भी प्रगाढ़ व्यापारिक रिश्ते कायम हो गए हैं। कई भारतीय कम्पनियां इजराईल के स्टार्ट अप में भारी मात्रा में निवेश करती दिखाई दे रही हैं। चूंकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद अब लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को छूने जा रहा है, अत: भारतीय कम्पनियां अब इस स्थिति में पहुंच गई हैं कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की तरह अन्य देशों में विभिन्न

क्षेत्रों में कम्पनियों का अधिग्रहण कर सकें अथवा इन विदेशी कम्पनियों में अपना पूंजी निवेश बढ़ा सकें। इस दृष्टि से भारत की कुछ बड़ी कम्पनियां जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (मुकेश अम्बानी समूह), इनफोसिस, विप्रो, टाटा समूह, अडानी समूह आदि इजराईल की कम्पनियों का अधिग्रहण करने में सफलता हासिल कर रही हैं।

हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, इजराईल में सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण करने वाली एक कम्पनी टावर सेमीकंडक्टर नामक कम्पनी का अधिग्रहण करने का प्रयास कर रही है। सेमीकंडक्टर चिप के उपयोग हेतु भारत में बहुत बड़ा बाजार उपलब्ध है, इससे इस उत्पाद के लिए अन्य देशों पर भारत की निर्भरता कम होगी। इजराईल की उक्त कम्पनी पूर्व में ही भारी मात्रा में सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण कर रही है। पूर्व में अमेरिकी कम्पनी इंटेल ने उक्त कम्पनी को 540 करोड़ अमेरिकी डॉलर में खरीदने का प्रयास किया था परंतु इंटेल को इस कार्य में सफलता नहीं मिल सकी थी। परंतु, अब भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज इस कम्पनी को खरीदने का प्रयास कर रही है। टावर सेमीकंडक्टर वर्ष 2009 में केवल 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार करती थी परंतु यह वर्ष 2022 में इस कम्पनी का व्यापार बढ़कर 168 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। अत: यह कम्पनी अत्यधिक तेज गति से प्रगति कर रही है। भारत में दवाईयों का निर्माण करने वाली एक कम्पनी सन फार्मा ने भी इजराईल की टेरो फार्मा नामक एक कम्पनी को अपनी सहायक कम्पनी बना लिया है। इससे भारतीय सन फार्मा कम्पनी का विस्तार इजराईल में भी हुआ है। सन फार्मा को नई तकनीकी को विकसित करने में भी सहायता मिली है। इसी प्रकार, भारतीय कम्पनी अदानी पोर्ट्स एंड लाजिस्टिक्स ने इजराईल के सबसे बड़े हाईफा पोर्ट का विस्तार करने का कार्य हाथ में लिया है। इस विस्तार के कार्य पर 115 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि खर्च होगी। वर्ष 2021 में इजराईल के कुल विदेशी व्यापार का लगभग 56 प्रतिशत हिस्सा इसी पोर्ट के माध्यम से हो रहा था। टाटा समूह की टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) नामक सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कम्पनी भी इजराईल में अपने व्यापार का लगातार विस्तार कर रही है। भारत की इनफोसिस कम्पनी ने इजराईल की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की पनाया नामक कम्पनी का 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर में अधिग्रहण कर लिया है।

नव वर्ष पर हुड़दंग करने वाले, नशे में वाहन चलाने वालों पर होगी कड़ी कार्यवाही

बड़े आयोजनों और चौक-चौराहों पर रखी जाएगी सीसीटीव्ही कैमरे से नजर

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने नव वर्ष के अवसर पर होने वाले आयोजनों तथा 31 दिसम्बर की शाम को शहर की कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि नव वर्ष के पूर्व संध्या को शहर में शांति व्यवस्था बनी रहें। शहर के प्रमुख सड़कों पर यातायात व्यवस्था अच्छी हो। आम नागरिकों को किसी भी प्रकार का तकलीफ सामना ना करना पड़े। नव वर्ष पर आयोजन रात्रि सवा 12 बजे की समयावधि के भीतर किया जाए। उन्होंने हुड़दंग करने वाले तत्वों पर नजर रखने त्वरित एवं कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने कहा कि पुलिस विभाग शहर के चिन्हित इलाके जैसे तेलीबांधा, वीआईपी रोड, नया रायपुर इत्यादि स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम करें और निरंतर गश्त करें। चौक चौराहों पर जमावड़ा लगाने वाले, शराब पीकर वाहन चलाने वाले, दो पहिया वाहनें पर दो से अधिक सवारी, तेज गति से वाहन चलाने वालों तेज हॉर्न बजाने वालों पर रोक लगाएं और कड़ी कार्यवाही करें। डॉ. भुरे ने कहा कि जो भी होटल, रेस्टोरेंट में ऐसे आयोजन, जिसका स्वरूप बड़ा हो और बड़ा कलाकार शामिल हो, उन्हें एक निश्चित मापदण्डों के आधार अनुमति दी जाए और उन्हें ताकिद करें कि उनके आयोजनों में किसी प्रकार की अशांति, नशाखोरी ना हो और आयोजन ऐसा हो जिससे वहां शामिल होने वाले आमनागरिकों असुविधा ना हो।

कलेक्टर डॉ. भुरे ने कहा कि विशेष रूप से चौक-चौराहों बड़े आयोजनों वाले होटल, रेस्टोरेंट पर सीसीटीव्ही और कैमरों के माध्यम से नजर रखी जाएगी और किसी प्रकार का गड़बड़ी करने पर तुरंत कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि शहर के विभिन्न संदिग्ध स्थान जहां पर नशें की सामाग्री मिलने की सूचना हो और नशाखोरी-अड्डेबाजी की जा रही हो वहां पर कड़ी जांच करें और ऐसे अपराधिक तत्वों पर कार्यवाही करें। डॉ. भुरे ने एनजीटी के गाइडलाईन के अनुसार आतिशबाजी करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग के अधिकारियों जानकारी दी कि शहर में 20 प्वाइंट बनाये गये है जहां पर विशेष नजर रखी जाएगी और ब्रेथएनालाईजर से कड़ाई से चेकिंग की जाएगी। उन्होंने बताया लेकर बैठक लेकर कहा गया है कि होटल, रेस्टोरेंट, बार और ढाबा संचालकों एक निश्चित समयावधि के भीतर बंद किया जाए। पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो। संस्थानों के बाहर या चार पहिये वाहन के भीतर शराब का सेवन ना कराया जाए। आयोजक क्षमता से अधिक पास जारी ना करें। साथ ही कार्यक्रम के दौरान नशीला पदार्थ जैसे हुक्का, गांजा अथवा अन्य नशीली पदार्थ पाये जाने पर ऐसे संचालकों के विरूद्ध कार्यवाही करने के साथ ही उनका लायसेंस भी निरस्त किया जायेगा। बैठक में प्रभारी एस पी जी आर ठाकुर, नगर निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री एन.आर.साहू, यातायात एडिशनल एसपी श्री सचिन्द्र चौबे, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

खेल संघों की राजनीति

भारतीय कुश्ती महासंघ पिछले कुछ वर्षों से विवादास्पद बना हुआ था। पूरे देश ने कुश्ती के श्रेष्ठ खिलाड़ियों को सड़कों पर धरना देते हुए देखा ।ओलंपिक विजेता कुश्ती पहलवानों को आंसू बहाते देखा। अपने सम्मानों को वापस करते हुए भी देखा। यह बहुत दु:खद स्थिति रही। आखिरकार सरकार ने यह बहुत अच्छा निर्णय किया कि जो नया कुश्ती महासंघ गठित हुआ, उसे फिलहाल निलंबित कर दिया। कुश्ती महासंघ में चलने वाले दाँव-पेंचों से कुश्ती का भला नहीं हो सकता। कुछ लोगों की दुकानदारी जरूर चमक सकती है। लेकिन अंतत देश का नुकसान होता है । अच्छे खिलाड़ी आगे नहीं आ पाते। मेरा अपना मानना है, (और यह लगभग सभी की राय हो सकती है) कि तमाम खेल संघों में राजनीतिज्ञों का वर्चस्व नहीं होना चाहिए। वहां के शीर्ष पदाधिकारी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ही होने चाहिए । बेशक उसमें मंत्री, विधायक, सांसद भी शामिल हों, लेकिन उनकी पृष्ठभूमि खिलाड़ी वाली होनी चाहिए। एक खिलाड़ी ही खेल भावना के साथ काम कर सकता है । अगर विशुद्ध राजनीतिज्ञ व्यक्ति किसी भी खेल संघ का अध्यक्ष बनता है, तो वह खेल के बारे में काम सोचेगा, जोड़-तोड़ पर अधिक ध्यान देगा। परिचितजनों के कमजोर खिलाड़ी को आगे बढ़ाने का काम करेगा। रिश्तेदारी भी निभाने की कोशिश करेगा। खिलाड़ियों को अपने इशारे से नाचने का प्रयास करेगा। अगर पुरुष है तो महिलाओं के शोषण की भी कोशिश करेगा । कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष पर इस तरह के आरोप लगाते रहे हैं । कुछ महिला खिलाड़ियों ने खुलकर उनके खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा की परवाह किए बगैर यह खुलकर कहा कि हमारे साथ अश्लील हरकतें होती थीं। अन्य राज्यों में भी खेल संघों के पदाधिकारियों पर इस तरह की उंगलियां उठती रही हैं। इसलिए किसी भी खेल संघ के पदाधिकारी का चयन करते वक्त उनकी राजनीतिक योग्यता नहीं, खेल विषयक योग्यता और परंपरा को देखना चाहिए। भारत देश आज भी वैश्विक स्तर पर खेल के मामले में काफी पिछड़ा हुआ है। इसलिए बहुत जरूरी है कि विभिन्न खेल संघों में ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल करें, जो पूरी ईमानदारी के साथ बेहतर खेल प्रतिभाओं को चयनित करें। आज भी हमारे गांव में श्रेष्ठ खिलाड़ी मिल सकते हैं । वहां जाकर उनका चयन करना और उन्हें हर तरह की सुविधा देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनना खेल संघों की जिम्मेदारी होती है । दुनिया के कुछ देश यही करते हैं। वे अपने खिलाड़ियों का चयन करके वर्षों तक उन पर व्यय करते हैं ।उन्हें अच्छे से तैयार करते हैं। यही कारण है कि वे खिलाड़ी विश्व स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में शामिल होकर अपने देश के लिए स्वर्ण पदक भी जीतते हैं। ओलंपिक संघ हो या क्रिकेट संघ या कोई अन्य खेल संघ, उनमें गैर खिलाड़ियों का पदाधिकारी होना लोगों को चुभता है। यह परंपरा खत्म होनी चाहिए । कुश्ती संघ के विवाद को देखते हुए एक महिला पहलवान ने बहुत सही सुझाव दिया कि कुश्ती महासंघ में अध्यक्ष किसी महिला को बनाना चाहिए । महिला के आने के बाद अनेक समस्याएं अपने आप खत्म हो सकती हैं ।हमारे देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की कुछ महिला पहलवान हैं,जो महासंघ की जिम्मेदारी संभाल सकती हैं।

सीएम विष्णुदेव साय ने छात्र हित में की बड़ी घोषणा
राजधानी में बनेगा एक और नालंदा परिसर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छात्र हित में बड़ी घोषणा की है. राजधानी रायपुर में नालंदा परिसर की तर्ज पर एक और नालंदा परिसर बनेगा. वर्तमान नालंदा परिसर में भी सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी. पीएससी, यूपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को बड़ा फायदा मिलेगा. मुख्यमंत्री ने नालंदा परिसर में सुशासन दिवस पर आयोजित बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केंद्रित छायाचित्र प्रदर्शनी के शुभारंभ के अवसर पर ये घोषणा की. इस दौरान मंत्री ओपी चौधरी भी उपस्थित थे.

अब परफार्मेंस बिगड़ा तो खैर नहीं: साय
सरकार का बड़ा निर्णय, मुख्यमंत्री सचिवालय अटल मॉनिटरिंग पोर्टल से करेगा निरंतर निगरानी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सुशासन दिवस के अवसर पर मंत्रालय महानदी में आयोजित कार्यक्रम में अटल मॉनिटरिंग पोर्टल का शुभारंभ किया. इस पोर्टल के माध्यम से मुख्यमंत्री सचिवालय सीधे योजनाओं के क्रियान्वयन पर नजर रखेगा. किसी का परफार्मेंस बिगड़ा अथवा शासन की मंशानुरूप पारदर्शी और बेहतर तरीके से क्रियान्वयन नहीं हुआ तो सख्ती भी बरती जाएगी. वर्तमान में 23 विभागों की 35 महत्वपूर्ण योजनाओं की मॉनिटरिंग इस पोर्टल के माध्यम से की जाएगी. गौरतलब है कि पिछले पांच सालों में केंद्र की योजनाओं के क्रियान्वयन की ठीक तरह से मानिटरिंग प्रदेश में नहीं हो पाई. जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ पिछड़ गया. इसके लिए ही अटल मॉनिटरिंग पोर्टल का शुभारंभ किया गया है. कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अटल मॉनिटरिंग पोर्टल से हमको योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की रियल टाइम स्थिति मिलेगी. सुशासन दिवस के अवसर पर यह पोर्टल लांच किया गया है. सुशासन तभी आता है जब लगातार मॉनिटरिंग होती है. जमीनी स्थिति पर सीधे नजर होती है. हमारे पास इस पोर्टल के माध्यम से अद्यतन जानकारी होंगी जिससे हम योजनाओं की नियमित समीक्षा कर सकेंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि पोर्टल के माध्यम से हम यह देखेंगे कि विभाग योजनाओं के लिए दी गई समयावधि में कार्य पूरा कर रहे हैं या नहीं. जिलों को दिया गया टारगेट पूरा हो रहा है या नहीं.

मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न विभागों के स्टॉल का किया अवलोकन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बेन्द्री में धान बोनस वितरण समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में बच्चों को अन्नप्राशन कराया। उन्होंने स्टॉल में गर्भवती महिलाओं को सुपोषण किट तथा किशोरियों को स्वच्छता किट प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में टीबी के मरीजों को पोषण किट दिया। उन्होंने हितग्राहियों को आयुष्मान कॉर्ड वितरित करने के साथ ही टीबी के मरीजों को पोषण आहार के लिए सहायता प्रदान करने वाले निक्षय मित्रों को सम्मानित भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, विधायक श्री इंद्र कुमार साहू और श्री खुशवंत साहेब ने भी मुख्यमंत्री के साथ स्टॉलों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कृषि विकास एवं कृषक कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी के स्टॉल में किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्र वितरित किया। उन्होंने किसानों को पॉवर ब्रीडर, रीपर, पैडी ट्रांसप्लांटर और थ्रेसर प्रदान किया। उन्होंने खेतों में कीटनाशक एवं खाद का छिड़काव करने वाले ड्रोन के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सहकारिता विभाग के स्टॉल पर किसानों को रुपे केसीसी कॉर्ड और खाद्य विभाग के स्टॉल पर महिलाओं को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत नया गैस कनेक्शन प्रदान किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने पेड़ों को कटवा रही भाजपा सरकार: विकास उपाध्याय

रायपुर. हसदेव में वनों की कटाई का कांग्रेसियों ने विरोध किया. पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कार्यकर्ताओं के साथ भीम राव अंबेडकर चौक पर मानव श्रृखला बनाकर विरोध जताया. विकास उपाध्याय ने हसदेव बचाने की गुहार भी लगाई. पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सबसे घने जंगल हसदेव अरण्य को बचाने की गुहार लगा रहे हैं. भारतीय जनता पार्टी की सरकार आते ही कुछ ही दिनों में उसने आदिवासी विरोधी, किसान विरोधी नीतियों को दिखाना शुरू कर दिया है. भाजपा के चुनिंदा नेता कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए हजारों पेड़ कटवा रहे हैं, जिसका विरोध आज अंबेडकर चौक में मानव श्रृंखला बनाकर किया जा रहा है. हसदेव बचाने के लिए सड़क की लड़ाई लड़ेंगे.

बिलासपुर-उसलापुर के बीच 10.4 किमी लंबी आधुनिक रेल फ्लाईओवर का निर्माण अंतिम चरण में

बिलासपुर। ट्रेनों की लेटलतीफी से परेशान यात्रियों के जल्द ही कुछ राहत मिलने वाली है. रेलवे प्रशासन गाड़ियों के क्रॉस मूवमेंट की समस्या के समाधान स्वरूप बिलासपुर रेलवे स्टेशन से उसलापुर तक फ्लाईओवर बना रहा है. 10.4 किमी लंबी रेल फ्लाईओवर (रेल के ऊपर रेल) का निर्माण कार्य चल रहा है. इसके अंतर्गत फ्लाईओवर के निर्माण के साथ ही ओवर हेड लाइन का शिफ्टिंग जैसे सभी महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा कर लिया गया है. दरअसल, वर्तमान में गाड़ियों को कटनी दिशा की ओर जाने में पूरे बिलासपुर यार्ड को क्रॉस करना पड़ता है, जिसमें काफी समय लगता है. इसके साथ ही इस समय तक रायपुर से बिलासपुर और बिलासपुर से रायपुर दिशा की ओर आने जाने वाली गाड़ियों को नियंत्रित करना पड़ता है. जिसकी वजह से ट्रेनें लेट हो जाती है. इस कार्य के पूरा होते ही बिलासपुर से कटनी दिशा की ओर जाने वाली सभी गाड़ियां इस मार्ग से समय से उसलापुर होते हुये कटनी दिशा की ओर जाने लगेगी साथ ही बिलासपुर-रायपुर-बिलासपुर दिशा की गाड़ियों को नियंत्रित नहीं करना पड़ेगा.

प्रॉपर्टी डीलर के घर से लाखों की चोरी, प्रिंटर और डीवीआर को किया आग के हवाले

रायपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के शांति नगर इलाके से प्रापर्टी डीलर के यहां लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दीपक गाइन जो की प्रापर्टी डीलर है। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके घर से लाखों रुपये की नकदी चोरी हुई है। दीपक ने बताया कि जिस समय चोरी हुई उस समय वह घर के ऊपर के हिस्से में थे। जब नीचे गया तो देखा कि अलमारी से पैसे गायब थे। घर में उसे दौरान काम करने वाली बाई भी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार जिस रूम में चोरी हुई है। वह प्रापर्टी डीलर दीपक का आफिस रुम था, वहां रखा प्रिंटर, दस्तावेज और डीवीआर जल गए हैं। पुलिस को आशंका है कि आग लगने के बाद अचानक से बुझ कैसी गई और फैली कैसे नहीं। पुलिस हर तथ्यों पर जांच कर रही है। सबके बयान दर्ज कर रहे हैं।

कमर्शियल कोर्ट में होगी तीन से दस लाख तक के आर्थिक मामलों की सुनवाई

रायपुर। प्रदेश के विधि विधायी विभाग ने कमर्शियल कोर्ट की तरह सुनवाई करने के लिए राज्य के सभी जिलों को ज़ोन में बांटा है। हाई कोर्ट की सलाह पर विभाग ने सिविल कोर्ट से लेकर जिला न्यायालय तक को इसमें शामिल कर उन्हें कमर्शियल कोर्ट का दर्जा देकर आर्थिक मूल्य के आधार पर वर्गीकृत किया है। इसी तरह से बिलासपुर जोन में सेकेंड और थर्ड सिविल जज प्रथम, दुर्ग में सेकेंड और थर्ड सिविल जज प्रथम, जगदलपुर जोन में सेकेंड सिविल जज प्रथम, कोरबा में सेकेंड सिविल जज प्रथम, रायगढ़ में सेकेंड सिविल जज प्रथम, राजनांदगांव में सेकेंड सिविल जज प्रथम और अंबिकापुर (सरगुजा) में सिविल जज प्रथम सीजेएम को प्रकरणों की सुनवाई करने निर्धारित किया गया है। न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार इन सभी जोन में आसपास के जिलों को भी शामिल कर दिया गया है। इसी तरह 10 लाख से 50 लाख तक आर्थिक मूल्य के लिए जिला न्यायालयों में इसकी व्यवस्था की गई है। इसके मुताबिक बस्तर में प्रथम एडीजे जगदलपुर, बिलासपुर में सेकेंड एडीजे, दुर्ग में सेकेंड एडीजे, कोरबा में फर्स्ट एडीजे को कमर्शियल कोर्ट के लिए अधिकृत किया गया है। इसी तरह रायगढ़ में फर्स्ट एडीजे, रायपुर में सेकेंड एडीजे, राजनांदगांव में फर्स्ट एडीजे और सरगुजा में सेकेंड एडीजे अंबिकापुर को कमर्शियल कोर्ट के लिए अधिकृत किया गया है। इन सब जिला न्यायालयों में भी करीब के दूसरे जिलों के मामले भी सुने जाएंगे।

मुठभेड़ में मारे गये तीन पुरुष नक्सलियों में दो की हुई पहचान, एक अज्ञात

दंतेवाड़ा। थाना कटेकल्याण क्षेत्रांतर्गत कैम्प तुमकपाल से बस्तर फाईटर एवं डीआरजी की संयुक्त पार्टी नक्सल अभियान हेतु रवाना हुई थी। अभियान के दौरान रविवार देर शाम लगभग 6:30 बजे तक तुमकपाल-डब्बाकुन्ना में चली मुठभेड़ में दरभा डिवीजन के तीन पुरुष नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। मारे गये नक्सलियों में दो नक्सली 5-5 लाख के इनामी एलओएस कमांडर कुहरामी लक्ष्मण और सोढ़ी जगदीश के रूप में पहचान हुई है, जब कि मारे गये एक नक्सली की पहचान अभी नहीं हुई है। नक्सलियों के शव के साथ विस्फोटक एवं हथियार सहित नक्सल सामग्री बरामद हुआ है।

पुलिसकर्मी ने युवक पर किया जानलेवा हमला, गंभीर रूप से घायल, स्वकने किया सस्पेंड

बिलासपुर। जिले में पुलिस की बर्बरता का मामला सामने आया है. एक पुलिसकर्मी ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया. इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है. घायल युवक का इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यह मामला कोटा थाना क्षेत्र का है. जानकारी के अनुसार, कोटा थाना में पदस्थ आरक्षक ने युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया है. घटना में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. वहीं मामले को एसपी संतोष सिंह ने गंभीरता से लेते हुए आरक्षक रवि श्रीवास को तत्काल निलंबित कर दिया है.

दिव्यांग खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

32 मेडल जीतकर जिले का नाम किया रोशन

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही. एक बार फिर जिले के दिव्यांग खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय खेलों में जिले का नाम रौशन किया है. दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल के बलबूते 32 मेडल जीतकर जिले का नाम रौशन किया. इसके पूर्व में भी हुई खेल प्रतियोगिता में इन खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दिल जीत लिया था.

बता दें कि चौदहवीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता 22 से 24 दिसंबर तक स्वामी विवेकानंद स्टेडियम रायपुर में आयोजित की गई थी, जहां पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के दिव्यांग एथलीट खिलाड़ियों ने 32 मेडल प्राप्त कर जिले नाम रौशन किया है. सचिव जिला पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन दिनेश सिंह दाऊ ने बताया कि दिव्यांग खिलाड़ियों में प्रताप सिंह उईके केटेगरी एफ-40 गोलाफेंक स्वर्ण पदक, तवा फेंक स्वर्ण पदक, भालाफेंक स्वर्ण पदक, विनेश कुमार टी-44 में 100 मीटर दौड़ स्वर्णपदक, तवाफेंक स्वर्णपदक भालाफेंक स्वर्णपदक, सुंदर कुशराम टी-46 गोलाफेंक स्वर्णपदक, लंबीकूद स्वर्णपदक, भालाफेंक स्वर्णपदक, राकेश कुमार पोट्टाम टी-37 में 100 मीटर दौड़ स्वर्ण पदक,400 मीटर दौड़ स्वर्ण पदक, जंतराम पनिका एफ-44 लंबी कूद स्वर्णपदक, भाला फेंक स्वर्ण पदक, गोलाफेंक रजत पदक, गनपत सिंह एफ 37 तवाफेंक स्वर्णपदक, भालाफेंक स्वर्णपदक प्राप्त किया. दिनेश सिंह टी-11 गोला फेंक स्वर्ण पदक, सोमेश्वर धुर्वे टी- 44 तवा फेंक स्वर्ण पदक, 100 मीटर दौड़ रजत पदक, कमल मांझी की ङ्क 44 में 100 मीटर दौड़ स्वर्ण पदक,तवाफेंक कांस्य पदक, लालबहादुर एफ -57 भाला फेंक रजत पदक,तवा फेंक कांस्य पदक, मालती राठौर टी-42 गोला-फेंक स्वर्ण पदक, लंबी कूद स्वर्ण पदक,200 मीटर दौड़ रजत पदक, मोहनी मरावी टी-42 तवाफेंक स्वर्ण पदक,200 मीटर दौड़ स्वर्ण पदक, लंबी कूद रजत पदक, कौशिल्या पोर्ते एफ -54 गोला-फेंक स्वर्ण पदक, तवा फेंक स्वर्ण पदक,भाला फेंक रजत पदक प्राप्त किये हैं.

बोनस सभी 12 लाख किसानों को नहीं मिला, सरकार ने हितग्राही किसानों का भौतिक सत्यापन ही नहीं करवाया - कांग्रेस

रायपुर। भाजपा सरकार द्वारा जारी किये 2 साल के बोनस में भी धोखा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सभी बकाया 12 लाख किसानों को धान का बोनस नहीं मिला है। सरकार के पास वर्तमान में उस समय के किसानों की स्थिति का कोई डाटा ही नहीं है। बोनस के नाम पर गलत लोगो को फायदा पहुंचाने का षडयंत्र रचा गया है। भाजपा सरकार के द्वारा जारी किया गया 2 वर्ष का बोनस भी किसानों के साथ एक छलावा है। सरकार ने वर्तमान में किसानों की संख्या का भौतिक सत्यापन नहीं करवाया और न ही 2015-2016, 2016-2017 के पंजीकृत खातों की वर्तमान स्थिति का पता करवाया ऐसे में पात्र सभी किसानों को बोनस की राशि मिलेगी इसकी गारंटी नहीं है। शुक्ला ने कहा कि इन 7 सालों में परिवारों में विभाजन हो गया, खाते में बंटवारा हो गया, कुछ लोगो की मौत हो गयी, अन्य खातेदारों के नाम भी चढ़ गये। ऐसे में चिन्हांकित कैसे करेंगे किन-किन को बोनस देना है? उस समय 12 लाख किसानों ने धान बेचा था तो खातों में बदलाव के बाद उनकी संख्या बढ़ेगी या घटेगी इसका सर्वे किये बिना बोनस देने की बाते कर रहे है यह सिर्फ भ्रम पैदा करना है। खेत बेच चुके किसानों के बोनस का क्या होगा? न कोई दावा आपत्ति का अवसर न ही हितग्राहियों की कोई सूची या निश्चित संख्या है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.